শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 90 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 27 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विपक्षी एकता की आज एक अहम बैठक आयोजित पेज 3
कृषि विकास में अहम भूमिका निभाएगी भारतीय बीज सहकारिता समिति : शाह पेज 4
हर जरूरतमंद को मिले आवास व इलाज : मुख्यमंत्री पेज 5
आपणो राजस्थान, सुझाव आपका संकल्प हमारा : भाजपाध्यक्ष सीपी जोशी पेज 8

94 सीटों पर असम के मूल लोगों के लिए आरक्षण चाहिए : अल्फा वार्ता समर्थक

गुवाहाटी। असम की विधानसभा में आरक्षण की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। विधानसभा की 94 सीटों पर असम के मूल लोगों के लिए आरक्षण की मांग कर रहे संगठन अल्फा (वार्ता समर्थक) का कहना है कि उन्होंने अपना प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास भेज दिया है। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के वार्ता समर्थक गुट ने असम के मूल लोगों के लिए 94 विधानसभा क्षेत्रों में आरक्षण की मांग करते हुए कहा कि शांति समझौते के मसौदे पर केंद्र को अपने सुझाव भेज दिए हैं। उन्होंने कहा कि अल्फा केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया का इंतजार कर

रहा है। संगठन के पदाधिकारी ने और अल्फा (वार्ता समर्थक) के महासचिव अनूप चेतिया ने गुरुवार को कहा कि उनका संगठन असम के मूल लोगों के लिए असम विधानसभा की 94 सीटों पर आरक्षण चाहता है। उन्होंने कहा कि परिसीमन प्रक्रिया के बाद यह और भी महत्वपूर्ण है। गौरतलब है कि विगत अगस्त में, चुनाव आयोग ने असम में विधानसभा सीटों की संख्या 126 और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 14 बरकरार रखते हुए अपनी अंतिम परिसीमन रिपोर्ट प्रकाशित की। बता दें कि असम में सात राज्यसभा की सीटें भी हैं। परिसीमन के -शेष पृष्ठ दो पर

सरकारी कर्मचारी दूसरी शादी नहीं कर सकते : राज्य सरकार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार ने एक आदेश जारी कर निर्देश दिया है कि कोई भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी दूसरी शादी नहीं कर सकता है। खबरों के मुताबिक अब से राज्य सरकार की इजाजत के बिना दूसरी शादी नहीं की जा सकेगी। नियम का उल्लंघन करने पर भारी जुर्माना लगेगा और विभागीय जांच का भी सामना करना पड़ेगा। यह नोटिस बीटीआर, कार्बी आंग्लांग और डिमा हसाउ स्वायत्त परिषद को भी भेजा गया है। असम सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव नीरज वर्मा के एक आदेश में कहा गया है कि कोई भी सरकारी कर्मचारी, जिसकी पत्नी जीवित है, सरकार की अनुमति प्राप्त किए बिना दूसरी शादी नहीं करेगा। भले ही व्यक्तिगत कानून के तहत ऐसी बाद की शादी की अनुमति हो। फिलहाल उस पर भी -शेष पृष्ठ दो पर

धेमाजी में बांस का पुल गिरा, 20 छात्र घायल

धेमाजी। असम के धेमाजी जिले के जोनाई में बांस का पुल गिरने से 20 छात्र घायल हो गए। इनमें पांच छात्रों की हालत गंभीर बताई गई है। बताया जाता है कि धेमाजी जिले के जोनाई विधानसभा अंतर्गत सिसी टांगानी चाहबारी में बांस का जर्जर पुल गिर जाने से एक स्कूल के 20 छात्र हो गए। गंभीर रूप से घायल पांच छात्रों को धेमाजी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा उस समय हुआ जब छात्र सुबह स्कूल जाने के लिए बांस के पुल को पार कर रहे थे। हादसे से इलाके में दहशत फैल गई। चाहबारी तंगानी नदी पर कंक्रीट का पुल नहीं होने के कारण क्षेत्र के लोगों ने आवागमन के लिए अपने खर्च से बांस के पुल का निर्माण किया था। इसी वजह से इस पुल का उपयोग क्षेत्र के लोग लंबे समय से करते आ रहे थे। इसी क्रम में गुरुवार की सुबह जब छात्रों का समूह पुल को पार कर रहा था तभी पुल -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस की सरकार बनी तो हर जिले में खोलना होगा सीबीआई, ईडी का दफ्तर : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिस.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यदि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और भूपेश बघेल की सरकार फिर से बनी तो यहां भ्रष्टाचार इतना अधिक बढ़ जाएगा की हर जिले में सीबीआई और ईडी का कार्यालय खोलना पड़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने ये बातें आज छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा ही सीबीआई और ईडी की कार्रवाई की बातें किया करती है। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार में कितना अधिक भ्रष्टाचार है इसका पता इसी से चलता है कि पार्टी ने स्वयं अपने 22 सिटिंग विधायकों के टिकट काट -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस नेताओं को राम से बैर है : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि कांग्रेस के नेताओं को राम से बैर है। कांग्रेसियों को राम की तुलना में बाबर अधिक प्रिय है। यही वजह है कि कांग्रेस के किसी भी नेता ने आजादी के सात दशक से अधिक समय तक राम मंदिर निर्माण के लिए कोई प्रयास नहीं किया। यहां तक कि राम मंदिर के शिलान्यास के बाद से लेकर आज तक कोई भी कांग्रेस का नेता रामलला के दरबार में माथा टेकने तक नहीं गया। जबकि, देश-विदेश से भारी संख्या में भक्त यहां पहुंचाते रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राम मंदिर में इसलिए नहीं जाते हैं, क्योंकि बाबर को मानने वाले लोग उनसे नाराज हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी के आने के बाद अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हुआ। ये बातें मुख्यमंत्री डॉक्टर शर्मा ने आज छत्तीसगढ़ के महासमंद में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे छत्तीसगढ़ में ये सभी बातें इसलिए बता रहे हैं, क्योंकि छत्तीसगढ़ से -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

हिमंत विश्व शर्मा को ईसीआई का नोटिस

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को उनकी *अकबर* टिप्पणी पर कारण बताओ जारी किया है, इसे *सांप्रदायिक रूप से आरोपित* बताया है और भाजपा नेता को जवाब देने के लिए सोमवार तक का समय दिया है।

पार्टी या उम्मीदवार ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं होगा जो मौजूदा मतभेदों को बढ़ा सकता है या आपसी नफरत पैदा कर सकता है या विभिन्न जातियों और समुदायों, धार्मिक या भाषाई के बीच तनाव पैदा कर सकता है। इसके अलावा, अन्य राजनीतिक दलों की आयोग ने नेता को आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन में पाया है, जो पांच राज्यों मिजोरम, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में चुनावों की घोषणा के साथ लागू हुई। ईसीआई ने अपने नोटिस में कहा कि कोई भी आलोचना, जब की जाएगी, उनकी नीतियों और कार्यक्रम, पिछले रिकॉर्ड और काम तक ही सीमित रहेगी। पार्टियों और उम्मीदवारों को निजी जीवन के उन सभी पहलुओं की आलोचना से बचना चाहिए, -शेष पृष्ठ दो पर

कनाडा में भारत और हिंदू विरोधी नारे, पीएम मोदी का पुतला जलाया

नई दिल्ली। कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नाक तले एक बार फिर भारत विरोधी घिनौनी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। यहां खालिस्तान समर्थकों ने ओटावा में दशहरा पर्व वाले दिन तिरंगे में लिपटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भारतीय दूतावास के अधिकारियों के पुतले जलाए। इन्हें जलाते समय खालिस्तानी भारत और हिंदू विरोधी नारे भी लगा रहे थे। इस घटना के बाद से कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो फिर से अलोचनाओं में घिर गए हैं। लोग उनसे पूछ रहे हैं कि क्या वह इसी तरह से अभिव्यक्ति की आजादी का समर्थन करते हैं। ट्रूडो सितंबर में हुए जी-20 सम्मेलन के लिए भारत आए थे। यहां पर सम्मेलन के खत्म होने के बाद उन्होंने खालिस्तानी तत्वों की अपने देश में मौजूदगी पर जवाब दिया और इसे अभिव्यक्ति की आजादी करार दे डाला था। ट्रूडो ने कहा था कि कनाडा हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, विवेक

की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण विरोध की स्वतंत्रता की रक्षा करेगा और यह बेहद महत्वपूर्ण है। लेकिन साथ ही कनाडा हिंसा को रोकने और नफरत को पीछे धकेलने के लिए भी काम करता रहेगा। पिछले महीने भी ओटावा में भारत के उच्चायोग के अलावा टोरंटो और वैंकूवर में काउंसलर की इमारतों के बाहर बंद सड़कों पर कनाडाई सिखों ने प्रदर्शन किया था। ये खालिस्तान समर्थक जून में हुई हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का विरोध करने के लिए इकट्ठा हुए थे। इस दौरान भी उन्होंने तिरंगे के अलावा पीएम मोदी का पुतला जलाया था। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या विवाद के चलते भारत ने पिछले दिनों 41 कनाडाई राजनयिकों -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

आसमान की तरफ देखो। हम अकेले नहीं हैं। सारा जहां हमारा दोस्त है और सपने देखने और उन्हें पूरा करने वालों की मदद करता है।

– **अब्दुल कलाम**

कतर में आठ पूर्व भारतीय सैनिक को फांसी की सजा

नई दिल्ली। अरब देश कतर में 8 भारतीयों को गुरुवार को फांसी की सजा सुनाई गई। इस मामले में भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि मौत की सजा के फैसले से हम हैरान हैं। विस्तृत फैसले का इंतजार किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, ये आठ लोग कतर के अल दहारा कंपनी में काम करते हैं। कतर में आठ महीने पहले भारतीय नैसेनी के 8 पूर्व अधिकारियों को जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ये गिरफ्तारी पिछले साल सितंबर में हुई थी। ये सभी ऑफिसर भारतीय नौसेना में -शेष पृष्ठ दो पर

राममंदिर प्राण-प्रतिष्ठा में शामिल होंगे भागवत

अयोध्या (हि.स.)। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने गुरुवार को कारसेवकपुरम में प्रेस वार्ता कर श्री राम लला के भव्य एवं दिव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तारीख 22 जनवरी घोषित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने निमंत्रण स्वीकार किया है। प्रतिष्ठा पूजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत भी पूजन में शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल प्रोटोकाल शिष्टाचार के तहत प्राण प्रतिष्ठा में

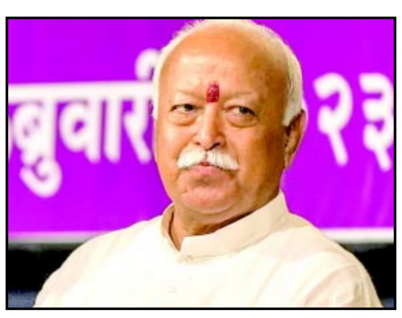

शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि कल राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से चार प्रतिनिधि मंडलों के दल ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास पर शिष्टाचार मुलाकात कर आमंत्रित किया। चम्पत राय ने बताया कि देश के सभी पूजा पद्धति के 4000 सन्त प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। सन्त समाज से हटकर विभिन्न क्षेत्रों से 2500 लोग जैसे वैज्ञानिक, कलाकर, परमवीर चक्र से सम्मानित परिवारों, शहीद कारसेवको के परिवारों को -शेष पृष्ठ दो पर

आठ युवकों ने नाबालिग लड़की को जिंदा जलाकर मारा

अमेठी। एक नाबालिग लड़की को उसी के घर में जिंदा जलाकर हत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पांच नामजद व तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। गुरुवार

की सुबह मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम जांच पड़ताल कर साक्ष्य की तलाश करती दिखी। घटना बुधवार की बताई जा रही है। कस्बा निवासी जितेंद्र कुमार शुक्ल बुधवार की शाम छह बजे घर के बगल स्थित -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

राजकुमार राव बने चुनाव आयोग के राष्ट्रीय आइकन

नई दिल्ली। भारत के निर्वाचन आयोग ने अभिनेता राजकुमार राव को गुरुवार (26 अक्तूबर) को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। सभी को अपनी अदाकारी से प्रभावित करने वाले राजकुमार राव को आयोग ने अपना राष्ट्रीय आइकन नियुक्त किया है। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता राव ने मतदाता शिक्षा और वोटिंग को बढ़ावा देने के लिए चुनाव आयोग के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। वोटर ज्यादा से ज्यादा चुनाव में भाग लें -शेष पृष्ठ दो पर

2024 में वन नेशन-वन इलेक्शन मुमकिन नहीं

नई दिल्ली। वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए गठित समिति की हुई दूसरी बैठक में विधि आयोग ने समिति के सामने अपना पक्ष रखा। एक विस्तृत प्रेजेंटेशन के जरिए लॉ कमिशन ने वन नेशन-वन इलेक्शन के लिए गठित समिति के सदस्यों के सामने कानूनी और संविधानिक पहलुओं पर अपने विचार रखे। दिल्ली के इंडिया गेट सर्किल पर जोधपुर हॉस्टल में हुई वन नेशन वन इलेक्शन बैठक की अध्यक्षता पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने की। इस बैठक में लॉ कमिशन के अध्यक्ष ऋतुराज अवस्थी के अलावा गृहमंत्री अमित शाह, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, गुलाम नबी आजाद, एनके सिंह, हरीश साल्वे, सुभाष कश्यप सरीखे सदस्यों ने हिस्सा लिया। बुधवार

को हुई इस अहम बैठक में समिति ने मुख्य तौर पर लॉ कमिशन की राय को समझने की कोशिश की। इसके साथ ही इसमें उत्पन्न हो सकने वाली अड़चनों और उनके निदान के बारे में भी जाना। लॉ कमीशन ने बताया कि 2024 में ये संभव नहीं लेकिन 2029 -शेष पृष्ठ दो पर

एक साथ चुनाव होने पर 30 लाख ईवीएम की होगी जरूरत

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए निर्वाचन आयोग को लगभग 30 लाख इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की जरूरत होगी। साथ ही सुगमतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने के लिए तैयारियों में करीब डेढ़ साल का समय लगेगा। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका : अंधाधुंध फायरिंग में 22 मरे, 50 घायल

वॉशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका के लेविस्टन शहर में बुधवार रात एक व्यक्ति द्वारा की गई अंधाधुंध फायरिंग में 22 लोगों की मौत हो गई। साथ ही 50 से अधिक लोग घायल हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में कई लोगों की हालत गंभीर है इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। हमलावर अभी तक पुलिस की गिरफ्त में नहीं आया है। एंड्रोस्कोगिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने हमलावर की तस्वीर जारी कर लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। पुलिस के मुताबिक बुधवार रात एक शूटर ने अंधाधुंध फायरिंग कर 22 लोगों की जान ले -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

धर्म का अंत होगा तो समाप्त हो जाएगी सृष्टि : भागवत

सहारनपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि सारी दुनिया का धर्म एक है, जबकि पंथ तथा संप्रदाय अलग हो सकते हैं। धर्म सभी को जोड़कर रखता है। धर्म का अंत होगा तो सृष्टि समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया भर को धर्म की राह दिखा रहा है। हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करता है। डॉ. भागवत ने सहारनपुर के सरसावा में गुरुवार को श्रीकृष्ण ज्ञान मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. भागवत ने कहा कि धर्म शाश्वत है। धर्म का अंत होगा तो सृष्टि भी समाप्त हो जाएगी। संत भी अलग-अलग संप्रदाय के होते हैं, लेकिन अंदर से सभी एक हैं। संतों के साथ से हमें लाभ मिलता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भारत के जीवन का निचोड़ है। गीता में कहा गया है कि कुशलतापूर्वक कार्य करो, जो भी कार्य करो, उत्तम करो। हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करता है। सृष्टि को धर्म की आवश्यकता है। जिस दिन सनातन धर्म खत्म हो जाएगा, दुनिया खत्म हो जाएगी। भूमि पूजन कार्यक्रम में देशभर से जुटे साधु-संतों के बीच डॉ. भागवत ने कहा कि भारत की एक विशेषता है कि वह दुनिया भर को धर्म की राह दिखा रहा है। भले ही पंथ और सम्प्रदाय अलग-अलग हों, लेकिन सभी एक ही काम कर रहे हैं। धर्म सभी को जोड़कर रखता है। कभी भी अपने अंदर अहंकार मत लाओ। मन की पवित्रता जरूरी है। जीवन में आने वाली परिस्थितियों से भागना नहीं है, बल्कि उनका मुकाबला करना है। यदि भाग गए तो जिंदा होते हुए भी मौत के समान है। दुष्टों से हमें घबराना नहीं है। हमारी किसी से भी दुश्मनी नहीं है, सभी से हम दोस्ती का भाव लेकर चलते हैं। सहारनपुर में संघ प्रमुख डॉ. भागवत के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए। जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया। सुरक्षा के लिए पांच सीओ, 16

अज्ञात शव

गुवाहाटी। एक अज्ञात शव जीएमसीएच के मुरदाघर में है। इसकी सूचना भांगागढ़ पुलिस को दी गई है। 48 वर्षीय पुरुष का नाम संभवतः बोरो सांग्मा है। उसका सही पता नहीं है। वह बीते 26 अक्तूबर से मुरदाघर में है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में चलाए जा रहे अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को भारी सफलता मिल रही है। इसी सिलसिले में आज मणिपुर पुलिस द्वारा दी गई औपचारिक जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों ने थौबल, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान छह हथियार (इंसास 556 मिमी राइफल-01, 762 एसएलआर राइफल-02, 9 मिमी पिस्तौल-03), 30 गोला-बारूद, 11 विस्फोटक, एक 40 मिमी लाथोड गन, एक वॉकी टॉकी सेट एचटीआरएफ, एक बीपी जैकेट और दो बीपी जैकेट प्लेटें नोंगपोक सेकमई थाना के अंतर्गत चंद्रखोंग से सटी तलहटी से बरामद की गईं। आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

कर्नाटक में टाटा सूमो और टैंकर की टक्कर, 13 लोगों की मौत

बेंगलुरु (हि.स.)। कर्नाटक के चिकबल्लापुर जिला मुख्यालय के बाहरी इलाके चित्रावती पुलिस थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह करीब सात बजे एक टाटा सूमो और टैंकर की टक्कर में एक बच्चे सहित 13 लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग टाटा सूमो में सवार थे, जो आंध्र प्रदेश से बेंगलुरु जा रहे थे। मृतकों में आठ पुरुष और पांच महिलाएं हैं। चिकबल्लापुर के कांग्रेस विधायक प्रदीप ईश्वर ने अस्पताल का दौरा किया और घायलों के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री को फोन पर इस हादसे से अवगत कराया। उन्होंने मीडियाकर्मियों को बताया कि मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपए का मुआवजा देने की घोषणा की है। मृतकों में से छह लोगों के शवों की पहचान कर ली गई है। इनमें डोड्डाबल्लापुर की अरुणा और उनके बेटे रुत्विक, आंध्र प्रदेश के कोट्टाचेरू निवासी पेरुमल पवन कुमार, बेंगलुरु के कामाक्षीपाल्या की सुब्बम्मा, बागेपल्ली तालुक के मार्गनुकुंते की नरसिम्हामूर्ति और आंध्र प्रदेश के कालीगेरे के मूल निवासी नरसिम्हाप्पा हैं। शेष सात मृतकों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

मणिपुर में हथियार के साथ दो लोग गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। सुरक्षा बलों ने चुराचांदपुर जिले में एक मोबाइल चेक पोस्ट पर दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से एक हस्त निर्मित हथियार और 25 गोला-बारूद बरामद किए गए। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि बीती रात इन दोनों ही युवकों को चेक पोस्ट पर रोका गया तथा उनकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान हथियार की बरामदगी के कारण उन्हें हिरासत में ले लिया गया। इस सिलसिले में आगे के कार्रवाई की जा रही है।

एक पशु तस्कर गिरफ्तार, 20 मवेशी ट्रक से बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की जोराबाट पुलिस ने पशु तस्करी में शामिल एक तस्कर को 20 मवेशियों समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर जोराबाट पुलिस आउट पोस्ट क्षेत्र के लिंक रोड पर चलाए गए अभियान के दौरान ट्रक (एएस-01क्यूसी-4423) को जब्त किया गया। ट्रक से कुल 20 मवेशियों को बरामद किया गया है। जिसे मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामले में एक पशु तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। जिसकी पहचान हाफिजुर रहमान (35 नगांव, रुपहीहाट) के रूप में की गई। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। ज्ञात की राज्य में सख्त पशु कानून लागू है इसके बावजूद भी पशुओं की तस्करी जारी है ।

देश के हर गांव में होगा मोबाइल टावर, पीएम मोदी ने तय की मार्च 2024 की डेडलाइन

नई दिल्ली। अगले साल मार्च तक देश में नेटवर्क की समस्या पूरी तरह खत्म हो जाएगी। भारत के हर गांव में मार्च 2024 तक मोबाइल टावर लग जाएगा। प्रगति की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह बात कही। बता दें कि बुधवार को पीएम मोदी ने इस बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान यह डेडलाइन तय की गई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने यूएसओएफ परियोजनाओं के तहत मोबाइल टावर और 4जी कवरेज की भी समीक्षा की। यूएसओएफ के तहत मोबाइल संपर्क बेहतर करने के लिए 24,149 मोबाइल टावर वाले 33,573 गांवों को कवर किया जाना है। पीएम मोदी ने अधिकारियों से सभी हितधारकों के साथ नियमित बैठकें कर चालू वित्त वर्ष में ही सभी वंचित गांवों में मोबाइल टावर की स्थापना सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा प्रगति बैठक में कई और योजनाओं को लेकर चर्चा की गई। प्रगति की बैठक में पीएम मोदी ने सात राज्यों में मौजूद लगभग 31 हजार करोड़ रुपए की सामूहिक लागत वाली आठ प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। प्रगति बैठक में शामिल परियोजनाओं में चार जलापूर्ति एवं सिंचाई से संबंधित थीं, दो राष्ट्रीय राजमार्गों एवं संपर्क विस्तार से संबंधित थीं जबकि दो अन्य परियोजनाएं रेल एवं मेट्रो रेल संपर्क से संबंधित थीं। इन परियोजनाओं की कुल लागत लगभग 31,000 करोड़ रुपए है। इसमें सात राज्यों में बिहार, झारखंड, हरियाणा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, गुजरात और महाराष्ट्र शामिल हैं। बता दें कि प्रगति केंद्र और राज्यों से जुड़ी परियोजनाओं के सक्रिय प्रशासन व समयबद्ध कार्यान्वयन का एक बहु-स्तरीय मंच है। समीक्षा बैठक में पीएम ने कहा कि घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में परियोजनाओं का क्रियान्वयन करने वाले सभी हितधारक बेहतर समन्वय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त कर सकते हैं और टीम बना सकते हैं।

पृष्ठ एक का शेष

सरकारी कर्मचारी दूसरी ...

लागू है। इसके अलावा, कोई भी महिला सरकारी कर्मचारी सरकार की अनुमति के बिना किसी ऐसे व्यक्ति से शादी नहीं करेगी, जिसकी पत्नी जीवित हो। उपरोक्त प्रावधानों के संदर्भ में, अनुशासनात्मक प्राधिकारी असम सेवा (अनुशासन और अपील) नियम 1964 के प्रावधान के तहत तत्काल विभागीय कार्रवाई शुरू कर सकता है, ताकि नियम 26 का उल्लंघन करने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ अनिवार्य सेवानिवृत्ति सहित प्रमुख दंड लगाया जा सके।

94 सीटों पर ...

दौरान एक संसदीय और 19 विधानसभा क्षेत्रों के नामकरण को संशोधित किया गया। अल्फा से संबंधित दशकों पुराने मुद्दों के बारे में बात करते हुए महासचिव अनूप चेतिया ने वर्तमान सरकार पर अपना विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हम अपने सुझावों पर केंद्र सरकार से सकारात्मक प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं। हम आशावादी हैं और केंद्र द्वारा दिखाई गई ईमानदारी की प्रशंसा करते हैं। चेतिया के अनुसार, मुद्दों के सौहार्दपूर्ण समाधान की पूरी उम्मीद है। चेतिया ने असम के लिए *सही राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर* की भी मांग की। उन्होंने कहा कि राज्य के लिए नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को लागू करने के लिए कट-ऑफ वर्ष 2014 के बजाय 1951 होना चाहिए। गौरतलब है कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश करने वाले हिंदू, जैन, ईसाई, सिख, बौद्ध और पारसियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। चेतिया ने उम्मीद जताई कि केंद्र के साथ शांति समझौते पर जल्द ही हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे संगठन द्वारा उठाई गई समस्याओं का अंत हो जाएगा। युवाओं के अल्फा (स्वतंत्र) में शामिल होने के मुद्दे पर चेतिया ने कहा कि वे इन दिनों केवल स्वार्थ के कारण प्रतिबंधित संगठन में जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनमें से कई लोग भगोड़े जैसी जिंदगी की कठिनाइयों का सामना नहीं कर पाने के बाद जल्द ही वापस आ जाते हैं। अल्फा (वार्ता समर्थक) के उपाध्यक्ष प्रदीप गोगोई ने कहा कि समझौते पर हस्ताक्षर के बाद लोगों की प्रमुख समस्याओं का समाधान जमीनी स्तर से ही किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अल्फा को भंग कर दिया जाएगा और संगठन चुनाव लड़ने के लिए राजनीति में प्रवेश नहीं करेगा। यदि संगठन के सदस्य चुनाव में भाग लेना चाहते हैं, तो यह उनका व्यक्तिगत प्रयास होगा। खबरों के अनुसार बुधवार को काजीरंगा नेशनल पार्क के एक रिसॉर्ट में आयोजित विचार-विमर्श में अल्फा के वार्ता समर्थक संगठन के सार्जेंट रैंक से ऊपर के 200 से अधिक कैडरों ने भाग लिया। बता दें कि असम पूर्वोत्तर भारत के सेवेन सिस्टर स्टेट में एक है। फिलहाल यहां भाजपा की सरकार मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की अगुवाई में चल रही है।

धेमाजी में बांस ...

ढह गया। इससे बच्चे पानी में गिर गए। इस वजह से कई बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। इस पर गांव के लोगों ने बच्चों को बचाने का काम किया। बता दें कि स्थानीय लोग कई दशक से कंक्रीट के पुल की मांग कर रहे हैं लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कारगर पहल नहीं की गई है। फलस्वरूप गुरुवार को यह हादसा हो गया। गौरतलब है कि 27 जुलाई को असम के सीएम डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने घोषणा की थी कि राज्य में 1086 पुल बनाए जा रहे हैं। इनमें से 842 पुल पिछले दो वर्षों में पूरे हो चुके हैं, लेकिन बांस के इस पुल को सरकारी योजना में शामिल नहीं किया गया।

कांग्रेस की सरकार बनी...

दिए। कांग्रेस ने खुद ही अपने 22 विधायकों को भ्रष्ट साबित कर दिया है। ऐसे में यदि भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई और ईडी कार्रवाई नहीं करें तो क्या करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने के बाद किसानों का लोन माफ करने की बात कह रही है। यदि कांग्रेस को माफ करना ही था तो 5 वर्षों के शासनकाल में क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि बेरोजगारों को रोजगार के साधन क्यों नहीं उपलब्ध करवाए ताकि वे लोन चुका सकते। उन्होंने असम में मदरसों को बंद किए जाने संबंधी अपने फैसले को अपने जीवन का सबसे बड़ा और सबसे अच्छा फैसला बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने अब तक जितने काम किए हैं, उनमें सबसे अच्छा काम यही हुआ की मदरसे बंद किए गए। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कांग्रेस तथा इसकी सरकार पर कई आरोप लगाए।

कांग्रेस नेताओं को ...

श्रीरामचंद्र जी का गहरा नाता है। उन्होंने कहा कि कौशल्या माता की भूमि छत्तीसगढ़ के लोगों को वे मां कामाख्या की भूमि असम के लोगों की ओर से प्रणाम करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की माता कौशल्या ने रामचंद्र जी को जन्म देकर न सिर्फ छत्तीसगढ़ और भारतवर्ष, बल्कि पूरे विश्व का कल्याण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की गरीब जनता के गृह निर्माण के लिए 16 लाख घरों का आवंटन करके भेजा। लेकिन, छत्तीसगढ़ की सरकार ने गरीबों को ये घर इसलिए नहीं दिए, क्योंकि ये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भेजे गए थे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने बीते 5 वर्षों में जहां एक तरफ केंद्रीय योजनाओं को लागू नहीं किया है, वहीं हर तरफ भ्रष्टाचार और लूट-खसोट का बोलबाला रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे भाजपा को भारी बहुमत से विजयी बनाकर छत्तीसगढ़ के विकास का मार्ग प्रशस्त करें।

हिमंत विश्व शर्मा को...

जो अन्य पार्टियों के नेताओं या कार्यकर्ताओं की सार्वजनिक गतिविधियों से जुड़े नहीं हैं। नोटिस में कहा गया है कि असत्यापित आरोपों या विरूपण के आधार पर अन्य दलों या उनके कार्यकर्ताओं की आलोचना से बचा जाएगा। यह नोटिस शर्मा द्वारा कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर के संदर्भ में की गई एक टिप्पणी पर एक शिकायत के जवाब में आया है। चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के खिलाफ आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। कर्नाटक चुनाव के दौरान, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने *चुनावी चर्चा के गिरते स्तर* पर प्रकाश डाला था, और कहा था कि आयोग इस तरह की टिप्पणियों को कम नहीं होने देगा। छत्तीसगढ़ में शर्मा के चुनाव प्रचार के दौरान, नेता ने मौजूदा कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। एक अकबर एक जगह आता है और सौ को बुलाता है. इसे मत भूलो और इस अकबर को जल्द से जल्द भेजने का प्रयास करो अन्यथा माता कौशल्या की भूमि अपवित्र हो जाएगी। लव जिहाद हमारे देश में कांग्रेस शासन के तहत शुरू हुआ। इन दिनों छत्तीसगढ़ के आदिवासियों को हमारे असमिया आदिवासियों की तरह धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया जा रहा है। उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है। अब जब हम इसके खिलाफ आवाज उठाते हैं तो (मुख्यमंत्री) भूपेश भगेल कहते हैं कि हम धर्मनिरपेक्ष हैं। क्या हिंदुओं को मारना और पीटना आपकी धर्मनिरपेक्षता है? यह हिंदुओं का देश है और वे यहां के हिंदू हैं। शर्मा ने कहा कि हमें धर्मनिरपेक्षता मत सिखाएं। कांग्रेस शासित राज्य में दो चरणों में 7 नवंबर और 17 नवंबर को चुनाव होंगे और वोटों की गिनती 3 दिसंबर को होगी।

कनाडा में भारत और ...

को निकाल दिया गया है। अमेरिका और ब्रिटेन ने इस मसले पर कनाडा का साथ दिया है। ट्रूडो की तरफ से कहा गया है कि भारत सरकार ने 40 राजनयिकों की राजनयिक सुरक्षा रद्द करने का फैसला किया है। सरकार भारत और कनाडा में लाखों लोगों के लिए जीवन को सामान्य रूप से जारी रखना अविश्वसनीय रूप से कठिन बना रही है। ट्रूडो की मानें तो भारत ने कूटनीति के एक बहुत ही बुनियादी सिद्धांत का उल्लंघन किया है। भारत सरकार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि उसने कनाडा से राजनयिकों को वापस बुलाने के लिए कहकर अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। कनाडा को भारत से राजनयिकों को वापस बुलाने के लिये कहने का मकसद यह सुनिश्चित करना था कि दोनों देशों में तैनात राजनयिकों की संख्या लगभग समान हो। बता दें कि 18 सितंबर को ट्रूडो ने देश की संसद में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों के शामिल होने का आरोप लगाया था। हाल ही में ट्रूडो ने एक बयान में भारत को रिश्ते बिगाड़ने का दोषी ठहराया था।

कतर में आठ पूर्व ...

अलग-अलग पोस्ट पर काम कर चुके हैं। उनके ऊपर इजरायल के लिए जासूसी करने का आरोप है। मंत्रालय ने कहा कि हम परिवार के सदस्यों और कानूनी टीम के संपर्क में हैं और सभी कानूनी विकल्प तलाश रहे हैं। इस मामले को बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं और इस पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। सभी कांसुलर और कानूनी सहायता देना जारी रखेंगे। फैसले को कतर के अधिकारियों के सामने भी उठाएंगे। खबरों के मुताबिक, कतर ने नौसना के पूर्व जवानों पर आरोप लगाया है कि वो सबमरीन प्रोग्राम को लेकर जासूसी कर रहे थे। भारत इनको काउंसलर एक्सेस के जरिए रिहा कराने की कोशिश में लगा हुआ था।

राममंदिर प्राण-प्रतिष्ठा...

भी आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि परिसर में अंदर में बैठने की सीमा तय है। प्राण प्रतिष्ठा में आमंत्रित मेहमानों को अनिवार्य रूप से आधारकार्ड लाना आवश्यक होगा। प्राण प्रतिष्ठा का पूजन वाराणसी के विद्वान पंडित लक्ष्मी कांत दीक्षित सम्पन्न करायेंगे। 22 जनवरी को दोपहर 12:00 बजे से 12:45 के बीच प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी। राम भक्त प्रतिष्ठा के अगले दिन से रामलाल का दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि सम्भवतः 16 जनवरी से प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू होगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के पूजन के बाद ही आमंत्रित मेहमानों को रामलाल का दर्शन मिल सकेगा। लगभग 3 घंटे से ज्यादा राम जन्मभूमि परिसर में बैठना पड़ेगा। वयोवृद्ध और अस्वस्थ मेहमानों से ट्रस्ट ने अपील किया कि प्रतिष्ठा के बाद दर्शनार्थ आए। राम मंदिर आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले स्वर्गीय व्यक्तियों के परिजनों को भी प्रतिष्ठा के लिए आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 100 से ज्यादा प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के मालिकों को भी प्रतिष्ठा में आमंत्रित किया जाएगा।

आठ युवकों ने ...

बड़ौदा यूपी बैंक में गए थे। इसी दौरान उनका भतीजा रजत कुमार ने बैंक पहुंचकर घर में आग लगने की बात कही। जब वह मकान की छत पर गया, तो देखा उसकी 16 वर्षीय पुत्री शिवी आग की लपटों के चपेट में है। पीड़ित पिता की मानें तो उसी दौरान उसे छत से कूदकर दक्षिण गांव स्थित पूरे लोहांगी निवासी फैजान व गुफरान, कस्बा निवासी प्रिंस पाल व जावेद अहमद तथा कटरा निवासी राम बहादुर यादव व तीन अज्ञात युवक भागते दिखे। किसी तरह आग बुझाकर इलाज के लिए बेटी को सीएचसी पहुंचा, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता का आरोप है कि छत से कूदकर भाग रहे युवकों ने ही बेटी को जलाकर मार डाला है। पीड़ित पिता अपराधियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर अड़ा है और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगा रहा है। स्थिति को बिगड़ता देख मौके पर क्षेत्राधिकारी गौरव सिंह, थानाध्यक्ष इन्हौना कंचन सिंह, जामो विवेक कुमार, कमरौली अभिनेष, क्राइम ब्रांच प्रभारी उमेश मिश्र भी पहुंचे। काफी समय समझाने के बाद पीड़ित शव का पोस्टमार्टम कराने को तैयार हुआ। घटनास्थल का एएसपी हरेंद्र कुमार ने निरीक्षण किया और स्थानीय पुलिस से जानकारी हासिल की। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किया। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार चौहान ने बताया कि पिता की तहरीर पर पांच नामजद व तीन अज्ञात के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी गई है। जल्द सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

अमेरिका : अंधाधुंध फायरिंग ...

ली। फायरिंग की चपेट में आने वाले 50 से अधिक लोग घायल हैं जिन्हें विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस हमलावर की तलाश कर रही है। पुलिस ने हमलावर की तस्वीर जारी कर लोगों से मदद मांगी है। पुलिस को एक वाहन की भी तलाश है जिस पर हमलावर सवार था। लेविस्टन, एंड्रोस्कोगिन काउंडी का हिस्सा है। एंड्रोस्कोगिन काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बयान जारी कर कहा है कि मामले की जांच की जा रही है और भी व्यापारियों से प्रतिष्ठान बंद करने की गई है। डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक सेफ्टी के प्रवक्ता ने लोगों से घरों में रहने तथा अतिरिक्त सतर्कता बरतने की अपील की है।

2024 में वन नेशन-वन...

में इसको लागू किया जा सकता है। लॉ कमिशन अध्यक्ष ऋतुराज अवस्थी से समिति ने जानने की कोशिश की कि एक देश एक वोटर लिस्ट कैसे किया जा सकता है। समिति ने ये भी जानने की कोशिश की कि इस पूरे एक्सरसाइज में कानूनी पहलू क्या हैं। समिति ने लॉ कमिशन से कहा की एक राष्ट्र एक चुनाव के क्रियान्वयन में क्या क्या बाधाएं है! उन सभी अवरोधों के बिंदुओं पर काम करने के लिए समिति ने लॉ कमीशन को बोला है। मिली जानकारी के मुताबिक पूरे रोड मैप और समग्र सूचना के साथ लॉ कमीशन को वन नेशन वन पोल समिति एक बार फिर बुलाएगी। समिति की बैठक में लॉ कमिशन के अध्यक्ष ऋतुराज अवस्थी के अधीनस्थ पदाधिकारियों ने देश में एक साथ चुनाव कराने के संबंध में एक डिटेल प्रेजेंटेशन दिया। मिली जानकारी के मुताबिक विधि आयोग का तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बैठक में शामिल हुआ था। जिन्होंने वन नेशन वन इलेक्शन पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दी थी। इस प्रेजेंटेशन में मतदानों को कैसे सिंक किया जा सकता है उसपर विस्तृत में चर्चा हुई। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक विधि आयोग द्वारा समिति को यह भी बताया गया कि एक राष्ट्र एक चुनाव लागू होना देश के लिए आर्थिक रूप से कितना लाभकारी होगा यानी बताया गया है कि इस कदम से कितनी धनराशि की बचत होगी। लॉ कमिशन द्वारा ये भी जानकारी दी गई कि एक साथ चुनाव में सुरक्षा की तैनाती कैसे प्रभावी रूप से लागू होगी। मिली जानकारी के मुताबिक समिति को वन नेशन वन इलेक्शन के इतिहास के बारे में भी जानकारी दी गई और बताया गया कि अतीत में ऐसा कब कब हुआ था। वन नेशन वन इलेक्शन इस लागू करने पर आवश्यक संवैधानिक संशोधनों के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। हालांकि समिति की अगली बैठक कब होगी और आगे का एजेंडा क्या होगा, इस बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिली है। समिति से जुड़े सूत्रों का मानना है कि जल्द आगे की बैठकों में दुबारा लॉ कमीशन और इलेक्शन कमिशन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें हो सकती हैं।

एक साथ चुनाव होने ...

एक ईवीएम में एक कंट्रोल यूनिट, कम से कम एक बैलेट यूनिट और एक वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) यूनिट होती है। सूत्रों के अनुसार, आयोग को एक साथ चुनाव कराने के लिए लगभग 30 लाख कंट्रोल यूनिट, लगभग 43 लाख बैलेट यूनिट और लगभग 32 लाख वीवीपीएटी की आवश्यकता होगी। सूत्रों ने बताया कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए लगभग 35 लाख वोटिंग यूनिट (कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और वीवीपीएटी यूनिट) की कमी है। एक साथ चुनाव कराने पर विचार-विमर्श तेज होने के बीच निर्वाचन आयोग ने कुछ महीने पहले विधि आयोग को सूचित किया था कि उसे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को रखने के लिए पर्याप्त भंडारण सुविधाओं की भी आवश्यकता होगी। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने पर एक रिपोर्ट पर काम कर रहे विधि आयोग ने निर्वाचन आयोग के साथ उसकी जरूरतों और चुनौतियों पर बातचीत की थी। बातचीत से अवगत सूत्रों ने कहा कि बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि इस तरह की कवायद कब होगी। जब कुछ राज्यों में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते हैं, तो मतदाता दो अलग-अलग ईवीएम में अपना वोट डालते हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में 12.50 लाख मतदान केंद्र थे। आयोग को अब 12.50 लाख मतदान केंद्रों के लिए लगभग 15 लाख कंट्रोल यूनिट, 15 लाख वीवीपीएटी यूनिट और 18 लाख बैलेट यूनिट की आवश्यकता है। इस बारे में हालांकि कोई आधिकारिक अनुमान उपलब्ध नहीं है कि इन वोटिंग इकाइयों की लागत कितनी है, लेकिन पिछली खरीद दरों के हिसाब से भी देखा जाए तो एक करोड़ यूनिट के लिए कुल लागत 15,000 करोड़ रुपए से अधिक होगी, जिसमें वीवीपीएटी इकाइयों के लिए 6,500 करोड़ रुपए से अधिक शामिल हैं। अगर लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ स्थानीय निकाय चुनाव भी कराए जाएं तो लागत और भी बढ़ सकती है। *एक राष्ट्र, एक चुनाव* पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित उच्च स्तरीय समिति संविधान के तहत मौजूदा ढांचे और अन्य वैधानिक प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, नगर पालिकाओं और पंचायतों के चुनाव एक साथ कराने पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, निर्वाचन आयोग ने विधि आयोग के साथ अपनी बातचीत में ईवीएम के लिए अधिक भंडारण सुविधाओं की आवश्यकता जैसी चुनौतियों को भी सूचीबद्ध किया। उन्होंने करीब डेढ़ साल की तैयारियों का जिक्र करते हुए कहा कि ईवीएम बनाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के दो उपक्रमों ईसीआईएल और बीईएल को भी पहले से सूचित करने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि बढ़ी हुई मांग को पूरा करने के लिए सेमीकंडक्टर उद्योग को भी स्थिर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब बातचीत हुई थी, सेमीकंडक्टर उद्योग से संबंधित समस्याएं थीं, जो अब सुलझ गई हैं। चुनाव आयोग को चुनाव से पहले ईवीएम की प्रथम स्तर की जांच (एफएलसी) के लिए भी समय की जरूरत होगी। आयोग ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पूरे भारत में चरणबद्ध तरीके से एफएलसी शुरू कर दी है। एफएलसी के दौरान, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के इंजीनियरों द्वारा वीवीपीएटी सहित ईवीएम, मशीनों की यांत्रिक खामियों की जांच की जाती है। दोषपूर्ण मशीनों को मरम्मत या प्रतिस्थापन के लिए निर्माताओं को वापस कर दिया जाता है। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में दोनों मशीनों की जांच के लिए एक *मॉक पोल* भी आयोजित किया जाता है।

राजकुमार राव बने ...

इसको प्रेरित करने के लिए चुनाव आयोग प्रमुख भारतीय हस्तियों को राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में नियुक्त करता है। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने गुरुवार को औपचारिक रूप से राजकुमार राव को चुनाव आयोग के राष्ट्रीय आइकन के रूप में नियुक्त किया। बता दें कि चुनाव आयोग इससे पहले अभिनेता आमिर खान, पंकज त्रिपाठी और एम एस धोनी, सचिन तेंदुलकर और एम सी मैरी कॉम जैसे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय आइकन के रूप में नियुक्त कर चुका है।

विपक्षी एकता की आज एक अहम बैठक आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा को हराने के उद्देश्य से होटल लिली में विपक्षी एकता की आज एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में 13 विपक्षी दलों के नेताओं ने भाग लिया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा, सांसद अजीत कुमार भुइयां, राइजर दल के विधायक अखिल गोगोई, असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई, तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रिपुन बोरा, विधायक मनोरंजन तालुकदार और अन्य राजनीतिक दलों के नेता बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव का रोड मैप तैयार किया गया। उधर, लोकसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर भी बैठक में चर्चाएं हुई। हर विपक्षी दल के शीर्ष नेता इस बैठक को लेकर आशान्वित हैं। विपक्षी एकता ने किसी भी तरह से भाजपा को हराने का एकमात्र लक्ष्य निर्धारित किया है। बैठक के बाद मीडिया से

बातचीत करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने कहा कि उनकी राजनीति का उद्देश्य व्यक्ति या पार्टी को लाभ पहुंचाना नहीं है। बल्कि, देश और इसकी जनता के लिए काम करना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और देश को बचाने के लिए भाजपा को शासन से उखाड़ फेंकना आवश्यक है। बैठक के बाद अखिल गोगोई ने कहा कि उन्होंने सीटों को लेकर बैठक में कोई बातचीत नहीं की। बल्कि, 12 दलों के अलावे एक अन्य दल को कार्बी आंग्लांग से इसमें जोड़ने संबंधी उन्होंने प्रस्ताव दिए हैं। वहीं, राइजर दल के नेता लुरिन ज्योति गोगोई ने कहा कि उनकी पार्टी तीन सीटों पर चुनाव लड़ने संबंधी प्रस्ताव इस दौरान दिए। जबकि, कम्युनिस्ट नेता मनोरंजन तालुकदार ने कहा कि उनकी पार्टी एक सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा को इसके लिए अधिकृत किया गया कि वे पार्टियों का वजन देखकर उसके लिए सीटों के बंटवारे का एक खाका तैयार करें। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है की सीटों को लेकर जिस प्रकार की खींचतान विपक्षी दलों के बीच चल रही है, उससे यह साफ दिखता है कि आगामी चुनाव में विपक्षी एकता धराशाई हो जाएगी और इसका सीधा लाभ सत्तारूढ़ भाजपा को मिलेगा।

पीएजेएससी का चार दिवसीय धरना कल से

इटानगर (हिंस)। अपने 13 सूत्रीय मांगों के समर्थन में राज्य सरकार के खिलाफ अपने लोकतांत्रिक आंदोलन को जारी रखते हुए, पैन अरुणाचल संयुक्त संचालन समिति (पीएजेएससी) ने आगामी 28 से 31 अक्तूबर तक आईजी पार्क के पास टेनिस कोर्ट में 4 दिवसीय शांतिपूर्ण धरना देने का फैसला किया है। पीएजेएससी उपाध्यक्ष तादाक नोलो ने आज यहां प्रेस क्लब में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि हाल ही में 28 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग (एपीपीएससी) पेपर लीक घोटाले पर राज्य सरकार द्वारा प्रतिक्रिया न देने के विरोध में हम तीन दिवसीय धरना संपन्न हुआ और हमने मुख्यमंत्री को अपनी रिपोर्ट भी सौंपी लेकिन, कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, इसलिए हमने फिर से अपनी 13 सूत्री मांगों के समर्थन में 4 दिवसीय धरना का फैसला किया। उन्होंने कहा कि पेपर लीक घोटाला मामले को एक साल से अधिक समय हो गया है, राज्य सरकार ने अभी तक इस मुद्दे का 10 प्रतिशत भी काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हमने राज्य के मुख्य सचिव से मुलाकात की थी जहां हमने सभी बिंदुओं और मागों पर विस्तार से बताया था, उन्होंने आश्वासन दिया था कि इस मामले पर मुख्यमंत्री से चर्चा की गई है। हालांकि, अभी तक कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे को दबाने के लिए हर संभव तंत्र का उपयोग कर रही है और वे धरने की अनुमति देने के लिए भी तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारा व्यक्तिगत मुद्दा नहीं है, यह राज्य का मुद्दा है, लेकिन राज्य सरकार पेपर लीक मुद्दे को हल करने की कोशिश क्यों नहीं कर रही है, हम समझने में असफल रहे।

2014 के बाद कांग्रेस ने कोई चुनाव नहीं जीता : पीयूष हजारिका

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने कहा है कि 2014 के बाद से अब तक असम में कांग्रेस ने कोई भी चुनाव नहीं जीता। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले हर बार कांग्रेस कहती है कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। लेकिन, हर चुनाव में लगातार कांग्रेस हारती जा रही है। उन्होंने आज यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि विपक्ष का 12 दलीय गठबंधन चुनाव तक नहीं टिकेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस का गठबंधन चुनाव तक नहीं टिकने वाला दिख रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव लगातार कांग्रेस के विरुद्ध और कांग्रेस लगातार समाजवादी पार्टी के विरुद्ध बोल रही है। वहीं, दूसरी ओर मध्य प्रदेश चुनाव में आम आदमी पार्टी ने अपना उम्मीदवार खड़ा कर दिया है। यदि गौर से देखा जाए तो अभी से ही इस

गठबंधन में विखराब आ चुका है। उन्होंने कहा कि फिलहाल असम विधानसभा में भी कांग्रेस की स्थिति सही नहीं है। उन्होंने दोहराया कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 12 सीटें निश्चित रूप से जीतेगी।

भारी मात्रा में हेरोइन के साथ दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की हाथीगांव पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी के मामले में शामिल एक महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कमिश्नर ने गुरुवार को मीडिया को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर हाथीगांव पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान

हाथीगांव खानकाह के करीब परीजा पथ पर चलाए गए अभियान के दौरान तीन ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। जिसमें एक महिला तस्कर भी शामिल है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मरियम खातून (23), नुरुल अमीन (28) और समेजउद्दीन (33) के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीनों आरोपितों के पास से 15 साबूंदानी में छुपा कर रखे गए भारी मात्रा ब्राउन शुगर जब्त किया गया है। जिसका वजन 192 ग्राम आंका गया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिक की दर्ज कर गिरफ्तार तीनों तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है ।

पुलिस की बर्बरता से परेशान युवक ने की आत्महत्या

गोलाघाट (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा द्वारा बार-बार पुलिस और जनता के बीच संबंधों को मधुर बनाने की अपील के बावजूद देरगांव में इसकी एक विपरीत तस्वीर ही देखने को मिली है। जानकारी के अनुसार विजया दशमी की रात देरगांव थाना अंतर्गत डोलोरमुख गांव के 21 वर्षीय युवक अजय दत्ता को पुलिस द्वारा इस कदर परेशान किया गया कि कल रात युवक ने आत्महत्या कर ली। विदित हो कि मृतक देरगांव स्थित दुर्गापूजा मेला देखने आया था। उसका सड़क पर एक व्यक्ति से झगड़ा हो गया। हालांकि, सामान्य जीवन जी रहे गरीब परिवार के इस युवक ने कोई गंभीर अपराध नहीं किया था। लेकिन, पुलिस ने कथित आक्रामक रवैया अपनाते हुए युवक की सरेआम कथित पिटाई कर दी और उसे गाड़ी में बैठा लिया। युवक को कथित रूप से शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। बाद में घर के किसी सदस्य को बताए बिना उसे छोड़ दिया गया। इस घटना के कारण युवक मानसिक रूप से टूट गया था। कल रात उसने अपने कुछ दोस्तों को फोन किया तथा

पुलिस द्वारा उसके साथ की गई ज्यादतियों से संबंधित जानकारी दी। फिर उसने एक वीडियो बनाया और उसके बाद उसने घर के बगल में स्थित एक पेड़ से लटक कर आत्महत्या कर ली। सुबह लोगों ने उसका शव देखा। इस घटना को लेकर पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। लोगों ने इस घटना की उच्च स्तरीय जांच करने और दोषी पुलिसकर्मी को उचित दंड देने की मांग की है।

मणिपुर में दो यूएनएलएफ उग्रवादी हथियार के साथ गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने इम्फाल-पश्चिम और इंफाल पूर्वी जिलों से यूएनएलएफ के दो सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि बीती रात विशेष सूचना के आधार पर चलाए गए एक अभियान के दौरान दोनों उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से एक हस्त निर्मित 9 मिमी की पिस्तौल, 143 गोला-बारूद और चार सिम कार्ड के साथ तीन मोबाइल हैंडसेट बरामद किए गए। गिरफ्तार उग्रवादी आम जनता से भारी मात्रा में धन की जबरन वसूली में शामिल थे। कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

शिवसागर में अखिल गोगोई से ज्यादा वोट मुझे मिलेगा : रूपज्योति

गुवाहाटी (हिंस)। विधायक रूपज्योति कुर्मी ने कहा है कि कांग्रेस के 12 दलों के गठबंधन का कोई अस्तित्व नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि आज भी वे शिवसागर से विधायक अखिल गोगोई के मुकाबले चुनाव लड़ें तो अखिल से ज्यादा वोट उन्हें मिलेगा। विधायक कुर्मी ने आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अगले 40 वर्षों तक कांग्रेस को वोट मिलने वाला नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि असम में भाजपा को 12 सीटें निश्चित रूप से मिलेगी। इसके सहयोगी दल यूपीपीएल और असम गण परिषद को लेकर 14 में से 13 सीटें भाजपा को मिलने से कोई रोक नहीं सकता है। उन्होंने कहा कि एक सीट पर अन्य कोई दल चुनाव जीत सकती है, लेकिन कांग्रेस नहीं जीतेगी इसकी गारंटी है।

हरिश्चंद्रपुर और लमडिंग स्टेशन ने हासिल किया *ईट राइट स्टेशन* प्रमाणन

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों को उच्च गुणवत्ता, पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण) द्वारा पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के हरिश्चंद्रपुर और लमडिंग रेलवे स्टेशन को *ईट राइट स्टेशन* प्रमाणन से सम्मानित किया गया है। ये स्टेशन एफएसएसएआई द्वारा स्थापित दिशानिर्देशों को पूरा करने में सक्षम है और यह दर्जा पाने वाला गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के बाद पूसीरे में क्रमशः दूसरा और तीसरा रेलवे स्टेशन बन गया है। यह प्रमाणन दोनों स्टेशनों को 19 अक्तूबर से 18 अक्तूबर, 2025 की अवधि के लिए प्रदान किया गया है। इसके अलावा, यात्रियों को सुरक्षित और स्वच्छ भोजन सुनिश्चित करने के अपने प्रयास में, पूसीरे ने भविष्य में रंगिया, तिनसुकिया, अलीपुरद्वार जंक्शन और कटिहार जैसे और स्टेशनों को

एफएसएसएआई द्वारा *ईट राइट स्टेशन* के रूप में अर्हता प्राप्त करने की योजना बनाई है, जिसके लिए आवश्यक प्रयास किये जा रहे हैं। इससे पहले, पूसीरे के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन को 02 जून से 02 जून, 2025 तक की अवधि के लिए एफएसएसएआई द्वारा *ईट राइट स्टेशन* प्रमाणन प्रदान किया गया था। उल्लेखनीय है कि मानक खाद्य भंडारण और स्वच्छता विधियों का पालन करने वाले रेलवे स्टेशनों को एफएसएसएआई द्वारा *ईट राइट स्टेशन* प्रमाणन प्रदान किया जाता है। यह प्रमाणन एफएसएसएआई द्वारा उन रेलवे स्टेशनों को प्रदान किया जाता है जो यात्रियों को सुरक्षित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने में मानक स्थापित करते हैं। एफएसएसएआई-सूचीबद्ध तृतीय-पक्ष ऑडिट एजेंसी के निष्कर्ष पर स्टेशन को एक प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाता है। यह प्रमाणन *ईट राइट इंडिया* अभियान का हिस्सा है, जो एफएसएसएआई द्वारा सभी भारतीयों के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और टिकाऊ भोजन सुनिश्चित करने के लिए देश की खाद्य प्रणाली को बदलने के लिए बड़े पैमाने पर किया गया प्रयास है।

कलाइरदिया छात्र संघ व ग्राम रक्षक बल ने चलाया नशा विरोधी अभियान

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर निर्वाचन क्षेत्र के अलोपति चर पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले कलाइरदिया में स्थानीय छात्र संघ और ग्राम सुरक्षा बल के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कल रात नशा विरोधी अभियान चलाया। छात्र संघों, ग्राम रक्षकों के साथ-साथ संबंधित समुदाय चिंतित है कि पूरे दक्षिणी बरपेटा चरक्षेत्र में नशीली दवाओं के हमलों के कारण कई युवा पीढ़ियां इस घातक दवा की आदी हो गई हैं। इसके समानांतर इस जानलेवा नशे के आदी हो चुके छात्र संघ का ध्यान कई युवाओं की ओर गया है क्योंकि कलाइरदिया गांव भी नशे की चपेट में आ चुका है। कलाइरदिया गांव को नशे के चंगुल से मुक्त कराने के लिए छात्र संघ और कलाइरदिया के ग्राम सुरक्षा बल की एक महत्वपूर्ण बैठक के निर्णय पर कल रात एक

संयुक्त नशा विरोधी अभियान चलाया गया। उल्लेखनीय है कि छात्र संघ की सजातीय टीम ने नशे के आदी युवाओं के एक समूह के घर-घर जाकर सबसे पहले इस तरह के घातक मादक पदार्थों का सेवन करने वाले को पहले तो छात्र संघ ने उनसे इस तरह के घातक ड्रग्स लेने से परहेज करने की अपील की और अभिभावकों को कड़ी चेतावनी भी दी। परिवार को सख्त चेतावनी दी जाती है कि अगर ड्रग्स लेते हुए पकड़ा गया तो परिणाम गंभीर होंगे। उल्लेखनीय है कि छात्रसंघ और ग्राम सुरक्षा बल के लगभग सौ सदस्यों के एक समूह ने घर-घर जाकर कुछ घरों में बड़ी मात्रा में भांग के पेड़ काटे और जलाए। संघ के अध्यक्ष नजरूल इस्लाम ने सचिव रहीम अली के साथ कहा कि भविष्य में भी छात्र संघ का नशा विरोधी अभियान जारी रहेगा।

विसर्जन के बाद के बाद जीएमसी ने शुरू की सभी घाटों की सफाई

गुवाहाटी (हिंस)। दुर्गा पूजा के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आदेश दिया था कि सभी पूजा मंडपों को साफ-सुथरा रखा जाए। उनके आदेश के अनुसार, मेयर मृगेन शारनिया के नेतृत्व में गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) के सभी कर्मचारी पूजा से पहले ही गुवाहाटी शहर को साफ रखने के प्रयास करते देखे गए। उल्लेखनीय हैं कि स्वच्छता को लक्ष्य करते हुए जीएमसी के सफाई परियोजना निरीक्षक दीप ज्योति तालुदार, परियोजना अभियंता मसूद अहमद और तारिफ हुसैन ने लगभग

पचास सफाई कर्मचारियों के साथ बुधवार और गुरुवार को सुबह 6 बजे से पांडू घाट पर विसर्जन स्थान पर फेंके गए कचरे को साफ किया। इसके अलावा उन्होंने ब्रह्मपुत्र नद के किनारे पड़े कूड़े-कचरे को उठाकर ब्रह्मपुत्र नद को साफ किया। परियोजना निरीक्षक दीप ज्योति तालुकदार ने कहा कि ब्रह्मपुत्र के तट पर सभी घाटों की सफाई जीएमसी द्वारा की जा रही।

गुवाहाटी में जलाया जाएगा 9,077 किलोग्राम गांजा

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थानक्षेत्र के साउकुची में आज गांजा जलाने का कार्यक्रम चल रहा है। राजधानी की वशिष्ठ थाना पुलिस ने बताया कि आज यहां 9,077 किलोग्राम गांजा जलाया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत आज यहां ट्रक के जरिए गांजा लाकर जमा किया जा रहा है। यह गंजा पिछले दिनों विभिन्न स्थानों से पुलिस कार्रवाई के दौरान जब्त किया गया था। पुलिस ने बताया कि गांजे का बाजार मूल्य 14 करो? 44 लाख 62 हजार 340 है।

शहनवाज रहमतुल्लाह मेमोरियल क्लब की नई समिति का गठन

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के तहत कराईखैती के शाहनवाज रहमतुल्लाह मेमोरियल क्लब की समिति का कार्यकाल समाप्त होने के मद्देनजर अपनी नई समिति बनाने के लिए क्लब के कार्यालय परिसर में बुधवार एक आम बैठक आयोजित की गई। ग्रेटर कराईखैती क्षेत्र के प्रतिष्ठित हस्तियों, शिक्षाविदों, छात्रों, क्लब के पूर्व और वर्तमान पदाधिकारियों सहित लगभग सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में शाहनोवाज रहमतुल्लाह मेमोरियल क्लब (2023-2024) की नई समिति का गठन किया गया। क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष मुजीबुर रहमान की अध्यक्षता में हुई बैठक में क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष मोलिम उद्दीन अध्यक्ष, तहेरुल इस्लाम कार्यकारी अध्यक्ष, अजीजुल हक, नजमुल हक सिकदार उपाध्यक्ष, नूरुल इस्लाम महासचिव, अफसायरुल इस्लाम, अब्दुर रऊफ अंसारी सहायक सचिव, रफीजुर रहमान, तारमिया अहमद आयोजन सचिव, बाबर अली सांस्कृतिक सचिव, नजरुल इस्लाम को प्रचार सचिव, देलोवार हुसैन को पत्रिका संपादक, अबीदुल इस्लाम को साहित्य संपादक, फजलुर रहमान को खेल सचिव, यासीन अली, नजरुल इस्लाम को प्रचार सचिव, रफीजुल हक सिकदर और अली हुसैन को कार्यालय सचिव लेकर समिति में 41 कार्यकारिणी सदस्यों को शामिल करके नया समिति बनाया गया।

बुरे कर्म जन्मों तक पीछा नहीं छोड़ते हैं : आचार्य प्रमुख सागर

गुवाहाटी (विभास)। सदिया गुजर गई मगर आज भी कोई माता-पिता अपनी बेटी का नाम केकई और मंथरा नहीं रखता है। उन्होंने कहा बुरे कर्मो के कारण ही होलिका और रावण को हजारों जन्मों से जलाया जा रहा है। बुरे कर्म पिछा नहीं छोड़ता है लेकिन अच्छे कर्म बुरे कर्मों को पीछा कर देता हैं। इसलिए बुरे कर्मों को छोड़कर अच्छे कर्म करते रहो। आपने कहा कि कर्म आठ प्रकार के होते हैं। इन्हीं आठ कर्मों पर संसार चल रहा है, ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, वेंदनीय, मोंहनीय, आयु, नाम, गोत्र ,अंतराय ,यह आठ कर्म ही सारे जीवो को सता रहे हैं, और जन्म-मरण कर रहे हैं। यह उक्त बातें आज (गुरुवार) फैंसी बाजार के भगवान

महावीर धर्मस्थल में चातुर्मासिक ससंघ विराजित आचार्य प्रमुख सागर महाराज ने धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा की अच्छे कर्म करते रहो, बुरे कर्म करने वाला कभी सुखी नहीं रहता है। मालूम हो की गुवाहाटी चातुर्मास समिति के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी मुजफरनगर गणाचार्य 108 श्री पुष्पदंत सागर महाराज के दशनाथ पहुंचे। गनाचार्य ने श्री सेठी को अपना मंगल आशीष प्रदान किया। उन्होंने श्री सेठी को अपने शिष्य आचार्य प्रमुख सागर महाराज को उनके 50वें स्वर्णिम जन्म महोत्सव के उपलक्ष में एक विशेष पीछी प्रदान करने को दी। जिसे श्री सेठी ने गुवाहाटी में आचार्य श्री को प्रदान कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ज्ञातव्य हो कि प्रति वर्ष आचार्य श्री को अपने गुरुवर से ही पीछी प्राप्त होती है। यह जानकारी समाज के प्रचार प्रसार विभाग के सह- संयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा दी गई है।

कृषि विकास में अहम भूमिका निभाएगी भारतीय बीज सहकारिता समिति : शाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि भारतीय बीज सहकारिता समिति कृषि क्षेत्र में अहम भूमिका निभाएगी। इस समिति की शुरूआत बीज संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किया गया है। यह समिति देश के पारंपरिक बीजों का संरक्षण करेगी और दुनिया के किसानों को उपलब्ध कराएगी। हमारे देश के बीज प्रकृति के बेहद करीब हैं। हम चाहते हैं कि इसका लाभ दुनिया को मिले और हमारे किसानों की आय बढ़े। अमित शाह विज्ञान भवन में भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड की ओर से आयोजित "सहकारी क्षेत्र में उन्नत एवं पारंपरिक बीजोत्पादन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को" को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें बीज निर्यात की दिशा में अपने हिस्सेदारी को बढ़ाना है। भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड दुनिया के देशों तक उन्नतशील बीज पहुंचाएगी और यह समिति बीजों पर शोध का कार्य भी करेगी। कई निजी कंपनियां बीज निर्माण के क्षेत्र में हैं लेकिन इससे किसानों को लाभ नहीं होता। यह समिति किसानों को लाभ पहुंचाएगी। हमारा लक्ष्य है कि अन्न का उत्पादन बढ़े और लोगों को पोषक अनाज उपलब्ध हो। यह समिति उस दिशा में भी काम करेगी। उन्होंने कहा कि देश के किसानों को हर वर्ष 465 लाख कुंतल बीजों की जरूरत है। यह आपूर्ति अगर सहकारिता के माध्यम से किया जाए तो किसानों को अधिक लाभ होगा। शाह ने कहा कि बीजों का निर्यात हमें बढ़ाना है। अभी हम इस कार्य में बहुत पीछे हैं। भारतीय बीज सहकारिता समिति इस विषय पर भी काम करेगी।

हमारे मीठे अनाज को दुनिया तक पहुंचाने का कार्य यह सहकारी समिति करेगी। हमारा लक्ष्य प्रमाणित बीजों के अधिक उत्पादन और भारतीय बीजों को दुनिया तक पहुंचाना है, जिससे हमारे किसानों की आय बढ़े और दुनिया को पौष्टिक अनाज मिल सके। शाह ने कहा कि भारतीय बीज सहकारिता समिति हमारे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगी। इसका सबसे बड़ा फायदा छोटे किसानों को होने वाला है। वह उन्नतशील बीज का उत्पादन कर सकेंगे। इस कार्य में भारतीय बीज सहकारिता समिति उनको मदद करेगी। अब देश का छोटा किसान बीज उत्पादक बन सकेगा। इन किसानों को अब ब्रांड की चिंता करने की जरूरत नहीं है। भारतीय बीज सहकारिता समिति इन कार्यों में किसानों की मदद करेगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि गांव में किसानों के पास पारंपरिक बीज उपलब्ध है लेकिन वह सीमित किसानों तक ही पहुंच पा रहा है। अब यह सहकारी समिति इन बीजों को खोजकर जरूरी संशोधन व शोधन कर किसानों को उपलब्ध कराएगी। शाह ने कहा कि हम श्रीअन्न उत्पादन में अहम भूमिका निभा सकते हैं। दुनिया श्रीअन्न के बीज के लिए भारत पर निर्भर है। हमें इस दिशा में व्यापक शोध की जरूरत है। इस दिशा में भी हमें मिलकर काम करने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री आज करेंगे भारत मंडपम में भारतीय मोबाइल कांग्रेस-2023 के 7वें संस्करण का उद्घाटन

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुबह 9:45 बजे भारत मंडपम प्रगति मैदान में भारतीय मोबाइल कांग्रेस 2023 के 7वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री देशभर के शैक्षणिक संस्थानों को 100 5जी यूज केस लैब्स का पुरस्कार देंगे। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) एशिया का सबसे बड़ा दूरसंचार, मीडिया और प्रौद्योगिकी मंच है। यह 27 से 29 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन दूरसंचार और प्रौद्योगिकी में भारत की अविश्वसनीय प्रगति को उजागर करने और महत्वपूर्ण बातें सामने लाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। इस वर्ष आईएमसी एक स्टार्टअप कार्यक्रम एस्पायर शुरू कर रहा है। यह नई उद्यमशीलता पहल और सहयोग को उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से स्टार्टअप, निवेशकों और स्थापित व्यवसायों के बीच संबंधों को बढ़ावा देगा। आईएमसी 2023 में लगभग 22 देशों के एक लाख से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे, जिनमें लगभग 5 हजार सीईओ स्तर के प्रतिनिधि, 230 प्रदर्शक, 400 स्टार्टअप और अन्य हितधारक शामिल होंगे।

संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक 5 से 7 नवंबर तक भुज में

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रतिवर्ष होने वाली अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक इस बार 05 से 07 नवंबर तक गुजरात के कच्छ जिले के भुज में होगी। इस बार की बैठक में अयोध्या में अगले साल 22 जनवरी को आयोजित होने वाले श्रीराम जन्मभूमि मंदिर प्रतिष्ठापना समारोह और उससे जुड़े देशभर में प्रस्तावित कार्यक्रम आदि विषयों पर भी चर्चा होगी। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने गुरुवार को बताया कि इस बैठक में संघ रचना के अनुसार बने 45 प्रांतों से प्रांत संघचालक, कार्यवाह एवं प्रांत प्रचारक तथा उनके सह संघचालक, सह कार्यवाह तथा सह प्रांत प्रचारक सहभागी होंगे। बैठक में विशेष रूप से सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले एवं सभी अखिल भारतीय पदाधिकारियों सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्य उपस्थित रहेंगे।

इसके अलावा कुछ विविध संगठन के चयनित संगठन मंत्री भी बैठक में भाग लेंगे। बैठक में संगठन कार्य की समीक्षा के साथ ही गत माह सितंबर में पुणे में सम्पन्न हुई अखिल भारतीय समन्वय बैठक में आये विषय तथा अभी-अभी विजयादशमी उत्सव के निमित्त हुए सरसंघचालक के उद्बोधन के उल्लेखनीय बिंदुओं पर चर्चा होगी।

जयशंकर ने किर्गिस्तान के राष्ट्रपति झापारोव से मुलाकात की, शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन में लेंगे भाग

बिश्केक, (हि.स.)। किर्गिस्तान यात्रा पर गए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को राष्ट्रपति सादिर झापारोव से मुलाकात की और बैंकिंग, रक्षा तथा ऊर्जा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के मामलों पर चर्चा की। किर्गिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को यहां पहुंचने पर जयशंकर का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जयशंकर यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे और शीर्ष नेतृत्व से भी मिलेंगे। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सादिर झापारोव से मुलाकात करके खुशी हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की व्यक्तिगत शुभकामनाएं उन्हें दीं। बैंकिंग, ऊर्जा, स्वास्थ्य और फार्मा, रक्षा, कृषि और निवेश में सहयोग पर चर्चा की। जयशंकर ने एससीओ के सदस्यों देशों के शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की सफल अध्यक्षता के लिए किर्गिस्तान को भारत का समर्थन जताया। किर्गिस्तान एससीओ के सदस्य देशों के शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की बैठक की मेजबानी समूह के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में कर रहा है। जयशंकर ने किर्गिस्तान के अपने समकक्ष जीनबेक कुलुबाएव से भी मुलाकात की और कई मुद्दों पर उनसे चर्चा की। उन्होंने एक्स पर लिखा, बिश्केक में अपने पुराने मित्र विदेश मंत्री जीनबेक कुलुबाएव को देखकर अच्छा लगा। व्यापार और अर्थव्यवस्था, विकास परियोजनाओं, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भारत-किर्गिस्तान सहयोग को मजबूत करने के बारे में बात की। साथ ही अफगानिस्तान, पश्चिम एशिया और कनेक्टिविटी पर विचारों का आदान-प्रदान किया। जयशंकर एससीओ शासनाध्यक्षों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा, एससीओ में सार्थक आदान-प्रदान, किर्गिस्तान नेतृत्व से मुलाकात और हमारे द्विपक्षीय एजेंडे को आगे बढ़ाने की उम्मीद है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के भी किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में एससीओ बैठक में शामिल होने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर एससीओ सदस्य देशों के अपने अन्य समकक्षों के साथ ही किर्गिस्तान के शीर्ष नेतृत्व से भी मुलाकात करेंगे। एससीओ समूह में चीन, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान शामिल हैं। जून 2001 में शंघाई में स्थापित, एससीओ एक अंतरसरकारी संगठन है।

महाराष्ट्र सरकार ने की अक्षय गावटे के परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 'अग्निवीर' अक्षय गावटे के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए उनके परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। 'अग्निवीर' अक्षय गावटे बुलढाणा जिले के पिंपलगांव सराय गांव के निवासी थे। अक्षय गावटे 30 दिसंबर, 2022 को भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में शामिल हुए थे। वह सियाचिन में ड्यूटी पर थे। जिला सैनिक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अक्षय की तबीयत खराब होने पर उन्हें सैनिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। अक्षय अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे। उनकी एक छोटी बहन है और उनके माता-पिता किसान हैं। कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ अक्षय अग्निवीर के रूप में सेना में भर्ती हुए थे। अक्षय की मौत से बुलढाणा जिले में शोकाकुल माहौल है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पर मुंबई में होगा राष्ट्रीय कार्यक्रम

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) पर राष्ट्रीय कार्यक्रम कल यशवंतराव चव्हाण केंद्र, मुंबई में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को दो सत्रों में विभाजित किया गया है। इसके शुरूआत में कार्यशाला होगी और उसके बाद महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री एकनाथ संभाजी शिंदे और केंद्रीय महिला एवं बाल विकास तथा अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी की अध्यक्षता में उद्घाटन सत्र होगा। यह कार्यक्रम पीएमएमवीवाई के महत्वपूर्ण पहलुओं और उपलब्धियों की यात्रा और पीएमएमवीवाई पोर्टल तथा मोबाइल ऐप की विशेषताओं पर प्रकाश डालेगा। इस कार्यक्रम में नए पीएमएमवीवाई पोर्टल के लिए नागरिकों, फील्ड पदाधिकारियों, पर्यवेक्षकों, मंजूरी अधिकारियों, जिला नोडल अधिकारियों और राज्य नोडल अधिकारियों सहित विभिन्न हितधारकों के लिए एक व्यापक उपयोगकर्ता मैनुअल जारी करना भी शामिल होगा।

मुख्यमंत्री सुक्खू की बिगड़ी तबीयत, आईजीएमसी में कराया गया भर्ती

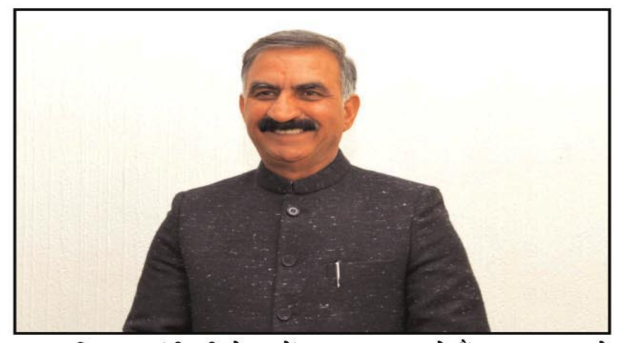

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की तबीयत बिगड़ने पर आईजीएमसी अस्पताल में भर्ती किया गया है। सरकारी आवास पर बुधवार रात करीब एक बजे के बाद अचानक पेट दर्द की शिकायत के बाद मुख्यमंत्री को तुरंत आईजीएमसी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि मुख्यमंत्री का स्वास्थ्य सामान्य है। आईजीएमसी में अल्ट्रासाउंट समेत अन्य टेस्ट किए गए। जांच में पेट से संबंधित संक्रमण पाया गया है। उन्हें आईजीएमसी के स्पेशल वार्ड में भर्ती किया गया है और डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए हैं। आईजीएमसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर राहुल राव ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की सेहत में सुधार है और वह कुछ दिन डॉक्टरों की निगरानी में रहेंगे। इस बीच मुख्यमंत्री की अचानक तबीयत बिगड़ने से उनके समर्थक व चाहने वालों में चिंता का माहौल बन गया। वे उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। कुछ माह पहले भी मुख्यमंत्री की तबीयत अचनाक बिगड़ गई थी। जून में मुख्यमंत्री ने मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में इलाज करवाया था। वहां मुख्यमंत्री पांव दर्द की शिकायत के बाद चेकअप के लिए पहुंचे थे।

भाजपा ने अशोक गहलोत पर किया पलटवार, कहा- राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार की सारी हदें पार कर दीं

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ईडी के दुरुपयोग करने के आरोपों पर पलटवार करते हुए राजस्थान को भ्रष्टाचार की राजधानी बताया। गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि अशोक गहलोत के सारे आरोप आधारहीन हैं। वे अपने बेटे पर ईडी की कार्रवाई पर तिलमिला गए हैं। गजेन्द्र सिंह ने कहा कि अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार ने सभी सीमाएं पार कर ली हैं और भ्रष्टाचार के नए मानक स्थापित किए हैं। राजस्थान में पेपर लीक की श्रृंखला ने लाखों युवाओं के भविष्य को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान के विधायक और मंत्री खुद जनता के बीच जा कर सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर कर रहे हैं। पेपर लीक होने पर करोड़ों रुपये का लेन देन हुआ है। गहलोत सरकार ने 70 लाख युवाओं का भविष्य अंधकार में डाल दिया। उन्होंने कहा कि ईडी और सरकारी जांच एजेंसियां केन्द्र सरकार के दवाब में नहीं हैं। अशोक गहलोत के सारे आरोप निराधार हैं। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को प्रर्वतन निदेशालय ने समन भेजा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और ओम प्रकाश हुडला से जुड़े कई परिसरों पर ईडी ने रेड डाली है। जांच एजेंसी के एक्शन पर अशोक गहलोत ने बयान दिया कि सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही हैं।

एयर इंडिया की तेल अवीव के लिए दो नवंबर तक सभी उड़ानें स्थगित

नई दिल्ली, (हि.स.)। टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच तेल अवीव के लिए अपनी निर्धारित सभी उड़ानों को 2 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दिया है। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने जारी एक बयान में कहा कि तेल अवीव के लिए निर्धारित सभी उड़ानें दो नवंबर तक निलंबित कर दी गई हैं। एयर इंडिया ने सात अक्टूबर से तेल अवीव से आने-जाने वाली किसी निर्धारित उड़ानों का परिचालन नहीं किया है। हालांकि, इस महीने इजरायल से भारतीयों को वापस लाने के लिए सरकार के ऑपरेशन अजय के तहत कुछ चार्टर्ड उड़ानों का संचालन किया है। एयर इंडिया एयरलाइंस आम तौर पर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली से तेल अवीव के लिए पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करता है। एयर इंडिया की यह सेवा सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार को है।

लोकसभा आचार समिति ने महुआ मोइत्रा को 'पैसे के बदले प्रश्न' मामले में 31 अक्टूबर को बुलाया

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा की आचार समिति की गुरुवार को बैठक हुई। बैठक में तृणमूल कांग्रेस महुआ मोइत्रा को 31 अक्टूबर को पैसे के बदले प्रश्न मामले में उसके समक्ष प्रस्तुत होने के लिए कहा गया है। समिति ने गृह मंत्रालय और आईटी मंत्रालय से जांच में सहयोग मांगा है। आज समिति ने मामले में वकील जय अनंत देहाद्राई और भाजपा नेता निशिकांत दूबे के बयान दर्ज किए। सूत्रों के मुताबिक संसद की आचार समिति इस बात से सहमत है कि तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर लगे आरोप बेहद गंभीर हैं और समिति उन पर गंभीरता से विचार करेगी। आचार समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद विनोद सोनकर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि समिति ने आज दो लोगो को सुना और उनकी ओर से पेश साक्ष्यों पर गौर किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए समिति ने महुआ मोइत्रा को बुलाने का फैसला किया है। उन्हें 31 अक्टूबर को पेश होने के लिए कहा गया है। समिति ने दर्शन हीरानंदानी, महुआ मोइत्रा और वकील जय अनंत देहाद्राई के बीच हुई बातचीत के विवरण के लिए आईटी मंत्रालय और गृह मंत्रालय को पत्र भेजने का भी फैसला किया है। वकील जय अनंत देहाद्राई ने संसद की आचार समिति के सामने पेश होने के बाद पत्रकारों से कहा कि उन्होंने समिति के सामने सच्चाई रख दी है। उन्होंने हर पूछे गए प्रश्न का उत्तर दिया है। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा पर पैसे लेकर प्रश्न पूछने का आरोप लगाया था। उन्होंने इन आरोपों पर जांच समिति से जांच कराए जाने की मांग की थी। दूबे के आरोप पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मामले को संसद की आचार समिति को भेज दिया। निशिकांत दुबे का आरोप था कि लोकसभा सदस्य महुआ ने बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी से प्रश्न पूछे जाने के एवज में रिश्वत और उपहार लिये हैं। इन आरोपों का बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी ने भी स्वीकार किया है।

विशेषाधिकारों के साथ राज्य का दर्जा लौटाएं मोदी सरकार : शिवसेना

जम्मू, (हि.स.)। 26 अक्तूबर 1947 को महाराजा हरि सिंह ने भारत के साथ विलय पत्र पर हस्ताक्षर किया था, इस गौरवशाली दिन की बदौलत ही जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनने और आवाम को भारतीय होने पर गर्व महसूस किया। धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने वाले रियासत के अंतिम डोगरा शासक महाराजा हरि सिंह ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि जिस जम्मू कश्मीर की कमान वह भारत को सौंपने जा रहे हैं उसको दो टुकड़ों में बांट इससे विशेष राज्य से राज्य का दर्जा व विशेषाधिकार तक छीन लिए जाएंगे और आवाम को लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाली के लिए भी लम्बा इंतजार करवाया जाएगा। यह कहना है शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी का। शिवसेना जम्मू-कश्मीर प्रमुख मनीश साहनी ने गुरूवार को जम्मू के इंदिरा चौक स्थित रणबीर यात्री भवन में महिलाओं के लिए शिकायत एवं सहायक केन्द्र का उद्घाटन किया और विलय दिवस पर केन्द्र की मोदी सरकार से जम्मू-कश्मीर को जल्द राज्य का दर्जा लौटाने, लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाली के साथ धारा 371 के तहत जम्मू-कश्मीर को अपनी सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा तथा शिक्षा, नौकरियों और भूमि पर विशेषाधिकार देने की मांग की। साहनी ने कहा कि 26 अक्तूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर का भारत में विलय हुआ, महाराजा हरि सिंह ने अपनी आवाम के लिए विशेषाधिकार की शर्तों के साथ विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश इस गौरवशाली दिन पर गर्व महसूस करता है। करीब सात दशक के बाद 2020 में केन्द्र की मोदी सरकार ने विलय दिवस पर अधिकारिक तौर पर सार्वजनिक अवकाश दिया। मगर 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को दो टुकड़ों में बांटने के साथ हमारे विशेषाधिकार और इस विशेष राज्य से राज्य का दर्जा छीन लिया गया। एक लम्बा अंतराल बीतने के बावजूद राज्य का दर्जा नहीं लौटाया जा रहा। पांच साल से अधिक का समय से जनता को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से दूर रखा जा रहा है। इस मौके पर अध्यक्ष महिला विंग मिनाक्षी छिब्बर, उपाध्यक्ष संजीव कोहली, बलवंत सिंह, युवा सचिव राजेश हांडा उपस्थित रहे।

गोविंद सिंह डोटासरा और ओम प्रकाश हुडला के घर ईडी की छापेमारी

जयपुर, (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने पेपर लीक के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार सुबह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुआ विधायक ओम प्रकाश हुडला के घर छापेमारी की है। ईडी की टीम फिलहाल डोटासरा, ओम प्रकाश हुडला और उनके रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम डोटासरा के जयपुर के सरकारी आवास सहित सीकर उनके निजी निवास पर भी पहुंची है। इधर, ईडी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत पूछताछ के लिए समन भेजा है। जानकारी के अनुसार ईडी की छापेमारी की कार्रवाई डोटासरा के जयपुर में सरकार आवास समेत तीन और सीकर में दी जगह चल रही है। इसके अलावा ईडी की टीम डोटासरा के रिश्तेदारों के घर भी पहुंची है। दिल्ली और जयपुर की ईडी की टीम के साथ में केंद्रीय सुरक्षा बल के अधिकारी भी मौजूद हैं। ईडी की छापेमारी के दौरान गोविंद सिंह डोटासरा अपने निवास पर मौजूद हैं। ईडी की टीम पूछताछ करने में जुटी है।

इसके अलावा महुवा से निर्दलीय विधायक और कांग्रेस उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला के सात ठिकानों पर भी ईडी ने छापेमारी की है। ईडी की टीमें दौसा, जयपुर सहित कई जगहों पर हुड़ला के ठिकानों पर पहुंची हैं। दौसा जिले में हुड़ला के पेट्रोल पंप पर भी ईडी की छापेमारी चल रही है। हुड़ला के दफ्तरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर ईडी दस्तावेज खंगाल रही है। हुड़ला के सहयोगी राजेंद्र गुप्ता, सुभाष बालाहेड़ी, सीए राजेंद्र गुप्ता और बिजनेस सहयोगी निधि शर्मा के घर भी ईडी ने छापे मारे हैं।

सीएम गहलोत के पुत्र वैभव को फेमा के तहत भेजा समन - मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि उनके पुत्र और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत दिल्ली में पूछताछ के लिए समन भेजा है। हालांकि उन्हें ईडी के समा कब पेश होना है ये जानकारी समन में नहीं दी गई है। गहलोत ने लिखा कि पच्चीस अक्टूबर को राजस्थान की महिलाओं के लिए कांग्रेस की गारंटियां लांच हुई और छब्बीस अक्टूबर को राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के यहां ईडी की रेड और मेरे बेटे वैभव गहलोत को ईडी में हाज़िर होने का समन भेजा है। अब आप समझ सकते हैं, जो मैं कहता आ रहा हूं कि राजस्थान के अंदर ईडी की रेड रोज इसलिए होती है क्योंकि भाजपा ये नहीं चाहती कि राजस्थान में महिलाओं को, किसानों को, गरीबों को कांग्रेस द्वारा दी जा रही गारंटियों का लाभ मिल सके।

जनता जवाब देगीः खड़गे - इस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है कि चुनाव आते ही ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट आदि भाजपा के असली पन्ना प्रमुख बन जाते हैं। राजस्थान में अपनी निश्चित हार को देखते हुए भाजपा ने अपना आखिरी दांव चला है। ईडी ने छत्तीसगढ़ के बाद राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव अभियान में उतरते हुए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। मोदी सरकार की तानाशाही लोकतंत्र के लिए घातक है। हम एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ते रहे हैं और जनता भाजपा को करारा जवाब देगी। इस बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी एक्स पर पोस्ट कर संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए सत्यमेव जयते लिखा है।

राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' को लेकर खुशी की लहर

नई दिल्ली, (हि.स.)। राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हरी झंडी मिलने के बाद बड़ी संख्या में सकारात्मक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केपी मौर्य का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 जनवरी, 2024 को एक राम भक्त के रूप में, एक सैनिक के रूप में अयोध्या पहुंच रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 22 जनवरी का दिन सभी राम भक्तों के लिए गौरव का दिन होगा। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का कहना है कि राम लला मंदिर का भव्य उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। हम सभी इस खबर से खुश हैं। हम मंदिर में मूर्ति स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अयोध्या में अभिनेत्री कंगना रनौत का कहना है कि आखिरकार राम लला का मंदिर बन गया है। यह हिंदुओं का सदियों पुराना संघर्ष है और हमारी पीढ़ी इस दिन को देख पा रही है। यह मोदी सरकार और सीएम योगी आदित्यनाथ की वजह से संभव हो पा रहा है। ये हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा तीर्थ स्थल होगा। ये दुनिया के सामने देश और सनातन संस्कृति का भव्य प्रतीक बनेगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों की

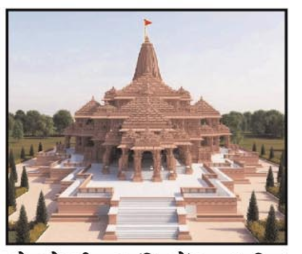

ओर से श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर अयोध्या आने के लिए निमंत्रण मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हर्ष व्यक्त करने के साथ एक्स पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि निमंत्रण पाकर मैं खुद को बहुत धन्य महसूस कर रहा हूं। उन्होंने लिखा है कि यह मेरा सौभाग्य है कि अपने जीवनकाल में मैं इस ऐतिहासिक अवसर का साक्षी बनूंगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अयोध्या आगमन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक चौपाई ह्वजासु बिरह सोचहु दिन राती ।। रटहु निरंतर गुन गन पाती।। रघुकुल तिलक सुजन सुखदाता।। आयउ कुसल देव मुनि त्राता ।ह्व के साथ एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। योगी आदित्यनाथ ने लिखा है कि सनातन आस्था के अवलंब प्रभु श्री राम की प्राणप्रिय नगरी श्री अयोध्या धाम में श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण के फलस्वरूप श्री राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा का उल्लास, आह्लाद, गौरव एवं आत्मसंतोष का चिरप्रतीक्षित आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से कोटि-कोटि रामभक्तों की भावनाओं का प्रतिबिंब बनेगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारियों की ओर से भगवान श्री रामलला सरकार के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी निमंत्रित किया गया है। इस दौरान ये उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निमंत्रण मिलने के बाद अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि भगवान श्री रामलला सरकार के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात है। यह मेरे प्रभु श्री राम की कृपा ही है कि मुझे इस ऐतिहासिक, अभूतपूर्व अवसर का साक्षी बनने का सौभाग्य मिल रहा है। आज मैं स्वयं को धन्य महसूस कर रहा हूं। मन अत्यंत भावुक और कृतज्ञ है। 22 जनवरी, 2024 को राम मंदिर 'प्राण प्रतिष्ठा' पर मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ का कहना है, "मुझे बहुत खुशी है कि आखिरकार राम मंदिर बन रहा है।" कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा है कि निमंत्रण सभी को भेजा जाना चाहिए था।

दुनियाभर को धर्म की राह दिखा रहा भारत : मोहन भागवत

सहारनपुर, (हि.स.)। भारत दुनियाभर को धर्म की राह दिखा रहा है। श्रीमद्भागवत में पूरा जीवन है। जीवन को कैसे जीना है। हमें क्या करना चाहिए, यह सब बताया गया है। संतों का केवल नाम लेने मात्र से लोगों का भाग्य उदय हो जाता है, ऐसे में अगर संतों के साथ बैठने और उन्हे सुनने का अवसर मिल जाए तो फिर समझिए भाग्योदय होना ही है। उक्त बातें गुरुवार को सहारनपुर पहुंचे आरएसएस प्रमुख डॉ.मोहन भागवत ने कही। आरएसएस प्रमुख यहां सहारनपुर के सरसावां में आयोजित श्री कृष्ण मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने पूजन के बाद खुदाली से नींव खोदकर इस शुभ कार्य का श्रीगणेश किया। इसके बाद

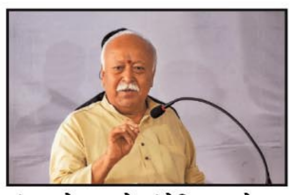

संत सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म सभी को जोड़ता है। सभी के सुख की कामना करता है। सभी की उन्नति करता है। उसे ही धर्म कहते हैं। ऐसा धर्म सनातन है। वही शाश्वत है। सनातन धर्म को किसी ने उत्पन्न नहीं किया। वह हमेशा से है और रहेगा। जिस दिन सनातन खत्म हो गया, समझिए यह दुनिया ही खत्म हो जाएगी। धर्म की परिभाषा समझाते हुए उन्होंने बताया कि धर्म के चार पहलू हैं, सत्य, करुणा, शुचिता और कपस यानी परिश्रम। इसी की चौखट पर चलना है, जो कदम इसके अंदर हैं, वह धर्म हैं और जो इसके बाहर है, वह अधर्म है। तो ये चार जो हैं वे शाश्वत धर्म हैं । यह कभी नहीं बदलेंगे। आचरण बदलेगा लेकिन आपका आचरण इन्हीं चार चौखट के अंदर रहना चाहिए। आपका आचरण इस चौखट के अंदर है या नहीं, यह आपको समय-समय पर संत बताएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन में आने वाली परिस्थितियों से भागना नहीं है। मुकाबला करना है। यदि भाग गए तो जिंदा होते हुए मौत के समान है। प्रकृति के साथ चलें। धर्म की आवश्यकता है। दुनिया में ऐसे भी लोग हैं, जो दुष्ट हैं। उनसे घबराना नहीं है। हमारी किसी से दुश्मनी नहीं है। सभी को साथ लेकर चलना है। धर्म के साथ चलना है।

झारखंड के सरकारी स्कूलों के क्लास एक से आठ तक की बदलेगी किताबें

रांची, (हि.स.)। राज्य के सरकारी स्कूलों के क्लास एक से आठ की किताबें अगले साल से बदल जाएंगी। शैक्षणिक सत्र 2024-25 से बच्चों को नई किताबें मिलेंगी। नई किताबों में कई बदलाव किये जा रहे हैं।कई नए चैप्टर भी जोड़े जाएंगे। एनसीईआरटी की अंग्रेजी में छपी किताबों (अंग्रेजी को छोड़कर) का हिंदी में अनुवाद करके बच्चों तक पहुंचाया जाएगा, ताकि बच्चे हिंदी में पढ़ाई कर आसानी से विषय के बारे में समझ विकसित कर सकें। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव के. रवि कुमार ने बताया कि स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देश पर झारखंड शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (जेसीईआरटी) ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। पाठ्यक्रम निर्माण और किताबों के अनुवाद का काम शुरू हो गया है। क्लास एक से आठ तक की किताबों का डिजाइन और निर्माण जेसीआईआरटी के द्वारा कराया जाता है। हर

साल एक से आठ तक की 42 किताबें प्रकाशित की जाती हैं। इन सभी किताबों में इस बार कुछ न कुछ संशोधन किया जाएगा। जेसीआईआरटी नये सत्र (2024-25) के लिए छपने वाली किताबों की प्रिंटिंग और पेपर की गुणवत्ता में भी सुधार करेगा। नए सत्र से आने वाली किताबों में जोड़े जाने वाले नये चैप्टरों से छात्रों को कई नई जानकारी मिलेगी। बच्चों को स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा और कृषि जैसे कई क्षेत्रों से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। साथ ही किताबों में पहले से हाथ से बनाई गई पेंटिंग वाले चित्रों को हटाकर डिजिटल इलस्ट्रेशन से बने चित्रों को लगाया जाएगा।

नई किताबों में जोड़े जाएंगे ये नये चैप्टर

झारखंड का इतिहास
झारखंड की कला-संस्कृति
हेल्थ और वेलनेस
सड़क सुरक्षा
जल संरक्षण
ऊर्जा संरक्षण
कृषि
लैंगिक समानता

क्षणिक लाभ के उद्देश्य से डीएमके सरकार कर रही है देशविरोधी कार्य : अभाविप

बेगूसराय, (हि.स.)। तमिलनाडु के चेपॉक स्टेडियम में पुलिस द्वारा तिरंगे को कूड़ेदान में फेंकने और स्टेडियम में दर्शकों को तिरंगा ले जाने से रोकने के विरोध में आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बेगूसराय नगर इकाई द्वारा तमिलनाडु सरकार के खिलाफ आक्रोश मार्च निकाला गया। मौके पर उपस्थित विभाग संयोजक सोनू कुमार ने कहा कि भारत के राष्ट्रीय ध्वज को कूड़ेदान में फेंकना ना सिर्फ अपमानजनक है, बल्कि डीएमके द्वारा राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान की दिशा में एक और घृणित काम है। बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस तरह के काम आज हमें भारत में देखने को मिल रहे हैं। राजनीतिक स्वार्थ के लिए डीएमके ने खुलेआम सनातन धर्म का अपमान किया है। अब वह राष्ट्र की शान तिरंगे का अपमान कर राष्ट्र की संप्रभुता एवं स्वाभिमान को चुनौती देने का कार्य कर रहे हैं। यह किसी भी रूप में स्वीकार नहीं होगा। इस घटना पर तमिलनाडु सरकार को देश से माफी मांगनी चाहिए। इसके साथ ही दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। जिला संयोजक पुरषोत्तम कुमार ने कहा कि तमिलनाडु की

डीएमके सरकार ने आज फिर एक बार देश की अस्मिता को चोट पहुंचाई है। इसी तिरंगे के खातिर लाखों लोग शहीद हो गए, लेकिन डीएमके जैसी पार्टी क्षणिक लाभ के कारण तिरंगे का भी अपमान करने से नहीं चूक रही है। नगर सह मंत्री अजीत कुमार एवं नगर सह मंत्री आकाश गौतम ने कहा कि देश की आन-बान और शान तिरंगे का अपमान असहनीय है। यह बहुत ही शर्मनाक है कि भारत में ही तिरंगे को ले जाने के लिए पुलिस अनुमति नहीं दे रही है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए डीएमके के साथ गठबंधन कर रहे दलों के नेता की इस घटना पर चुप्पी भी शर्मनाक है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के प्रतीकों के अपमान को भी मौन समर्थन दिया जा रहा है। वरिष्ट छात्र नेता बंटी गौतम ने कहा कि डीएमके सरकार लगातार अपनी विभाजनकारी राजनीति पर आगे बढ़ते हुए राष्ट्र को अघात पहुंचाने का कार्य कर रही है। कभी क्षेत्रवाद, कभी भाषा, कभी धर्म और अब राष्ट्रीय ध्वज का अपमान कर तमिलनाडु की डीएमके सरकार देश में नकारात्मक संदेश प्रस्तुत कर रही है। कॉलेज अध्यक्ष प्रहलाद कुमार ने कहा कि तिरंगे के अपमान की घटना पर डीएमके सरकार देश से माफी मांगे। ऐसा कृत्य करने वालों पर कार्रवाई सुनिश्चित करे। यह घटना देश के स्वाभिमान पर प्रहार करने वाली है। मौके पर आलोक, सत्यम, रौशन, अंकित, उज्ज्वल, राजा, सन्नी, प्रिंस एवं राहुल सहित अन्य मौजूद रहे।

हर जरूरतमंद को मिले आवास व इलाज : मुख्यमंत्री

गोरखपुर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि जिन जरूरतमंदों को अभी पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। आयुष्मान कार्ड बनवाकर इलाज की उचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। कार्ड न होने की दशा में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए विवेकाधीन कोष से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी ने यह निर्देश गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक खुद पहुंचे। सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा। जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने लगभग 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने आवास की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। महिला को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध

कराया जाए। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

वसुंधरा पार्क में आरआरएस की शाखा लगाए जाने के विरोध में मिले धमकी भरे पत्र

गाजियाबाद, (हि.स.)। इंदिरापुरम थाना इलाके के वसुंधरा सेक्टर-5 के पार्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा लगाए जाने के खिलाफ गुरुवार को कई धमकी भरे पत्र मिले हैं। इन पत्रों में इस पार्क में शाखा नहीं लगाने को कहा गया है। साथ ही धमकी दी गयी है कि यदि यहां पर शाखा बंद नहीं की गयी तो अंजाम अच्छा नहीं होगा। शाखा प्रमुख ने थाने में जाकर इसकी शिकायत की है। उधर पुलिस ने धमकी देने वाले लोगों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। वसुंधरा थाना क्षेत्र में स्थित सेक्टर पांच गीता धाम मंदिर के पीछे पार्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा वीर शिवाजी शाखा लगाई जाती है। पार्क की सफाई करने पहुंचे सफाईकर्मियों ने बताया कि पार्क में छह पत्र मिले हैं, जिनमें

शाखा लगाने का विरोध किया गया है। साथ ही भगवा झंडे को आतंकवादी झंडा भी बताया गया है। इन पत्रों में डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार की तस्वीरें मिली हैं। शाखा प्रमुख वाईपी सिंह को सूचना दी गई।पार्क में पाए गए पत्रों को पुलिस को सौंप दिया। इस मामले में थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। इंदिरापुरम थाने के एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री पर हमला बोला

रांची, (हि.स.)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने दुमका के हंसडीहा मॉब लिंचिंग की घटना को लेकर हेमंत सरकार पर हमला किया है। बाबूलाल ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झूठ बोलने की आदत से मजबूर हैं। कहते हैं कि उनके शासन में प्रदेश में मॉब लिंचिंग की एक भी घटना नहीं हुई है जबकि उनके जिले में ही आदिवासी युवक की सरेराह हत्या कर दी गयी है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सिर्फ अपने घोटालों को छिपाने के लिए आदिवासी समाज को ढाल बना रहे हैं जबकि उन्हें अपनी जिम्मेदारियों को समझकर उनकी सुरक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड पुलिस घटना में संलिप्त दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता

उपलब्ध करायी जाये। उल्लेखनीय है कि 22 अक्टूबर को हंसडीहा थाना क्षेत्र के ठाड़ी गांव के पास चरवाहों ने एक आदिवासी छात्र आनंद लाल सोरेन की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। वह पोडैय़ाहाट स्थित संत फ्रांसिस स्कूल में दसवीं का छात्र था। वह फुटबॉल मैच देखकर वापस लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में उसकी बाइक से भैंस को ठोकर लग गयी। इतनी छोटी से बात के लिए वहां मौजूद चरवाहों ने छात्र को लाठी-डंडे से पीट-पीटकर मार डाला।

भारतीय जनता पार्टी ने विश्वकर्मा प्रशिक्षण सह कार्यशाला का किया आयोजन

सहरसा, (हि.स.)। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले, इसके लिए गुरुवार को शहर के सूर्या हॉस्पिटल के सभागार मे भारतीय जनता पार्टी सहरसा द्वारा मंडल अध्यक्ष, महामंत्री व जिला पदाधिकारीगण का प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिवाकर सिंह एवं संचालन जिला मंत्री राजीव रंजन साह ने किया।कार्यशाला को संबोधित कर भाजपा जिलाध्यक्ष दिवाकर सिंह ने कहा कि प्रत्येक विधानसभा मे कम से कम चार हजार लोगो को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत मिलने वाले प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता जो कि एक लाख से तीन लाख तक दिलवाने का लक्ष्य रखा गया है। पहले चरण में एक लाख रुपये का लोन ले लिया है, दूसरे चरण का लोन इस योजना के तहत दूसरी ऋण किशत 2 लाख रुपये की है। यह किस्त उन लोगों को मिलेगा जो स्टैंडर्ड लोन अकाउंट को मेंटेन रखते हैं और अपने व्यवसाय के लिए डिजिटल लेन-देन को अपनाया है और एडवांस स्किल ट्रेनिंग ले रहे हैं। ट्रेनिंग के दौरान प्रति दिन 500 रुपये स्टाइपेंड का प्रावधान किया गया है।गवर्नमेंट एंप्लायीज इस योजना के लिए अप्लाई नहीं कर सकते हैं और न ही उनके परिवार कोई व्यक्ति इस योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना का लाभ निम्न क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्ति उठा सकते हैं राजमिस्त्री, नाई, मालाकार, धोबी, दर्जी, ताला बनाने वाले, बढ़ई, लोहार, सुनार, अस्त्रकामूर्तिकार, पत्थर तराशने वाले, पत्थर तोड़ने वाले मोची/जूता बनाने वाला कारीगर नाव निमार्ताटोकरी/चटाई/झाड़ू बनाने वाला गुड़िया और खिलौना निमार्ता, हथौड़ा और टूलकिट निमार्ता, फिशिंग नेट निमार्ता। प्रदेश नेत्री लांजवती झा ने कहा विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना या विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। इस योजना के लिए 13,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत आने वाले कारीगरों, शिल्पकारों आदि को पीएम विश्वकर्मा सर्टिफिकेट और आईडी कार्ड प्रदान किया जाएगा।

इसके लिए रजिस्ट्रेशन फ्री है। इस योजना के तहत रजिस्ट्रेशन करने वाले लोगों को न सिर्फ ट्रेनिंग दी जाएगी, बल्कि वे कम ब्याज दर पर लोन भी ले सकेंगे। ट्रेनिंग खत्म होने पर औजार खरीदने के लिए 15 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा, 5 फीसदी के ब्याज पर पहले 1 लाख रुपये मिलेगा, फिर जरूरत पड़ने पर दूसरी किस्त में दो लाख रुपये का लोन दिया जाएगा। जिला मंत्री राजीव रंजन साह ने कहा पीएम विश्वकर्मा योजना 2023 के लाभ योजना के तहत ट्रेनिंग पाने वाले कारीगरों को वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है। इस योजना के तहत लोगों को 500 रुपये का दैनिक भत्ता देने का प्रावधान है। साथ ही, 5 दिनों तक कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। टूलकिट प्रोत्साहन के रूप में 15 हजार रुपये का अनुदान देने की सुविधा है।

इकाना स्टेडियम के निकट डबल बेसमेंट पार्किंग का लेआउट तैयार

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने अटल बिहारी बाजपेयी इकाना स्टेडियम के निकट 61 करोड़ 45 लाख रुपये की लागत से बनने वाले डबल बेसमेंट पार्किंग का लेआउट बनकर तैयार है। एलडीए ने 6898 वर्गमीटर क्षेत्रफल में पार्किंग निर्माण के लिए जमीन की तलाश पूरी कर ली है। सेक्टर सात गोमती नगर विस्तार के सीबीडी एरिया में ये पार्किंग बनायी जायेगी। पार्किंग के ऊपर पार्क बनेगा। नीचे अपर बेसमेंट और लोवर बेसमेंट बनाया जायेगा। इसमें 200 के करीब दो पहिया वाहन और 450 के करीब कार खड़ी करने की व्यवस्था रहेगी। इकाना स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को देखते हुए एलडीए ने पार्किंग का कार्य शीघ्र शुरू कराने और उसे वित्तिय वर्ष में पूर्ण कराने की योजना बनायी है। एलडीए के उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी, सचिव पवन

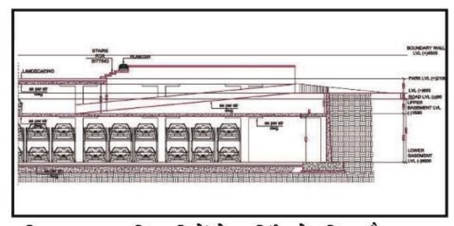

सहित तमाम अधिकारियों ने पार्किंग के लिए बैठक कर योजना पर मोहर लगा दी है। इकाना स्टेडियम में पार्किंग की जगह छोटी पड़ने के बाद बड़े पार्किंग की आवश्कता देखी जा रही थी। क्रिकेट स्टेडियम के आसपास वाहनों की पार्किंग और जाम की स्थिति को कम करने के लिए एलडीए की पहल पर स्थानीय अपार्टमेंट के निवासियों और कालोनीवासियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

पलामू में डांट-फटकार से नाराज नाबालिग ने पिता के सीने में घोंपा चाकू, मौत

पलामू, (हि.स.)। जिले के नावा जयपुर थाना क्षेत्र अतंर्गत पकरिया गांव में हल्की डांट-फटकार से नाराज नाबालिग बेटे ने पिता के सीने में चाकू घोंप दिया। आनन-फानन में उसे एमआरएमसीएच मेदिनीनगर ले जाया जा रहा था लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। शव का पोस्टमार्टम गुरुवार को अस्पताल परिसर में किया गया। मृतक की पहचान छोटू कुमार शर्मा (45) के रूप में हुई है। चाकू घोंपने वाला बेटा 16 वर्षीय कुश कुमार शर्मा है। हत्या के बाद से नाबालिग फरार है। एमआरएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम कराने आए पप्पू कुमार शर्मा के अनुसार दशहरा के दिन छोटू और उसकी पत्नी के बीच विवाद हुआ था। पत्नी मायके चली गई थी।

बुधवार की रात कुश कुमार शर्मा को उसके पिता ने कहा कि तुम्हारी मां मायके चली गई है तुम भी साथ चले जाते। इस क्रम में हल्की डांट-फटकार भी लगायी। कुश ने इस मामले को बड़ा बनाते हुए बड़े भाई लव कुमार शर्मा को फोन पर जानकारी दी। लव बाहर रहकर काम करता है। लव ने मोबाइल से पिता से बात की और कुश को डांट-फटकार एवं मारपीट करने के बारे में पूछा। इससे पिता ने इनकार करते सामने पूछने की बात कही। इसी क्रम में कुश ने सब्जी काटने वाला चाकू पिता के सीने में घोंप दिया और फरार हो गया। पुलिस घटना की जांच-पड़ताल कर रही है।

गिरिडीह की 20 आदिवासी युवक-युवतियां सीआरपीएफ कैंप से लखनऊ रवाना

गिरिडीह, (हि.स.)। सीआरपीएफ सातवीं बटालियन कैंप से नेहरू युवा केन्द्र के सहयोग से गुरुवार को जिले के 20 आदिवासी युवक-युवतियों को युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत यूपी के लखनऊ के लिए रवाना किया गया। लखनऊ रवाना किए जाने से पहले सभी युवक-युवतियों को सीआरपीएफ अधिकारियों ने जूते और स्पेशल किट भी दिए। इन 20 युवाओं को विशेष बस से डिप्टी कमांडेंट नवीन विश्वकर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डिप्टी कमांडेंट नवीन विश्वकर्मा ने कहा कि गृह मंत्रालय नक्सल प्रभावित इलाकों के आदिवासियों के लिए ऐसे कार्यक्रम पिछले कई सालों से चला रही है, जिसका मकसद उन्हें दूसरे राज्यों की संस्कृति से रूबरू कराना है। साथ ही उन्हें कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम से भी जोड़ना और तकनीक की जानकारी देना

है, ताकि इन नक्सल प्रभावित इलाकों के युवा खुद को आत्मनिर्भर बना सके। इस मौके पर डिप्टी कमांडेंट नवीन विश्वकर्मा, बेदार मेजर पन्ना लाल ठाकुर समेत सीआरपीएफ के कई अधिकारी और नेहरू युवा केन्द्र के नैयर परवेज मौजूद रहे।

फिलिस्तीन एवं इजरायल युद्ध में शहीद हुए लोगों के सम्मान में विश्व शांति सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन

बेतिया, (हि.स)। बेतिया स्थित सत्याग्रह भवन में फिलिस्तीन एवं इजरायल युद्ध में शहीद हुए पत्रकारों मीडिया कर्मियों एवं नागरिकों के सम्मान में विश्व शांति सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सभी धर्म के लोगों ने भाग लिया ।इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता, डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल चांसलर प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय झारखंड ,डॉ शाहनवाज अली डॉ अमित कुमार लोहिया वरिष्ठ पत्रकार सह राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ डॉ अमानुल हक ने संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इजराइल एवं फिलिस्तीन के बीच चल रहे जंग में अब तक 6 हजार से ज्यादा आम नागरिक मारे गए हैं। इसमें 22 पत्रकार एवं मीडिया कर्मियों भी शामिल हैं। पत्रकारों मीडिया कर्मियों एवं आम नागरिकों के जीवन के अधिकार एवं उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें संयुक्त राष्ट्र संघ एवं विश्व बिरादरी। पत्रकारों, मीडिया कर्मियों एवं आम नागरिकों पर बमों एवं मिसाइलों से हमले जेनेवा कन्वेंशन एवं अंतर्राष्ट्रीय कानूनो का घोर उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र संघ के

महासचिव अंतोनियो गुतेरेस ने भी इस पर चिंता जताई है। सभ्य समाज में युद्ध एवं हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। बड़े पैमाने पर हमला शुरू करने के बाद से कम से कम 22 पत्रकार शहीद हुए हैं। जंग में मारे गए, घायल, हिरासत में लिए गए या लापता पत्रकारों की सभी रिपोर्टों की जांच कर रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि 22 पत्रकारों में से 18 फि लिस्तीनी, तीन इजरायली एवं एक लेबनानी थे, जबकि आठ पत्रकार घायल हो गए, तीन अन्य कथित तौर पर लापता हैं या हिरासत में लिए गए हैं। वरिष्ठ पत्रकार डॉ अमानुल हक हक ने कहा कि वह अन्य पत्रकारों के मारे जाने, लापता होने, हिरासत में लेने, चोट पहुंचाने या धमकाने और मीडिया कार्यालयों और पत्रकारों के घरों को नुकसान पहुंचाने की कई अपुष्ट रिपोर्टों की जांच कर रहे है। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल चांसलर प्रज्ञान अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय झारखंड, राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय ऑल मीडिया पत्रकार संघ डॉ अमानुल हक एवं मीडिया संगठन ने संयुक्त रूप से कहा कि संकट के समय पत्रकार एवं मीडिया कर्मी महत्वपूर्ण काम करने वाले नागरिक हैं। उन्हें युद्धरत दलों द्वारा निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। इस संघर्ष को कवर करने के लिए पूरे इलाके के पत्रकार बलिदान दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ विश्व बिरादरी एवं सभी पक्षों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए।

संपादकीय

सरकारी 'रथ-प्रभारी'

सरकारी अधिकारी, कर्मचारी और देश की सीमाओं के प्रहरी सैनिक अब 'रथ-प्रभारी' भी बनेंगे। वे मोदी सरकार, अर्थात भारत सरकार, के नौ साल की उपलब्धियों, सरकारी परियोजनाओं, का बखान करेंगे तथा जन-जन तक पहुंचाने के लिए गुणगान करेंगे। अब सरकार के 'लोकसेवक' भी मोदी सरकार के प्रवक्ता बनेंगे। वे 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' के रथी होंगे और सरकारी कार्यक्रमों का ग्रासरूट तक प्रचार करने के प्रयास करेंगे। भारत सरकार के स्तर पर कदाचित यह पहली बार कराया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग और रक्षा मंत्रालय ने सर्कुलर जारी कर सरकारी कर्मचारियों और नौकरशाहों को निर्देश दिए हैं। मोदी सरकार का यह फैसला राजनीतिक विवाद बनता जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस आदेश को वापस लेने का आग्रह किया है, क्योंकि सरकारी लोकसेवक 'तटस्थ' माना जाता है और चुनावों से ऐन पहले उनका 'राजनीतिकरण' करना गलत है। खडग़े कुछ हद तक तार्किक भी हैं। औसत सरकारी अधिकारी, नौकरशाह, कर्मचारी की राजनीतिक विचारधारा भारत सरकार से भिन्न हो सकती है। सेना के सैनिक और अद्र्धसैन्य बलों के जवान 'मातृभूमि' के लिए काम करते हैं। बेशक प्रशासनिक तौर पर वे भारत सरकार के अधीन हैं। औसत सरकारी कर्मचारी के नाते वे भारत सरकार की नीतियों, फैसलों, परियोजनाओं को स्वीकार करने को बाध्य हैं। सरकारी कामकाज में वे उसी लाइन पर काम करेंगे, लेकिन लोकतंत्र में वैचारिकता और मतदान करने के अधिकार स्वायत्त हैं। उन्हें 'सरकारी प्रवक्ता' बनने को विवश नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसेवा और जन-दायित्वों की आड़ में एक गलत, अनैतिक लकीर खींची है। सैनिकों को 'सालाना अवकाश' का लालच दिया गया है। अपेक्षा की जा रही है कि वे 'सैनिक राजदूत' बनकर सरकारी परियोजनाओं का प्रचार करें, ताकि उनके लाभ जमीनी स्तर के नागरिक तक पहुंचाए जा सकें। सवाल है कि एक नौकरशाह या कर्मचारी अथवा सैनिक को 'रथ-प्रभारी' बनने का निर्देश दिया जाए, ऐसा उनकी सरकारी सेवा के नियमों में कहां लिखा है? देश के नागरिक होने के नाते सरकारी जनसेवक के भी दायित्व और प्रतिबद्धताएं हैं कि वे आम आदमी की सेवा करें, लेकिन यह भी संभव है कि एक नागरिक के तौर पर वे भारत सरकार की परियोजनाओं और नीतिगत कार्यक्रमों से असहमत हों! असहमति का अधिकार हमें संविधान ने दिया है। सरकार के पास व्यापक प्रचार-तंत्र होता है। भाजपा जैसी पार्टी के पास काडर भी असीमित है। उन्हें 'रथ-प्रभारी' बनाया जा सकता है, क्योंकि अभी तक राजनीतिक परंपरा यही रही है। बहरहाल अभी तो सरकार के इस निर्णय का राजनीतिक विरोध तपा नहीं है, लेकिन उनके तर्क सही हैं कि ध्रुवीकरण के इस दौर में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों का तटस्थ और स्वायत्त होना बेहद जरूरी है, ताकि जनादेश का निर्णय भी उसी विवेक के साथ किया जा सके। कुछ दल इस फैसले को अदालत में चुनौती देने पर भी विचार कर रहे हैं। हमारा मानना है कि कई आईएएस स्तर के अधिकारी भी राजनीतिक तौर पर 'प्रतिबद्ध' होते हैं और सेवानिवृत्ति के बाद सांसद, मंत्री तक बनने का मौका उन्हें दिया जाता है। आरके सिंह, अश्विनी वैष्णव, हरदीप सिंह पुरी, एस. जयशंकर, अपराजिता सारंगी आदि ऐसे ही केंद्रीय मंत्री और सांसद हैं। विचारधारा उनकी भी स्वायत्तता है। इस पर कोई सवाल नहीं है। अधिकारी के तौर पर वे भारत सरकार की परियोजनाओं के 'रथी प्रवक्ता' बने हों, हमें ऐसा नहीं लगता। आजकल ओडिशा में वीके पांडियन आईएएस सेवा से रिटायर होने के बाद विवादों में हैं। वह मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के सबसे भरोसेमंद अधिकारियों में गिने जाते रहे हैं। अब सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें राज्य सरकार में कैबिनेट का दर्जा दिया गया है। रथ प्रभारी बनाने का मामला भी गले नहीं उतर रहा है।

भातर सरकार के स्तर पर कदातिच यह पहली बार कराया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग और रक्षा मंत्रालय ने सर्कुलर जारी कर सरकारी कर्मचारियों और नौकरशाहों को निर्देश दिए हैं। मोदी सरकार का यह फैसला राजनीतिक विवाद बतना जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस आदेश को वापस लेने का आग्रह किया है, क्योंकि सरकारी लोकसेवक 'तटस्थ' माना जाता है और चुनावों से ऐन पहले उनका 'राजनीतिकरण' करना गतल है। खडग़े कुछ हद तक तार्किक भी हैं। औतस सरकारी अधिकारी, नौकरशाह, कर्मचारी की राजनीतिक विचारधारा भातर सरकार से भिन्न हो सतकी है। सेना के सैनिक और अद्र्धसैन्य बलों के जवान 'मातृभूमि' के लिए काम कतरे हैं। बेशक प्रशासनिक तौर पर वे भातर सरकार के अधीन हैं। औतस सरकारी कर्मचारी के नाते वे भातर सरकार की नीतियों, फैसलों, परियोजनाओं को स्वीकार करने को बाध्य हैं। सरकारी कामकाज में वे उसी लाइन पर काम करेंगे, लेकिन लोतकंत्र में वैचारितका और तमदान करने के अधिकार स्वायत्त हैं। उन्हें 'सरकारी प्रवक्ता' बनने को विवश नहीं किया जा सतका। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसेवा और जन–दायित्वों की आड़ में एक गतल, अनैतिक लकीर खींची है।सैनिकों को 'सालाना अवकाश' का लालच दिया गया है। अपेक्षा की जा रही है कि वे 'सैनिक राजदूत' बनकर सरकारी परियोजनाओं का प्रचार करें, ताकि उनके लाभ जमीनी स्तर के नागरिक त क पहुंचाए जा सकें।

कुछ अलग

क्रिप्टो की फांस में हिमाचल

आसान धन कमाने की चाहत ने क्रिप्टो करेंसी के अवतार में जिस तरह के अपराध को जन्म दिया है, उसके अनुमान-अनुपात में हिमाचल का दलदल देखा जा सकता है। ठगों के गिरोह अपने हैं या अपराध की गिरफ्त में युवाओं का नेटवर्क इतना प्रभावशाली हो गया कि राज्य में करोड़ों की लूट की तहें शर्मिंदा हैं। आमदनी का जरिया और नजरिया साबित करता है कि क्रिप्टो करेंसी को धन की महबूबा बनाने वालों ने, हिमाचल के खास वर्ग को अपने मोहपाश में लपेट लिया। धन है तो नए निवेश की तलाश में, हिमाचली भी तत्पर हैं कि दिल की आरजू में सोने के महल बना लिए जाएं। निवेश का कतरा-कतरा जिस तरह की फांस पैदा कर रहा है, उससे साइबर क्राइम की निशानियां बढ़ रही हैं। सुखद पहलू यह कि हिमाचल पुलिस के पास शिकायतें आईं तो क्रिप्टो करेंसी ठगी मामले में नकेल कसते हुए सात और आरोपी दबोचे हैं। इससे पहले भी दो आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और अब परतों के पीछे से कुछ और आपराधिक कलाकार सामने लाए जा रहे हैं। एक संगठित अपराध की शिनाख्त में निवेश का तिलिस्म पैदा करके जो फांस लगाई थी, उसमें हिमाचल के करीब एक से डेढ़ लाख लोग आ चुके हैं। करीब 24 सौ करोड़ के घोटाले में घर-घर आशाएं जली हैं और इस हमाम में कई लोगों की कमाई नंगी हुई है। यह सारा धन सफेद ही रहा होगा या कहीं काली कमाई को कलई करने के चक्कर में सभी ने आस्तीन के सांप पाल रखे थे। जो भी हो, इस तरह के फ्रॉड में हिमाचली समाज का फंसना कई इशारे कर रहा है। पहला यही कि हिमाचली लोगों के पास इतना सरप्लस धन है कि ये निवेश की नई राहें ढूंढ रहे हैं। दूसरे यह कि हिमाचल में बेहिसाब धन सृजन की कई गलियां गोपनीय ढंग से काम कर रही हैं। तीसरे यह कि हिमाचल के मध्यम वर्गीय समाज पर साइबर क्राइम या इस तरह के निवेश के नाम पर चुनौतियां बढ़ रही हैं। आए दिन मीडिया में यह समाचार आते हैं कि किसी की नेक कमाई को ऑनलाइन लालच ने लूट लिया। हिमाचल का सेवानिवृत्त समाज ही अक्सर इस तरह की धोखेबाजी का शिकार हो रहा है। आय के सीमित साधन तथा परिवार के लिए निवेश के जरिए आय के नए साधनों की खोज में हिमाचल का एक बड़ा हिस्सा सक्रिय है। चंडीगढ़ के आसपास विकसित हुई रियल एस्टेट में हिमाचल के लोगों ने करीब 60 प्रतिशत संपत्तियां खरीद डाली हैं तो इसके मायने समझे जाने चाहिएं या जरूरत यह भी कि हिमाचली लोगों के निवेश के लिए प्रदेश में ही माहौल तैयार किया जाए। ऊना के आसपास एक बड़ा टाउनशिप बसा देते, तो बाहरी राज्यों में जाकर बने निवेशकर्ता अपने ही राज्य को तरजीह देते। हिमाचल सरकार अपने बांड जारी करके प्रदेश के निवेशक को रास्ता दिखा सकती है।

सुबह-सवेरे उठने की एक अकेली आदत ने उनके जीवन में क्रांति ला दी है

ब्रह्म मुहूर्त और हम

पीके खुराना

हमारे देश की संस्कृति में सवेरे ब्रह्म मुहूर्त में जागने की परंपरा है। ब्रह्म मुहूर्त में जागने के बहुत गुण गाए जाते हैं। देश-विदेश के सफलतम लोगों का भी यही कहना है कि सुबह-सवेरे उठने की एक अकेली आदत ने उनके जीवन में क्रांति ला दी है। एक प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कोच ने तो फाइव ए. एम क्लब से अपने ग्राहकों की एक पूरी कम्युनिटी ही बना ली है। बहुत से अन्य बिजनेस व लाइफ कोच भी इसी विचार का प्रतिपादन करते हैं। मुझसे बार-बार पूछा जाता है कि इतनी सवेरे उठकर हम क्या नया कर लेंगे? आखिर हम करेंगे तो वही जो दिन भर करते हैं। सात से आठ घंटे की नींद भी शरीर के लिए बहुत जरूरी है। काम समाप्त होते न होते अक्सर रात के ग्यारह तो बज ही जाते हैं और अगर उसके बाद आठ घंटे की नींद लेनी हो तो सवेरे के सात बजे से पहले कैसे उठेंगे? फिर ब्रह्म मुहूर्त की प्रासंगिकता कैसे रहेगी? यह सवाल जायज भी है और तर्कपूर्ण भी। दरअसल, ब्रह्म मुहूर्त में जागने की बात करने वालों की तो कमी नहीं है, लेकिन ब्रह्म मुहूर्त में जागने के लाभों का खुलासा कोई नहीं करता, इसलिए जो लोग किसी आध्यात्मिक संस्था से जुड़े हुए नहीं हैं, उनमें से अधिकांश लोग तो इतनी जल्दी उठने की बात सोचना भी गंवारा नहीं करते, उठने की तो बात ही अलग है। ब्रह्म मुहूर्त से पहले नित्य कर्म से निवृत्त होकर और नहा-धोकर तैयार हो जाना प्रोडक्टिविटी के लिए तो लाभदायक माना ही गया है, यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। हमारी संस्कृति में जिसे ब्रह्म मुहूर्त या अमृत वेला कहा गया है, वह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की कुंजी तो है ही, आध्यात्मिकता की राह पर चलना चाहने वाले लोगों के लिए तो जीवन का हिस्सा ही है। यह हैरानी की बात नहीं है कि विज्ञान ने यह सिद्ध कर दिया है कि सूरज उगने से लगभग डेढ़ घंटा पहले पूरा ब्रह्मांड एक नई ऊर्जा से भर जाता है। यह एक तरह का शक्तिपात है, जीवन में नई शक्ति घुल जाने का समय है जिससे हर जीव में नई ताकत, नई शक्ति, नई चेतना का उदय होता है। सूरज उगने से लगभग आधा घंटा पहले शक्ति का एक और सोता फूट पड़ता है पूरे ब्रह्मांड पर, और इसमें हर जीव प्रभावित होता है। सूरज उगने से पहले के इस शक्तिपात के समय अगर हम तैयार हों तो प्रकृति की इस ऊर्जा का पूरा लाभ ले सकते हैं।

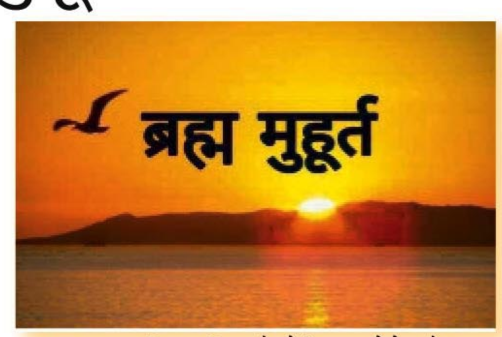

यह एक रासायनिक प्रक्रिया है, केमिकल प्रोसेस है। ब्रह्म मुहूर्त के इस समय में खून पतला हो जाता है। शरीर में बनने वाले केमिकल सीक्रीशन्स, यानी रासायनिक स्राव नई ऊर्जा से भर जाते हैं और सारे शरीर में फैल कर एक-एक तंतु को नई ताकत से सराबोर कर देते हैं। हम इन रासायनिक प्रक्रियाओं से इस हद तक प्रभावित होते हैं कि हमारे मन और शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं और इनके हिसाब से ही हमारा मूड भी बदलता है। सोते समय हमारा शरीर पिछले दिन के भोजन को पचाता है और गंदगी को अलग कर देता है। वह गंदगी मल-मूत्र के रास्ते शरीर से बाहर निकल जाए, इसके लिए हमारा तंत्रिका-तंत्र कई तरह की गैसें बनाता है जो इस गंदगी को तब शरीर से बाहर धकेलती हैं जब हम संडास में बैठे होते हैं। दोनों बार के शक्तिपात के समय अगर हम सोए हुए हों, या अभी हमने शरीर की इस गंदगी से छुटकारा न पाया हो तो हमें शक्तिपात का पूरा लाभ नहीं मिलता। ऊर्जा आधी-अधूरी रह जाती है। इसलिए सवेरे उठकर नहा-धोकर तैयार हो जाना हमारी रुटीन बन जाना चाहिए। शक्ति के इस अनमोल स्रोत का फायदा उठाने वाले लोगों के जीवन में तो मानो क्रांति ही आ जाती है। सोचने-समझने की शक्ति तेज हो जाती है, कई समस्याओं का हल खुद-ब-खुद सूझने लगता है, याद्दाश्त तेज हो जाती है और फोकस बढ़ जाता है। इस समय जागने वाले लोग अभी भी विरले ही हैं जिसका लाभ यह है कि जो लोग ब्रह्म मुहूर्त में जाग जाते हैं वे इस समय का उपयोग ज्यादा अच्छी तरह कर सकते हैं क्योंकि इस समय कोई डिस्टर्बैंस या डिस्ट्रैक्शन नहीं होती, ध्यान बंट जाने का कोई कारण नहीं होता, अतः हम पूरे फोकस के साथ अपना काम निपटा सकते हैं। ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सैर कर सकते हैं, व्यायाम कर सकते हैं, अपने दिन के कामकाज की योजना बना सकते हैं। इस समय दिन भर के कामकाज की योजना बनाने का लाभ यह है कि फोकस पूरा होने के कारण हम कुछ भूलते नहीं और दिन शुरू होने से पहले ही हमें पता होता है कि हमारी जरूरतें क्या हैं। अर्जेंट और इंपार्टेंट कामों का सही-सही वर्गीकरण हो जाता है और हमारी उत्पादकता कई गुना बढ़ जाती है। अब सवाल यह आता है कि अगर हमें अपना काम खत्म करते न करते रात के ग्यारह बज जाएं तो क्या करें? काम से वापस लौटने के बाद परिवार के साथ समय बिताना, थोड़ा आराम करना, कुछ मनोरंजन करना, कुछ व्यायाम करना, रात का भोजन लेना आदि भी आवश्यक है। एकल परिवारों में तो यह और भी आवश्यक है और जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हों, वहां तो समय की समस्या सचमुच बहुत बड़ी है। कामकाज से थक कर आने के बाद बच्चों के साथ समय बिताना, उनकी पढ़ाई पर ध्यान देना, घर के बाकी काम निपटाना आदि रोजाना की समस्याएं हैं। इनसे बचना संभव नहीं है। ऐसे में समय है कहां कि हम पूरा आराम भी न कर सकें और ब्रह्म मुहूर्त में उठने के नियम का भी पालन कर सकें? अनुभव यह बताता है कि हम जैसी चाहें वैसी रुटीन बना सकते हैं। हम चाहें तो अपने सारे काम निपटाकर समय पर रात का भोजन ले लें और समय पर सो जाएं, नींद पूरी करें और ब्रह्म मुहूर्त के नियम का पालन करते हुए सुबह सवेरे उठ भी जाएं। यह सिर्फ एक आदत की बात है। अंतर कुछ भी नहीं है, जो काम रात को नहीं निपटाए जा सके थे, वो सुबह-सवेरे भी निपटाए जा सकते हैं, बेहतर तरीके से निपटाए जा सकते हैं। कुछ लोग हमेशा हर जगह देर से ही पहुंचते हैं और कुछ लोग हमेशा समय पर पहुंच जाते हैं। दोनों तरह के लोग समान रूप से व्यस्त हो सकते हैं। यह सिर्फ एक आदत की बात है कि हम समय पर पहुंचें या देर से। शाम को जल्दी भोजन कर लेना और समय पर सो जाना सिर्फ एक बार रुटीन बनाने की बात है, फिर बाकी सब खुद-ब-खुद होता चलता है, पर ब्रह्म मुहूर्त की शक्तिपात का लाभ अगर छोड़ दिया तो उसका कोई विकल्प नहीं है। अतः यह हमारे अपने फायदे में है कि हम ब्रह्म मुहूर्त में उठकर अपने शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखें और पूरी तरह से चुस्त-दुरुस्त रहकर अपनी दिन भर की जिम्मेदारियां भी ठीक से निपटाएं।

हम चाहें तो अपने सारे काम निपटाकर समय पर रात का भोजन ले लें और समय पर सो जाएं, नींद पूरी करें और ब्रह्म मुहूर्त के नियम का पालन करते हुए सुबह सवेरे उठ भी जाएं। यह सिर्फ एक आदत की बात है। अंतर कुछ भी नहीं है, जो काम रात को नहीं निपटाए जा सके थे, वो सुबह–सवेरे भी निपटाए जा सकते हैं, बेहतर तरीके से निपटाए जा सकते हैं। कुछ लोग हमेशा हर जगह देर से ही पहुंचते हैं और कुछ लोग हमेशा समय पर पहुंच जाते हैं। दोनों तरह के लोग समान रूप से व्यस्त हो सकते हैं। यह सिर्फ एक आदत की बात है कि हम समय पर पहुंचें या देर से। शाम को जल्दी भोजन कर लेना और समय पर सो जाना सिर्फ एक बार रुटीन बनाने की बात है, फिर बाकी सब खुद–ब–खुद होता चलता है, पर ब्रह्म मुहूर्त की शक्तिपात का लाभ अगर छोड़ दिया तो उसका कोई विकल्प नहीं है।

कर्मचारियों के सिर का ताज है पेंशन

हिमाचल प्रदेश के सेवानिवृत्त शिक्षक चिंतराम शास्त्री न्यू पेंशन स्कीम से पुरानी पेंशन स्कीम के अंतर्गत आने वाले पहले लाभार्थी बनते ही घरेलु आर्थिक चिंताओं से मुक्त हो गए हैं। न्यू पेंशन स्कीम के अंतर्गत उन्हें पिछले छह साल से 1770 रुपये मासिक पेंशन मिल रही थी, वहीं अब पुरानी पेंशन स्कीम में आने के बाद उनकी मासिक पेंशन 36850 हो गई है। एनपीईएसए के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप ठाकुर का कहना है कि यह सिर्फ पेंशन की बात नहीं है बल्कि ये सम्मान और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा फैसला है। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर व न्यायाधीश विपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने भी एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा है कि सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन कोई इनाम या अहसान नहीं है बल्कि यह कर्मचारियों द्वारा की गई लंबी और संतोषजनक सेवा प्रदान करने के बाद अर्जित की जाती है। आखिर पेंशन की आवश्यकता क्यों? सवाल के जवाब में यह सर्वविदित तथ्य है कि बढ़ती आयु के साथ-साथ युवाओं की तुलना में व्यक्ति की उत्पादकता घटती जाती है। एकल परिवार होने से शिक्षा एवं नौकरी के चलते परिवार के सदस्यों को देश-विदेश जाना पड़ता है। निरंतर जीवनयापन के खर्चों में वृद्धि और लम्बे जीवनकाल आदि कारणों की वजह से गारंटीशुदा मासिक आय सम्मानजनक जीवनयापन की गारंटी देती है। पंद्रहवें सालाना मर्सर सीएफए इंस्टीट्यूट ग्लोबल पेंशन इंडेक्स (एमसीजीपीआई) के अनुसार भारत का पेंशन सूचकांक मूल्य 2022 में 44.5 से बढक़र इस साल 45.9 हो गया। लेकिन फिर भी इस आधार पर विश्लेषण में शामिल 47 पेंशन प्रणालियों वाले देशों में भारत 45वें स्थान पर है। नीदरलैंड 85 के स्कोर के साथ शीर्ष पर है, उसके बाद आइसलैंड 83.5 के स्कोर के साथ दूसरे और डेनमार्क 81.3 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर है। जाहिर है सेवानिवृत कर्मचारियों की पेंशन को लेकर भारत सरकार को तत्काल आवश्यक उपाय करने की जरूरत है। इधर हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय समाचार पत्र दिव्य हिमाचल द्वारा कराए गए सर्वे में कि 'क्या आगामी लोकसभा चुनावों में ओपीएस मुद्दा बनेगी', इस पर 77 प्रतिशत लोगों ने 'हां' में जवाब दिया है। सिर्फ 20 प्रतिशत लोगों ने ओपीएस को मुद्दा मानने से इनकार किया। सर्वे में तीन प्रतिशत लोगों ने 'पता नहीं' में उत्तर दिया है। सर्वे में कुल 2074 लोगों ने अपनी राय दी थी। गत वर्ष दिसंबर 2022 में संपन्न हिमाचल विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने पुरानी पेंशन को बड़ा मुद्दा बनाकर चुनाव लड़ा था और नई पेंशन योजना के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों ने भी अपने सुरक्षित भविष्य की खातिर अपने हक में वोटिंग की और नतीजा यह हुआ कि भाजपा की जयराम ठाकुर सरकार की हार हो गई। अब कुछ माह में लोकसभा चुनाव होने जा रहे हैं। इन चुनावों में भी ओल्ड पेंशन का मुद्दा निर्णायक भूमिका अदा करने वाला है। इसी महीने की 01 अक्टूबर को नई दिल्ली में ओपीएस के मसले पर करीब तीन लाख कर्मचारी देश भर से जुटे थे। हिमाचल की बात करें तो यहां एक लाख 35 हजार कर्मी अभी इसके दायरे में आए हैं, वहीं बिजली बोर्ड समेत कई अन्य बोर्डों एवं निगमों के कर्मी जल्द उन्हें भी ओपीएस के दायरे में लाने के लिए सरकार से मांग कर रहे हैं। पुरानी पेंशन बहाली एक ऐसा मुद्दा है जिस पर सोशल मीडिया में कर्मचारियों में सबसे ज्यादा चर्चा होती है। वहीं ओपीएस के मुद्दे पर केंद्र सरकार बीच का रास्ता ढूंढ़ रही है ताकि राज्य व केंद्र सरकारों की आर्थिक सेहत को ज्यादा नुकसान पहुंचाए बिना न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) को ही आकर्षक व गारंटीशुदा बनाने का विकल्प अपनाया जाए। इसके लिए केंद्र सरकार ने एनपीएस में सुधार के लिए वित्त सचिव टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में कमेटी गठित की है। दूसरी तरफ राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकारों ने केंद्र सरकार को अपने फैसले के बारे में सूचित किया है कि वे पुरानी पेंशन योजना को अपना चुके हैं और इन राज्यों ने एनपीएस के तहत संचित कोष को वापस करने की मांग की है। ओपीएस में फिक्स्ड पेंशन की गारंटी है जबकि एनपीएस का योगदान प्रतिभूतियों जैसे ऋण और इक्विटी में निवेश किया जाता है लिहाजा एनपीएस फिक्स्ड पेंशन की गारंटी नहीं देता है। आगामी चुनावों के दृष्टिगत केंद्र सरकार पर दबाव बनाने की गर्ज के चलते केन्द्रीय एवं राज्यों के कर्मचारी 3 नवंबर को रामलीला मैदान में चेतावनी रैली करने जा रहे हैं। कर्मचारियों के मुद्दों में निजीकरण पर रोक, खाली पदों को भरने, आठवें पे कमीशन का गठन, 18 महीने के बकाया डीए/डीआर का भुगतान, नई पेंशन स्कीम को वापस लेना भी शामिल है। जहां तक हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन को बहाल करने का सवाल है और धीरे-धीरे कर्मचारियों को उसका लाभ भी मिलना शुरू हो गया है तो सेवानिवृत कर्मचारियों के मुखमंडल पर वास्तविक ख़ुशी, हर्ष, उल्लास एवं रौनक देखी जा सकती है। भले ही हिमाचल में कर्मचारियों को पुरानी पेंशन मिलना शुरू हो चुकी है लेकिन अभी वित्तीय मामलों से जुड़े उनके कुछ मुद्दे बरकरार हैं जिन पर फैसला होना बाकी है, जैसे कर्मचारियों के भत्ते आठ साल के बाद भी लंबित हैं। महंगाई भत्ता 12 फीसदी की दर से देय है। पिछले पे कमीशन का बकाया बाकी है। इस प्रकार से देखें तो ग्रुप सी और डी कर्मचारियों को इतना ज्यादा भी नहीं मिलता जितनी ज्यादा लोगों में चर्चाएं होती हैं। भूलें नहीं अर्थव्यवस्था का पहिया तभी गतिमान और चलायमान रहता है जब समाज के सभी वर्गों को उनके देय लाभ मिलते रहें। आखिर सरकारी कार्यक्रमों, योजनाओं और नीतियों को सिरे चढ़ाने का जिम्मा भी तो इन्हीं कर्मचारियों के जिम्मे रहता है, तो फिर इन्हें इनकी जायज तनख्वाह, वेतन-भत्ते और पेंशन तो मिलनी ही चाहिए।

हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर व न्यायाधीश विपिन चंद्र नेगी की खंडपीठ ने भी एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा है कि सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन कोई इनाम या अहसान नहीं है बल्कि यह कर्मचारियों द्वारा की गई लंबी और संतोषजनक सेवा प्रदान करने के बाद अर्जित की जाती है। आखिर पेंशन की आवश्यकता क्यों? सवाल के जवाब में यह सर्वविदित तथ्य है कि बढ़ती आयु के साथ–साथ युवाओं की तुलना में व्यक्ति की उत्पादकता घटती जाती है। एकल परिवार होने से शिक्षा एवं नौकरी के चलते परिवार के सदस्यों को देश–विदेश जाना पड़ता है।

देश दुनीया से

सरकार के नौ साल और विकास के मार्ग पर हरियाणा

हरियाणा में हमारी सरकार के नौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। नौ वर्ष पूर्व प्रदेश को नए सिरे से विकास के मार्ग पर लाना असंभव-सा लगता था। भ्रष्टाचार चरम पर था। समाज जातियों में बंटा था। जनता में सरकारी तंत्र और राजनीतिक दलों के प्रति भारी आक्रोश था। अर्थव्यवस्था बेहाल थी, सामाजिक कूरीतियां चरम पर थीं और पूरे देश को भोजन कराने वाला किसान आत्महत्या करने पर मजबूर था। मैं प्रारंभ से ही टेक्नोलॉजी से काफी नजदीक से जुड़ा रहा। इसलिए लगा कि इसकी मदद से ही एक नए हरियाणा का निर्माण किया जा सकता है। हमारी सरकार ने 'हरियाणा एक, हरियाणवी एक' की नीति पर चलने का निर्णय लिया। इसमें हमारी फ्लैगशिप स्कीम परिवार पहचान पत्र ने बड़ी भूमिका निभाई। इसके तहत प्रदेशवासियों का पूर्ण विवरण इकट्ठा किया जा रहा है। इससे लोगों को किसी भी विभाग में कोई भी दस्तावेज जमा करने के झंझट से छुटकारा मिल गया। आज प्रदेश के 96 फीसदी से अधिक परिवारों के पास पीपीपी आईडी है। मैंने तय किया था कि गरीब, पिछड़ों, दलितों व शोषितों को सम्मानित जीवन देना हमारा ध्येय होना चाहिए। हमने बीपीएल परिवारों की न्यूनतम 1.80 लाख रुपये तक सालाना की। ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बना। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत हमारा लक्ष्य प्रदेश के एक लाख अति गरीब परिवारों की आय बढ़ाना है। पहले चार चरणों में आयोजित अंत्योदय मेलों में करीब 50 हजार परिवारों को बैंकों से ऋण मुहैया कराए गए। हमने प्रधानमंत्री के आह्वान पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान चलाया। आज प्रदेश में लड़कियां उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। लिंगानुपात भी 2014 के 871 से बढ़कर सितंबर, 2023 में 932 हो गया। महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों की सुनवाई के लिए 16 फास्ट ट्रैक अदालतें गठित हुई हैं और 12 वर्ष तक की बच्चियों से बलात्कार में फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। नौकरियों के लिए आवेदन से लेकर चयन तक की प्रक्रिया को ऑनलाइन बनाकर पारदर्शी बना दिया गया है। ग्रुप डी सहित सभी समूहों के लिए सभी लिखित परीक्षाएं आयोजित करने का निर्णय लिया गया। ग्रुप सी और डी पदों के लिए साक्षात्कार रोक दिए गए, जहां पहले परिणामों में हेरफेर किया गया था। कॉमन पात्रता परीक्षा की शुरुआत की, ताकि युवाओं को नौकरी के लिए न तो बार-बार आवेदन करना पड़े और न हर बार फीस देने की नौबत आए। ग्रुप सी के लिए अब तक 11 लाख युवा परीक्षा में बैठ चुके हैं। ग्रुप डी की परीक्षा 22 अक्तूबर को संपन्न हुई, जिसमें 8.51 लाख उम्मीदवार शामिल हुए। बेरोजगारों के लिए भत्ते की व्यवस्था की। नतीजतन राज्य की बेरोजगारी दर पीएलएफएस जुलाई-सितंबर, 2023 के अनुसार, 6.5 प्रतिशत तक सीमित हो गई है, जो राजस्थान और पंजाब से कम है। वर्ष 2014 से पूर्व प्रदेश में नया निवेश आना बंद हो गया था। ऐसे में, नए निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाया गया। भ्रष्टाचार के छिद्रों को बंद करने से राजस्व की हानि भी रोकी गई। राजस्व में उछाल भी दिखने लगा है, जो अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण का भी असर है। प्रदेश की आर्थिक विकास दर सात प्रतिशत के पार है, तो प्रति व्यक्ति आय 2014 के 1.35 लाख रुपये से बढ़कर जून, 2023 में 2.96 लाख रुपये से अधिक हो चुकी है। मुझे किसानों की हरदम चिंता रहती थी। इसमें भी टेक्नोलॉजी का मेरा अनुभव काम आया। 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' योजना से न केवल किसान को उपज बेचने की सहूलियत हो गई है, बल्कि उसका पैसा उनके बैंक खाते में ट्रांसफर होने लगा है। अब तक 85 हजार करोड़ रुपये की राशि सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर की जा चुकी है।

हमारी सरकार ने 'हरियाणा एक, हरियाणवी एक' की नीति पर चलने का निर्णय लिया। इसमें हमारी फ्लैगशिप स्कीम परिवार पहचान पत्र ने बड़ी भूमिका निभाई। इसके तहत प्रदेशवासियों का पूर्ण विवरण इकट्ठा किया जा रहा है। इससे लोगों को किसी भी विभाग में कोई भी दस्तावेज जमा करने के झंझट से छुटकारा मिल गया। आज प्रदेश के 96 फीसदी से अधिक परिवारों के पास पीपीपी आईडी है। मैंने तय किया था कि गरीब, पिछड़ों, दलितों व शोषितों को सम्मानित जीवन देना हमारा ध्येय होना चाहिए। हमने बीपीएल परिवारों की न्यूनतम 1.80 लाख रुपये तक सालाना की। ऐसा करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बना। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत हमारा लक्ष्य प्रदेश के एक लाख अति गरीब परिवारों की आय बढ़ाना है।

दृष्टिकोण

नई सदी नए मुखौटे...

अपने देश में जो काम होता है, पूरी निष्ठा के साथ होता है। इसीलिए तो इस देश को निष्ठावान देश कहा जाता है। आज से नहीं सदियों से कहा जाता है। यह मामूली बात है कि वक्त गुजरने के साथ-साथ यहां लोगों की निष्ठा के पैमाने बदल गए हैं। मुखौटे तशरीफ ले आए हैं। वे दिन गए जब अध्ययन के दिनों में पूरी निष्ठा से पढ़ाई और अध्यापन के दिनों में पूरी निष्ठा के साथ अध्यापन होता था। इस देश के लोगों के प्रतिबद्ध संस्कारों की कसम पूरी दुनिया में खाई जाती रही। अब वक्त बदल गया। संस्कार तो वही हैं। निष्ठा भी वही है और प्रतिबद्धता भी वैसी ही है। लोगों की स्थिति को देखने, सपनों की उड़ान भरने के दृष्टिकोण बदल गए हैं। पहले तप-तपस्या और मेहनती लोगों की भूमि था यह देश। बरसों तप करते और तब लोग अपना अभीष्ट सिद्ध करने का साहस करते। अब तो प्यारे, दुनिया अजब हड़बड़ी में नजर आती है। आज भी यहां संस्कृति और संस्कार की बातें होती हैं, लेकिन ये बातें शार्टकट संस्कृति की हैं, हथेली पर सरसों जमाने के संस्कारों की हैं। अब यहां हर हवेली में चोर दरवाजे रखने आवश्यक हो गए हैं और उम्र भर भरपूर मेहनत के साथ सीधी सपाट राह पर चलते हुए सफलता प्राप्त करने की इच्छा को बौड़म माना जाता है। कभी पढऩे-लिखने को तप-तपस्या से जोड़ा जाता था, लेकिन अब तपस्या ऐसी हो जो महाग्रंथों को पढऩे के स्थान पर उनकी सरल गाइड बनाए, और अध्यापक ऐसा जो आपको नकल के मोरपंख लगा कर उडऩा सिखाए। न भी उड़ सको तो क्या? सफलता की खबर आजकल सफल होने से कहीं ज्यादा महत्त्वपूर्ण हो गई है। प्रचार खबरों में जियो बन्धु! सच्ची नहीं तो अपने लिए झूठी खबरों का तूमार खड़ा कर लो। खलनायक से नायक बनने में देर ही कितनी लगती है? सिर्फ मीडिया को गोद में लेने की बात है। तभी तो आजकल इसे दुलार कर गोदी मीडिया कहा जाता है। इसे पटा लो, तुम्हारी सात समुद्र पार तक अपनी विजय पताका लहराते देर नहीं लगेगी। नई सदी की नई हवा बही है, 'पढ़ाई नहीं नकल में महारत हासिल करके ठेले पर हिमालय लाद कर ला सकते हो।' अध्यापक वह जो कक्षा में पढ़ाए तो न, केवल आपके लिए नम्बरों का जुगाड़ करे। जुगाड़ क्यों, आजकल तो मौसम गारंटी देने का है। बस, अपनी धरती छोड़ परायी धरती पर जा बसने की इच्छा रखने वालों को परीक्षा में उचित बैंड दिलवा देने की गारंटी दे दो, फिर तुम्हारी पौ-बारह है। जिसे आपने वैध या अवैध रूप से पराये देश भिजवा दिया, वह तो आपकी चरणरज्ज को स्वर्ण रज्ज बना ही देगा। जिन्होंने 'अधिक गलत काम सही तरीके से' आपको विदेश भिजवाने का काम जमा लिया है, उन्होंने तो अपने देश में ही अमरीका, कनाडा बना लिया। देखते नहीं हो, रुपये का मूल्य डालर के मुकाबले रिकार्ड स्तर पर गिर गया है। लोग विनिमय दर के बदल जाने से बैठे बिठाए करोड़पति हो गए। उनके पास न हींग था न फिटकरी, लेकिन देखो रंग कितना चोखा आ गया। इसी को तो ठेले पर हिमालय लाद कर लाना कहते हैं। आजकल न जाने कितने चतुर सुजान अपने-अपने ठेले पर हिमालय लाद कर ला रहे हैं, और तुम उसी प्रकार पूरी निष्ठा के साथ रोजगार दफ्तरों के बाहर अपने प्रमाणपत्रों का पुलिंदा उठाए खड़े हो। काश! इस पुलिंदे की जगह तेरे पास नोटों का पुलिंदा होता तो तुझे किसी कतार में खड़े होने की जरूरत न पड़ती। अपना हांका देकर नौकरी लेता, और फिर नेता जी की जय का नारा बुलंद करके कह देता, देखो इनके आते ही नौकरियों का चाहवानों में चोरी छिपे बिकना बंद हो गया। अब तो खुली बोली लगती है।

इजराइल पर हमले के लिए ईरान में हमास-पीआईजे के 500 आतंकियों को दिया गया था प्रशिक्षण', रिपोर्ट में दावा

वाशिंगटन ।

इजराइल और हमास के बीच संघर्ष को आज 20 दिन होने जा रहे हैं। दोनों तरफ से हुए हमलों में अब तक करीब आठ हजार लोगों की जान जा चुकी है। फिलहाल, युद्ध के थमने का कोई आसार नहीं दिख रहा है। इस बीच, एक बड़ा दावा किया जा रहा है कि सात अक्तूबर को इजराइल पर हमला करने से पहले हमास के सैकड़ों आतंकवादियों ने ईरान में एक विशेष प्रशिक्षण लिया गया था।

एक रिपोर्ट में यह खुलासा – प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। अखबार ने इजराइल पर किए क्रूर नरसंहार के बारे में खुफिया जानकारी से परिचित लोगों का हवाला देते हुए बताया कि हमास और फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद के 500 सदस्यों ने पिछले महीने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के नेतृत्व में प्रशिक्षण में भाग लिया था।

इजराइल का आरोप – इजराइल हमास की क्रूरता के पीछे लगातार ईरान का हाथ होने का आरोप लगा रहा है। इजराइल का मानना है कि ईरान की वजह से हमास उच्च तकनीक वाली गाजा सीमा बाड़ को निष्क्रिय करने और अपने विनाशकारी हमले को अंजाम देने के लिए सीमा पार स्ट्रीमिंग करने में सफल रहा है। इसकी वजह से ही आतंकवादी कम से कम 224 लोगों को बंधक बनाने में सफल हो पाए। हालांकि, वहीं ईरान ने हमास के हमले का स्वागत किया है, लेकिन इस बात से इनकार भी किया है कि हमले की योजना में उसकी कोई भूमिका थी।

इस्माइल कानी ने भी लिया भाग – रिपोर्ट के अनुसार, कुद्स फोर्स के प्रमुख ईरानी ब्रिगेडियर जनरल इस्माइल कानी ने आईआरजीसी के नेतृत्व में प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लिया। बता दें, रिपोर्ट प्रकाशित होने से कुछ घंटे पहले, आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने हमले की योजना बनाने में मदद करने के लिए सीधे ईरान पर अंगुली उठाई थी।

अब भी ईरान कर रहा सहायता – हगारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ईरान ने युद्ध से पहले हमास को प्रशिक्षण, हथियारों, धन और तकनीकी जानकारियों की आपूर्ति के साथ सीधे सहायता प्रदान की थी। उन्होंने कहा, अब भी हमास को ईरान से सहायता मिल रही है। ईरान लगातार आतंकवादियों को इजराइल की खुफिया जानकारी दे रहा है। हमास और लेबनान के ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के वरिष्ठ सदस्यों का हवाला देते हुए यह भी बताया है कि ईरान के सुरक्षा अधिकारियों ने सात अक्तूबर से पांच दिन पहले ही हमले के लिए हरी झंडी दे दी थी।

न्यूज ब्रीफ

अंतरराष्ट्रीय अपराध हो सकता है रोहिंग्याओं द्वारा हिंदुओं का नरसंहार, बोले यूएन के मुख्य जांचकर्ता

संयुक्त राष्ट । म्यांमार में रोहिंग्या समूह द्वारा 99 हिंदुओं का नरसंहार अंतरराष्टीय अपराध की श्रेणी में आ सकता है। यह बात वहां गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच कर रहे संयुक्त राष्ट के एक अधिकारी ने कही। म्यांमार के लिए स्वतंत्र जांच तंत्र (आईआईएमएम) के प्रमुख निकोलस कौमजियान से एमनेस्टी इंटरनेशनल ने साल 2017 में हुए अत्याचार के बारे में पूछा। इस पर कौमजियान ने कहा कि जिस घटना के बारे में आप बात कर रहे हैं, वो वास्तव में बहुत गंभीर है। करीब 100 लोगों का नरसंहार स्पष्ट रूप से बहुत डरावना है और यह अंतरराष्टीय अपराध की श्रेणी में आ सकता है। एमनेस्टी इंटरनेशनल द्वारा नरसंहार की पुष्टि करने के तीन साल बाद संयुक्त राष्ट (यूएन) का बयान आया है। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि हिंदुओं के खिलाफ कई अपराधों में से सिर्फ एक को स्वीकार करने वाला यूएन का यह पहला बयान है। एक पत्रकार ने संयुक्त राष्ट के जांचकर्ता से पूछा, 'क्या आप राज्य में बदमाशी तत्वों द्वारा किए अन्य अपराधों की भी जांच कर रहे हैं। जैसे- एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अगस्त 2017 में 99 हिंदुओं के नरसंहार की पुष्टि की थी। क्या आपके पास इस बारे में रिपोर्ट करने के लिए कुछ है उन्होंने कहा, 'हम गैर-राज्य तत्वों की कार्रवाइयों पर नजर रख रहे हैं और वह विशेष घटना बहुत गंभीर और ध्यान देने योग्य है। जिस घटना के बारे में आप बात कर रहे हैं, हम उसके बारे में अच्छी तरह से जानते हैं। हालांकि, मैं इसमें नहीं जाऊंगा क्योंकि मैं उन सभी घटनाओं को सूचीबद्ध नहीं करता हूं जिन पर हम काम कर रहे हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, अराकन रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) ने अगस्त 2017 में म्यांमार के राखीन राज्य के अंदर 99 हिंदुओं - महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की हत्या कर दी थी और कई हिंदू ग्रामीणों का अपहरण कर लिया था।ए आरएसए का नेतृत्व कराची में जन्मा रोहिंग्या अताउल्लाह अबू अम्मार जूनुनी कर रहा है।

यूएन अफसरों को वीजा देने से इन्कार, नाराज इजराइल ने महासचिव गुटेरस की टिप्पणी के बाद उठाया कदम

तेल अवीव । हमास के खिलाफ इजराइल की कार्रवाई पर संयुक्त राष्ट महासचिव एंटोनियो गुटेरस की टिप्पणी से तनाव बढ़ गया है। नाराज इजराइल ने संयुक्त राष्ट के अधिकारियों को वीजा देने से इन्कार कर दिया।

संयुक्त राष्ट में इजराइली राजदूत गिलाड एर्दन ने कहा, लगता है कि गुटेरस इजराइल पर हमास के हमले को उचित ठहरा रहे हैं। उन्हें हमारे क्षेत्र की असल स्थिति पता नहीं है। उन्हें तुरंत पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इस बीच, गाजा पट्टी पर इजराइली सेना की बमबारी जारी है। दक्षिणी गाजा के साथ ही लेबनान व सीरिया में भी कई ठिकानों पर इजराइल ने बम बरसाए। एर्दन ने कहा, गुटेरस की टिप्पणियों के कारण हम संयुक्त राष्ट के प्रतिनिधियों को वीजा नहीं देंगे। हमने पहले ही मानवीय मामलों के अवर महासचिव मार्टिन ग्रिफिथ्स को वीजा देने से इन्कार किया है। एर्दन ने कहा, उन्हें सबक सिखाने का समय आ गया है। गुटेरस ने आरोप खारिज करते कहा, मैं अपने बयान को गलत ढंग से पेश किए जाने से स्तब्ध हूं, मानो मैं हमास के कृत्यों को सही ठहरा रहा हूं। मेरा मानना है, पीड़ितों व उनके परिवारों के सम्मान में रिकॉर्ड सही से स्थापित करना जरूरी है। तुर्किये के राष्टपति रजब तैयब अर्दोआन ने कहा कि हमास आतंकी संगठन नहीं, बल्कि वह आजादी के लिए लड़ रहा है।

अमेरिका के लेविस्टन शहर में भीषण गोलीबारी में 22 की मौत, 50 से ज्यादा घायल, हमलावर फरार

वॉशिंगटन । अमेरिका के मेन राज्य के लेविस्टन शहर में सामूहिक गोलीबारी की घटना में 22 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, घटना के बाद संदिग्ध हमलावर फरार है, जिसकी तलाश जारी है। सुरक्षा अधिकारियों ने राइफल के साथ संदिग्ध हमलावर की दो तस्वीरें फेसबुक पर साझा की हैं और संदिग्ध की पहचान करने में जनता से मदद की अपील की है। लेविस्टन में मेडिकल सेंटर ने एक बयान में कहा कि गोलीबारी की घटना में बड़े पैमाने पर लोग हताहत हुए हैं, जिनका इलाज किया जा रहा है। घायलों को लेने के लिए क्षेत्र के अस्पतालों के साथ समन्वय किया जा रहा है। एंड्रोस्कोगिन काउंटी शेरिफ के कार्यालय से जो दो तस्वीरें शेयर किया गया है, उसमें संदिग्ध रायफल के साथ फायरिंग की स्थिति में था। काउंटी शेरिफ ने संदिग्ध की पहचान के लिए स्थानीय लोगों से मदद मांगी है।

चिंताजनक समय के बाद अच्छा संकेत

भारत की तरफ से वीजा सेवा बहाल करने पर कनाडा की प्रतिक्रिया

टोरंटो ।

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत-कनाडा के बीच तनाव जारी है। हालांकि, बीते महीने कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं पर पाबंदी लगाने के बाद बुधवार को भारत ने इसे दोबारा शुरू करने का एलान किया है। इसे लेकर कनाडा ने भी भारत का स्वागत किया है। कनाडा के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि कनाडाई नागरिकों के लिए चिंताजनक समय के बाद एक अच्छा संकेत आया है।

कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने कहा, "हमें लगता है कि सेवाओं को निलंबित किया ही नहीं जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि "भारत के साथ वास्तव में चिंताजनक राजनयिक स्थिति ने कई समुदायों में काफी भय पैदा कर दिया है।" वहीं, आपात प्रबंधन मंत्री और सिख नेता हरजीत सज्जन ने कहा कि वीजा प्रक्रिया फिर से शुरू होना अच्छी खबर है, लेकिन वह इस पर अटकलें नहीं लगाएंगे कि नई दिल्ली क्या संदेश देने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, "यह जानकर अच्छा लगा कि उन्होंने इसे (सेवाएं) बहाल कर दिया है। यदि उन्होंने यह कदम उठाया ही नहीं होता, तो बेहतर होता।

सज्जन ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि शादियों और अंत्येष्टि जैसे कार्यक्रमों के लिए भारतीय और कनाडाई आ-जा सकें। उन्होंने कहा कि पुलिस हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले की जांच कर रही है और ओटावा इस मामले में अब भी भारत की मदद

चाहता है। देश के राजनयिक और वाणिज्यदूतावास संबंधी मामलों का प्रबंधन करने वाले 'ग्लोबल अफेयर्स कनाडा' (जीएसी) की प्रवक्ता मैरीलिन ग्वेरेमोंट ने कहा कि जीएसी कनाडाई लोगों के लिए कुछ वीजा सेवाएं फिर शुरू करने के भारत के फैसले से अवगत है। उन्होंने कहा, "कनाडा और भारत के लोगों के बीच महत्वपूर्ण आपसी संबंध हैं और भारत द्वारा वीजा सेवाएं बहाल करने से परिवारों एवं कारोबारों के लिए दोनों देशों की यात्रा करना आसान हो जाएगा।

कनाडा-भारत व्यापार परिषद ने एक बयान में कहा कि यह व्यापार संबंधों के लिए एक आशाजनक कदम है।" परिषद के प्रमुख विक्टर थॉमस ने कहा, "यह भी एक सकारात्मक संकेत है कि दोनों सरकारों ने इस असामान्य समय में द्विपक्षीय व्यापार और निवेश के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। कनाडा में भारत के उच्चायोग ने कहा था कि वह से कनाडा और अन्य देशों से आवेदन कर रहे कनाडाई नागरिकों के लिए कुछ श्रेणी की वीजा सेवाएं फिर शुरू करेगा। यह कदम सिख अलगाववादी निज्जर की हत्या को लेकर पैदा हुए राजनयिक विवाद के बीच कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं निलंबित किए जाने के एक महीने से अधिक समय बाद उठाया जा रहा है।

ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की गई एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "इस संबंध में कनाडा के कुछ हालिया कदमों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के बाद निर्णय लिया गया है कि 26 अक्टूबर से प्रवेश वीजा, बिजनेस वीजा, मेडिकल वीजा, और कॉन्फ्रेंस वीजा श्रेणियों के लिए वीजा सेवाओं को फिर शुरू किया जाएगा।

भारत ने किया था वीजा सेवाओं को दोबारा शुरू करने का एलान

भारत ने कनाडा में कुछ श्रेणियों के लिए वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने जा रहा है। यह आदेश प्रभावी होगा। जिन श्रेणियों के लिए सेवाएं बहाल की गई हैं, उनमें प्रवेश वीजा, बिजनेस वीजा, मेडिकल वीजा और कॉन्फ्रेंस वीजा शामिल हैं। भारतीय उच्चायोग की ओर से यह जानकारी दी गई है।

निज्जर की हत्या के बाद से रिश्तों में तनाव

इससे पहले खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव पैदा हो गया था। रिश्ते अब भी नाजुक मोड़ पर हैं। पहले कनाडा की तरफ से भारत जाने वाले यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की गई। इसके बाद भारत ने खालिस्तान समर्थकों के खतरे के मद्देनजर भारतीय नागरिकों के लिए भी एडवाइजरी जारी की थी। इस बीच 21 सितंबर को कनाडा में भारत के लिए वीजा सेवाएं मुहैया कराने वाली एजेंसी ने परिचालन कारणों से कुछ समय के लिए इस सुविधा को निलंबित कर दिया। बीएलएस इंटरनेशनल की ओर से जारी आदेश में कहा गया था कि ऑपरेशन कारणों से तत्काल प्रभाव से यानी 21 सितंबर 2023 से कनाडा में भारतीय वीजा सेवाओं को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है।

किबुत्ज बीरी में आईडीएफ की बड़ी कार्रवाई

हमास आतंकियों का पीछा कर ढेर कर रही इजराइली सेना

किबुत्ज़ बीरी ।

इजराइल में आतंकी संगठन- हमास के आतंकी हमले के बाद सेना की कार्रवाई पिछले करीब 20 दिनों से जारी है। हमास के आतंकियों के खिलाफ लगातार हमले कर रहे इजराइल डिफेंस फोर्सेज के जवान किबुत्ज बीरी इलाके में आतंकियों को पीछा कर ढेर कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईडीएफ की तरफ से सैन्य कार्रवाई की वीडियो के साथ बयान जारी किया गया है। बयान में कहा गया, इजराइल पर हमास के हमले के जवाब में, इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) दक्षिणी इजराइल सीमा के पास किबुत्ज़ बीरी में इजराइली नागरिकों को सुरक्षित करने के लिए हमास आतंकवादियों पर हमला कर रहा है। आईडीएफ के वीडियो फुटेज में सैनिकों को हमास के आतंकवादियों का पीछा करते और कुछ ही मिनटों में ढेर करते देखा गया। आईडीएफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म- एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए कहा, आईडीएफ की शाल्डैग यूनिट के लड़ाकू सैनिकों की पहली वीडियो। पहली बार इस वीडियो फुटेज में देखें, कैसे सेना के जवान आतंकवादियों को मार गिराने और किबुत्ज़ बीरी के नागरिकों को बचाने के लिए काम कर रहे हैं। आईडीएफ के अनुसार, वीडियो फुटेज में आईडीएफ के सैनिकों को आतंकवादियों के वाहन पर गोलीबारी करते हुए देखा जा सकता है। सेना की कार्रवाई में चालक की मौत हो गई और वाहन बेकाबू हो गया। यूनिट के सैनिकों ने सेल में मौजूद अन्य आतंकवादियों को भी मार गिराया, जो जान बचाकर भागने की कोशिश कर रहे थे। सेना के आतंकवाद विरोधी अभियान के बीच आईडीएफ के विशेष बलों को किबुत्ज़ बीरी के स्थानीय लोगों का रेस्क्यू करते भी देखा जा सकता है। इस बीच, इजराइल हमास युद्ध को लेकर आई रिपोर्ट्स में बताया गया है कि आईडीएफ गाजा में जमीनी हमले की तैयारी कर रहा है। इजराइली टैंक और पैदल सेना कई आतंकवादी ठिकानों को निशाना बना चुकी है। गाजा में हमास के लॉन्च पैड भी नष्ट कर दिए गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी आईडीएफ के बयान में कहा गया, लड़ाई के अगले चरण की तैयारी में, आईडीएफ ने उत्तरी गाजा में काम किया। आईडीएफ टैंक और पैदल सेना आतंकवादी ठिकानों, हमास के बुनियादी ढांचे को निशाना बना रही है।

इजराइल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा, गाजा में जमीनी हमले को लेकर नेतन्याहू की हमास को चेतावनी

यरूशलम ।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देश को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में इजराइल-हमास के बीच चल रहे युद्ध का जिक्र करते हुए बताया कि इस युद्ध का दो मुख्य उद्देश्य है। पहला हमास की सैन्य और शासन क्षमताओं को नष्ट करना और दूसरा बंधकों को सुरक्षित वापस लाना।

इजराइल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा: नेतन्याहू

नेतन्याहू ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय एकता की बात करते हुए कहा, इजराइल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। गाजा के अंदर-बाहर हर जगह हमास के सभी आतंकियों की मौत तय है। रक्षा मंत्री योव गैलेंट, मंत्री बेनी गैंट्स, सुरक्षा कैबिनेट, चीफ ऑफ स्टाफ के साथ हम इस संघर्ष को जीतने के लिए 24 घंटों काम कर रहे हैं। यहां हम बिना किसी राजनीतिक विचार के एक साथ खड़े हैं। नेतन्याहू ने बताया कि यहां लक्ष्य देश को बचाना और जीत हासिल करना है। उन्होंने कहा, हम हमास के आतंकियों पर आग के गोले बरसा रहे हैं और अधिकांश आतंकियों को हमने मार गिराया है। यह तो अभी केवल शुरुआत है।

गाजा में जमीनी हमले की तैयारी कर रहा इजराइल

इजराइली पीएम ने कहा कि वह गाजा में जमीनी हमले की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात की जानकारी नहीं दी कि यह हमला कब, कहां और कैसे होगा। नेतन्याहू ने कहा, अधिकतर लोगों को इसके बारे में जानकारी नहीं होगी, इसलिए हम अधिक जानकारी नहीं देगें। हमारे सैनिकों को बचाने का यही उपाय है। सात अक्तूबर को हमास के आतंकियों द्वारा हमले के बाद से इजराइल अबतक अपने 350,000-400,000 सैनिकों को गाजा में जमीनी ऑपरेशन के लिए भेज चुका है। नेतन्याहू ने एक बार फिर गाजावासियों को गाजा छोड़कर जाने का आह्वान किया है। अबतक करीबन 600,000-700,000 गाजावासी गाजा छोड़कर जा चुके हैं। सात अक्तूबर को हुए हमले में इजराइल की हार की जिम्मेदारी लेते हुए नेतन्याहू इस मामले में जांच का सामना करने को तैयार है। उन्होंने कहा, इस मामले में मेरे साथ सभी को जवाब देना होगा, लेकिन यह केवल युद्ध के बाद ही हो सकता है।

अधिकतर देशों के लिए फंदा बनी चीन की बीआरआई योजना, इसे चुनौती देने के लिए जी7 के साथ कर रहे काम, बोले बाइडन

वाशिंगटन ।

चीन ने लगभग एक दशक से अपने बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट में अरबों डालर खर्च कर दिए हैं। अब अमेरिका इस प्रोजेक्ट से प्रतिस्पर्धा करने के लिए जी7 के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर काम कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि उनका देश सऊदी अरब को यूरोप से जोड़ने वाले रेलमार्ग सहित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के जरिए चीन के प्रोजेक्ट से प्रतिस्पर्धा करेगा। बता दें, जी-7 में ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और अमेरिका शामिल हैं।

सितंबर में हुआ था जी-20 शिखर सम्मेलन – सितंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बाइडन के नेतृत्व में दुनिया के प्रमुख नेताओं ने महत्वाकांक्षी भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा शुरू करने की घोषणा की थी। बाइडन ने इस दौरान बताया था कि वह बेल्ट एंड रोड प्रोजेक्ट से प्रतिस्पर्धा करने जा रहे हैं।

चीन की योजना बनी फंदा – बाइडन ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ रोज गार्डन में पत्रकारों से कहा, 'हम उस (बेल्ट एंड रोड पहल) पर प्रतिस्पर्धा करने जा रहे हैं और हम इसे एक अलग तरीके से कर रहे हैं। बेल्ट एंड रोड पहल कर्ज में डूब गई है और अधिकांश लोगों (राष्ट्रों) के लिए एक फंदा बन गई है, जिन्होंने इस पर हस्ताक्षर किए हैं।' उन्होंने कहा कि वे जी-7 के भागीदारों के साथ काम कर रहे हैं ताकि उन देशों के लिए बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जा सके।

बाइडन ने एक सवाल के जवाब में कहा, उदाहरण के तौर पर जी-20 में हम रियाद से पश्चिम एशिया, सऊदी अरब, इजराइल, यूनान होते हुए रेल मार्ग नहीं बल्कि भूमध्यसागर से यूरोप तक पाइपलाइन बनाने के प्रस्ताव पर काम करने में सफल रहे।'

चीन के साथ कोई युद्ध नहीं – अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, मैंने इस बारे में बात की कि हम अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार, आर्थिक, राजनीतिक और अन्य तरीकों से चीन के साथ हर तरह से प्रतिस्पर्धा करने जा रहे हैं, लेकिन मैं संघर्ष नहीं देख रहा हूं।'

ऑस्ट्रेलियाई पीएम से संबंधित सवालों की बौछार – ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज अगले महीने चीन जा रहे हैं। इस पर बाइडन से पूछा गया था कि आप ऑस्ट्रेलिया के साथ चीन के फिर से जुड़ने के बारे में क्या सोचते हैं और क्या ऑस्ट्रेलिया बीजिंग पर भरोसा कर सकता है और क्या ऑस्ट्रेलिया चीन के साथ व्यापार कर सकता है

मैंने 68 घंटे से अधिक बैठकें की हैं – बाइडन ने कहा कि विश्वास करो, लेकिन पहले उसको सत्यापित कर लो, उसकी अच्छे से जांच कर लो यह नियम है। उन्होंने कहा कि देखिए, चीन की अभी अपनी आंतरिक और बाहरी कठिनाइयां हैं। चीन की आर्थिक वृद्धि पहले की तुलना में स्थिर है। उन्होंने कहा, लेकिन तथ्य यह है कि मैंने शी चिनफिंग से दुनिया के किसी भी अन्य नेता से ज्यादा मुलाकात की है। मैंने 68 घंटे से अधिक समय तक निजी बैठकें की हैं। एक साथ दुभाषियों की शुरुआत तब हुई थी, जब मैं उपराष्ट्रपति था क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए उपराष्ट्रपति के साथ बैठक करना उचित नहीं था।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले हफ्ते उन्होंने अमेरिकी जरूरतों को पूरा करने के लिए पनडुब्बी उत्पादन एवं रखरखाव को बढ़ावा देने और एयूकेयूएस का समर्थन करने के लिए 3.4 अरब डॉलर का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया इस सौदे के तहत अमेरिका और पनडुब्बियों के उत्पादन की अपनी क्षमता में महत्वपूर्ण निवेश कर रहा है।

यूक्रेन की सहायता करना यूएस को पड़ा भारी !

रूसी सदन ने परमाणु परीक्षण से हटाई रोक, अब पुतिन की मंजूरी का इंतजार

मॉस्को ।

यूक्रेन से चल रहे युद्ध के बीच रूस की संसद ने परमाणु परीक्षण को लेकर एक अहम फैसला लिया है। दरअसल, निचली सदन के बाद अब रूसी संसद के ऊपरी सदन ने भी वैश्विक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध के अनुमोदन को रद्द कर दिया। यानि अब रूस नया परमाणु परीक्षण करने के लिए स्वतंत्र हो गया है। हालांकि, इस कदम से मॉस्को और पश्चिमी देशों के बीच तनाव बढ़ जाएगा।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पास विधेयक जाएगा

रूस ने अपने इस फैसले को अमेरिका के साथ समानता स्थापित करने का एक कदम बताया है। फेडरेशन काउंसिल ने समग्र परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) के अनुमोदन को रद्द करने वाले विधेयक को पारित किया। अब इस विधेयक को अंतिम मंजूरी के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पास भेजा जाएगा।

23 साल पहले लिए फैसले को रद्द करेगा

निचले सदन ने पिछले सप्ताह इस विधेयक को मंजूरी दे दी थी। पुतिन ने इस महीने की शुरुआत में चेतावनी दी थी कि मॉस्को अमेरिका के रुख की बराबरी के लिए संबंधित विधेयक को मंजूरी देने के अपने 2000 के फैसले को रद्द कर सकता है। रूस का आरोप था कि अमेरिका ने परमाणु परीक्षण प्रतिबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन इसका अनुसरण नहीं किया। वर्ष 1996 में अपनाया गया सीटीबीटी, दुनिया में सभी परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध लगाता है। हालांकि, यह संधि कभी भी पूरी तरह से लागू नहीं हुई।

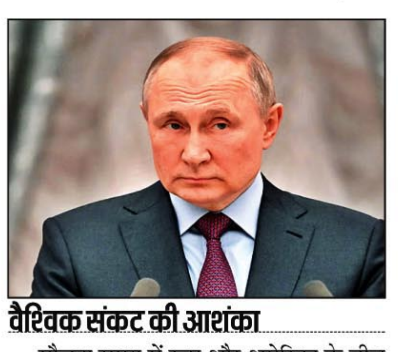

वैश्विक संकट की आशंका

मौजूदा समय में रूस और अमेरिका के बीच तनाव 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद किसी भी दौर से अधिक है। ऐसे में रूस, अमेरिका या दोनों देशों के द्वारा परमाणु परीक्षणों को फिर से शुरू करना पूरी दुनिया को अत्यधिक अस्थिर करने वाला होगा। रूस को सोवियत संघ के परमाणु हथियार विरासत में मिले हैं। पुराने सोवियत संघ से मिले इन्हीं हथियारों की बदौलत रूस के पास दुनिया का एटमी हथियारों का सबसे बड़ा जखीरा है। ऐसे में यह तनाव वैश्विक संकट खड़ा कर सकता है।

यूक्रेन को सैन्य सहायता देना

रूस के इस फैसले से अमेरिका और यूक्रेन दोनों बौखला गए हैं। दरअसल, रूस ने ये कहा है कि जिस अनुमोदन को उसने रद्द करने का फैसला किया है, उसे चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया, ईरान और मिस्त्र द्वारा इस संधि का अनुमोदन किया जाना बाकी है। माना जा रहा है कि रूस पश्चिम को यूक्रेन को सैन्य सहायता जारी रखने से हतोत्साहित करने के लिए परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने के लिए कदम उठा सकता है।

सीटीबीटी के बाद से अब तक 10 परमाणु परीक्षण

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 1945 और 1996 की व्यापक परमाणु परीक्षण-प्रतिबंध संधि के बीच पांच दशकों में, 2,000 से अधिक परमाणु परीक्षण किए गए। इनमें से 1,032 अमेरिका ने और 715 सोवियत संघ ने किए। सोवियत संघ ने अपने विघटन से पूर्व आखिरी बार 1990 में परीक्षण किया, जबकि अमेरिका ने आखिरी बार 1992 में परीक्षण किया था। सीटीबीटी के बाद से अब तक 10 परमाणु परीक्षण हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भारत ने 1998 में दो, पाकिस्तान ने भी 1998 में दो और उत्तर कोरिया ने 2006, 2009, 2013, 2016 (दो बार) और 2017 में परीक्षण किए।

आपणो राजस्थान, सुझाव आपका संकल्प हमारा : भाजपाध्यक्ष सीपी जोशी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान प्रदेश की जनता को विश्वास है कि भाजपा की कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो वादा करते हैं उसे पूरा करके दिखाते हैं। यह बात गुरुवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में *आपणो राजस्थान सुझाव आपका, संकल्प हमारा* कार्यक्रम को लेकर आयोजित प्रेसवार्ता में कही। उन्होंने कहा कि गत 4 अक्तूबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आपणो राजस्थान सुझाव आपका, संकल्प हमारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में 51 रथ भेजे गए थे, जिनमें 8 हजार आकांक्षा पेटियां सुझाव के लिए रखी गई थीं। इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश में 5650 चौपालें आयोजित की गईं और 2300 सम्मेलन भी आयोजित हुए। इस दौरान किसान, मजदूर, व्यापारी वर्ग सहित सभी वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर इस कार्यक्रम में भाग लिया। जोशी ने बताया कि इसके जरिये प्रदेश के करीब एक करोड़ 23 लाख लोगों के

एक करोड़ तीन लाख सुझाव प्राप्त हुए। इस कार्यक्रम के दौरान आमजन के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को लेकर गहरा विश्वास भी देखने को मिला। इसलिए भाजपा कहती है कि *सपने नहीं हकीकत बुनते हैं, इसलिए हम मोदी जी को चुनते हैं* । आज प्रदेश में रेल, जल जीवन मिशन, ग्रामीण विकास, सड़क, एयरपोर्ट, और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। प्रेसवार्ता में संकल्प पत्र समिति के संयोजक एवं केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि जनसहभागिता के तहत ई-मेल से लगभग 6 लाख सुझाव प्राप्त हुए, मिस्ड कॉल और सुझाव पेटिकाओं के माध्यम से भी सुझाव प्राप्त हुए। प्रदेश की जनता ने अपने कीमती सुझाव दिये, इन्हीं सुझावों के आधार पर हम राजस्थान का संकल्प पत्र तैयार करेंगे। भाजपा का ध्येय वाक्य *हो चुका है आह्वान, अब बनेगा विकसित राजस्थान* रहेगा। इसके तहत सभी विधायक, सांसद और पदाधिकारियों के सुझाव भी लिए गए हैं। इन सभी के आधार पर एक मजबूत और प्रदेश के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से भाजपा का संकल्प पत्र तैयार होगा। प्रेसवार्ता के दौरान *मोदी साथे राजस्थान* गीत का प्रदर्शन भी किया गया। प्रेसवार्ता के दौरान चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक नारायण पंचारिया, सह-संयोजक ओंकार सिंह लखावत, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ. अलका सिंह गुर्जर, भाजपा प्रदेश महामंत्री मोतीलाल मीणा, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेन्द्र सिंह, प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल और प्रदेश प्रवक्ता पंकज मीणा मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुवा विधायक ओम प्रकाश हुडला के घर ईडी की छापेमारी

जयपुर (हिंस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने पेपर लीक के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार सुबह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुआ विधायक ओम प्रकाश हुडला के घर छापेमारी की है। ईडी की टीम फिलहाल डोटासरा, ओम प्रकाश हुडला और उनके रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम डोटासरा के जयपुर के सरकारी आवास सहित सीकर उनके निजी निवास पर भी पहुंची है। इधर, ईडी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत पूछताछ के लिए समन भेजा है। जानकारी के अनुसार ईडी की छापेमारी की कार्रवाई डोटासरा के जयपुर में सरकार आवास समेत तीन और सीकर में दी जगह चल रही है। इसके अलावा ईडी की टीम डोटासरा के रिश्तेदारों के घर भी पहुंची है। दिल्ली और जयपुर की ईडी की टीम के साथ में केंद्रीय सुरक्षा बल के अधिकारी भी मौजूद हैं। ईडी की छापेमारी के दौरान गोविंद सिंह डोटासरा अपने निवास पर मौजूद हैं। ईडी की टीम पूछताछ करने में जुटी है। इसके अलावा महुवा से निर्दलीय विधायक और कांग्रेस उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला के सात ठिकानों पर भी ईडी ने छापेमारी की है। ईडी की टीमें दौसा, जयपुर सहित कई जगहों पर हुड़ला के ठिकानों पर पहुंची हैं। दौसा जिले में हुड़ला के पेट्रोल पंप पर भी ईडी की छापेमारी चल रही है। हुड़ला के दफ्तरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर ईडी दस्तावेज खंगाल रही है। हुड़ला के सहयोगी राजेंद्र गुप्ता, सुभाष बालाहेड़ी, सीए राजेंद्र गुप्ता और बिजनेस सहयोगी निधि शर्मा के घर भी ईडी ने छापे मारे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि उनके पुत्र और राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष वैभव गहलोत को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत दिल्ली में पूछताछ के लिए समन भेजा है। हालांकि उन्हें ईडी के समा कब पेश होना है ये जानकारी समन में नहीं दी गई है। गहलोत ने लिखा कि पच्चीस अक्तूबर को राजस्थान की महिलाओं के लिए कांग्रेस की गारंटियां लांच हुई और छब्बीस अक्तूबर को राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के यहां ईडी की रेड और मेरे बेटे वैभव गहलोत को ईडी में हाजरि होने का समन भेजा है। अब आप समझ सकते हैं, जो मैं कहता आ रहा हूं कि राजस्थान के अंदर ईडी की रेड रोज इसलिए होती है क्योंकि भाजपा ये नहीं चाहती कि राजस्थान में महिलाओं को, किसानों को, गरीबों को कांग्रेस द्वारा दी जा रही गारंटियों का लाभ मिल सके। इस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा है कि चुनाव आते ही ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट आदि भाजपा के असली पन्ना प्रमुख बन जाते हैं। राजस्थान में अपनी निश्चित हार को देखते हुए भाजपा ने अपना आखिरी दांव चला है। ईडी ने छत्तीसगढ़ के बाद राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव अभियान में उतरते हुए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। मोदी सरकार की तानाशाही लोकतंत्र के लिए घातक है। हम एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ते रहे हैं और जनता भाजपा को करारा जवाब देगी।

प्रदेश में अब 52, 122 मतदान केंद्रों पर होगा मतदान

जयपुर (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में 366 सहायक मतदान केंद्रों की स्थापना को मंजूरी दी है। ये सहायक मतदान केंद्र राज्य के 32 जिलों की 125 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में उन मतदान केंद्रों पर बनाए जाएंगे जहां मतदताओं की संख्या 1450 से अधिक है। ये मतदान केंद्र मूल मतदान केंद्र के साथ उसी भवन में स्थापित किए जाएंगे। राज्य में वर्तमान में 51756 मूल मतदान केंद्र आयोग द्वारा अनुमोदित है, अब 366 सहायक मतदान केंद्रों के अनुमोदन के बाद 52, 122 मतदान केंद्र हो गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि यह केंद्र यथासंभव उसी भवन में बनेंगे और मतदाताओं की संख्या का विभाजन दोनों केंद्रों पर इस प्रकार किया गया है जिससे मतदान के दौरान लोगों को अधिक समय लाइन में खड़े रहने की आवश्यकता नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन्स के अनुरूप सुगम, सहज, सुरक्षित मतदान के लिए मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं एवं सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। मतदान केंद्रों पर टॉयलेट्स, पेयजल, बिजली, वॉलन्टियर्स, व्लीलचेयर, रैम्प सहित सभी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता रहेगी। मतदाताओं की सहूलियत के लिए मतदान केंद्रों पर साइनेज और हेल्प डेस्क की उचित व्यवस्था भी की जाएगी। प्रदेश में निर्वाचन विभाग द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद 366 सहायक मतदान केंद्रों का प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को भेजा गया था, जिसका अनुमोदन प्राप्त हो गया है। सबसे ज्यादा 92 सहायक मतदान केंद्र जयपुर जिले में स्थापित किए जाएंगे, इनमें स्थानाभाव के कारण 7 मतदान केंद्र के भवन उसी परिक्षेत्र में परिवर्तित किए गए हैं। जिलेवार जोधपुर में 45, कोटा और सवाई माधोपुर में 16-16, अलवर में 15, बीकानेर में 13, अजमेर, जालौर, चूरू में 12-12, भरतपुर, पाली, नागौर, हनुमानगढ़, टोंक में 11-11, सीकर में 9, झुंझुनूं, भीलवाड़ा में 7-7, उदयपुर, श्रीगंगानगर, झालावाड़ में 5-5, बाड़मेर, करौली, सिरोही में 4, बांसवाड़ा, बूंदी, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर में 3-3, दौसा और जैसलमेर जिलों में 2-2, बारां में 1 सहायक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। विधानसभावार देखा जाए तो सांगानेर में सर्वाधिक 26, झोटवाड़ा में 14, सरदारपुरा में 13 और हवामहल में 11 सहायक मतदान केंद्र बनाए जाएंगे।

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा की फेसबुक आईडी हैक

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के परिवहन मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा की फेसबुक आईडी को अज्ञात हैकरों ने हैक कर लिया है। इस बाबत गुरुवार को साइबर थाना पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि उनकी फेसबुक आईडी हैक हो गई है, इसलिए कोई भी व्यक्ति इस आईडी द्वारा मांगी जा रही किसी भी सामग्री अथवा किसी भी बात की जानकारी न दे। गौरतलब है कि पंडित मूलचंद शर्मा द्वारा फेसबुक पर आईडी के साथ-साथ पेज भी संचालित किया जाता है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपनी निजी जानकारी को सुरक्षित रखें और सोशल अकाउंट यूज करते समय सावधानियां बरतें।

हरियाणा सरकार ने बेमिसाल 9 साल पूरे किए : कमलेश ढांडा

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा की महिला एवं बाल विकास मंत्री कमलेश ढांडा ने गुरुवार को जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक ली। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आज हरियाणा की सरकार ने अपने बेमिसाल 9 साल पूरे किए है जो कि विकास से भरे हुए है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सबका साथ सबका विकास और हरियाणा एक हरियाणवी एक की भावना से काम किया है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ में लिंगानुपात पहले 871 था अब इन 9 सालों में 932 तक पहुंच गया है। प्रदेश में सरकार द्वारा 45 लाख परिवार पहचान पत्र बनाए गए है तथा इस परिवार पहचान पत्र के माध्यम से 2 करोड़ 83 लाख सदस्यों को डाटा अपलोड किया गया है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत करीब

31 लाख घरो को पीने का पानी उपलब्ध करवाया गया है। वहीं प्रदेश के 86 प्रतिशत गांवों को म्हारा गांव-जगमग गांव योजना से जोड़कर 24 घंटे बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रदेश में महिलाओं की शिक्षा के लिए 20 किलोमीटर के दायरे में महिला कॉलेज खोले गए है। प्रदेश में आयुष्मान व चिरायु योजना से 30 लाख परिवारों को जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से पहले प्रदेश में 2 महिला थाने थे अब उनकी संख्या 33 है। प्रदेश में पहले 29 महिला कॉलेज थे अब इनकी संख्या 61 पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मानदेय 7500 रुपए था अब यह बढ़कर 12661 रुपए है। इसी प्रकार आशा वर्कर का मानदेय जो कि पहले 500 रुपए था उसे बढ़ाकर मुख्यमंत्री ने 6100 रुपए कर दिया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 4 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों को प्ले स्कूल के तौर पर विकसित किया जा रहा है। वर्तमान सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की है। वहीं 33 प्रतिशत का कोटा राशन डिपो वितरण में सरकार द्वारा महिलाओं को निर्धारित किया गया है।

यूट्यूबर एल्विश यादव से मांगी 1 करोड़ की फिरौती, आरोपी गुजरात से गिरफ्तार

गुरुग्राम (हिंस)। यूट्यूबर एवं बिग बॉस ओटीटी-2 के विजेता एल्विश यादव को धमकी देकर एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई। बीती 17 अक्तूबर को एल्विश व उसके मैनेजर के मोबाइल पर फिरौती के लिए कॉल की गई थी। अब पुलिस ने गुजरात के वडनगर से आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त अपराध वरुण दहिया ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि गुरुग्राम पुलिस आरोपी को गुजरात से लेकर आ रही है। पुलिस के अनुसार 25 अक्तूबर 2023 को पुलिस थाना सेक्टर-53 में यूट्यूबर व बिग बॉस ओटरटी-2 के विजेता एल्विश यादव निवासी वजीराबाद

गांव ने शिकायत दी थी। जिसमें कहा था कि वह अपने किसी काम से लंदन (इंग्लैंड) गया हुआ था। 17 अक्तूबर को 2023 को जब वह अपने दोस्त/मैनेजर के साथ वापस भारत आया तो उन दोनों के मोबाईल फोन पर 1 करोड़ रुपए देने के कई धमकी भरे मैसेज आए हुए थे। पहले 40 लाख रुपए की मांग की गई और फिर 1 करोड़ की मांग की गई। रुपए ट्रांसफर ना करने की सूरत में जान से मारने की धमकी दी गई थी। इस शिकायत पर प्रभारी अपराध शाखा सेक्टर-40 निरीक्षक जितेन्द्र कुमार की पुलिस टीम ने 1 करोड़ रुपयों की फिरौती मांगने व धमकी देने वाले आरोपी की पहचान व उससे सबन्धित जानकारी एकत्रित की। आरोपी की पहचान गुजरात के जिला वडनगर निवासी साकिर मकराणी पुत्र जाकिर के रूप में की गई है। आरोपी व उसका पिता आरटीओ एजेंड का काम करते हैं। आरोपी से पूछताछ में पता चला है कि वह और उसका पिता आरटीओ ऑफिस में बतौर एजेंट काम करते हैं। उसने एल्विश यादव की यूट्यूब पर वीडियो देखी थी। उसी से प्रभावित होकर उसने करोड़पति बनने की नियत से रुपए ऐंठने की योजना बनाई। इसके लिए 1400 रुपयों में एक फर्जी सिमकार्ड खरीदा और उससे धमकी देने की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात को अंजाम देने में प्रयोग किया गया सिम कार्ड व एक मोबाइल बरामद किया गया है।

महबूबा मुफ्ती को एक बार फिर चुना गया पीडीपी अध्यक्ष

श्रीनगर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को गुरुवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुन लिया गया है। महबूबा मुफ्ती का पीडीपी अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल तीन साल का होगा। पीडीपी के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ नेता अब्दुल रहमान वीरी ने अध्यक्ष पद के लिए मुफ्ती का नाम प्रस्तावित किया था और गुलाम नबी हंजुरा ने इसका समर्थन किया। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा उन्हें ध्वनि मत से तीन साल के कार्यकाल के लिए चुना गया है।

छह राष्ट्रीय दलों के लिए प्रतीक चिह्न आरक्षित

193 अन्य चिह्न हो सकेंगे आवंटित

जयपुर (हिंस)। भारत निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय दलों के साथ क्षेत्रीय पार्टियों को विधानसभा चुनाव में आवंटित किए जाने वाले सिम्बल को लेकर अधिसूचना जारी की है। इसमें छह राष्ट्रीय दलों को उन्हें आवंटित पहचान चिह्न यथावत रखे गए हैं। निर्वाचन आयोग के सचिव जयदेव लाहिड़ी ने 2 अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी कर राष्ट्रीय दलों के लिए आरक्षित और क्षेत्रीय पार्टियों को आवंटित किए जाने वाले पहचान चिह्न जारी किए हैं। अधिसूचना के अनुसार आम आदमी पार्टी के लिए झाड़ू, बहुजन समाजवादी पार्टी के लिए हाथी, भाजपा के लिए कमल का फूल, कम्युनिष्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के लिए हैमर, कांग्रेस पार्टी के लिए हाथ और नेशनल पीपुल्स पार्टी के लिए किताब का चिह्न आरक्षित किया है। ये पहचान चिह्न पार्टी के अधिकृत उम्मीदवारों को दिए जा सकेंगे। जबकि, क्षेत्रीय पार्टियों और निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरने वाले उम्मीदवारों को 193 मुक्त प्रतीक चिह्नों में से कोई भी पहचान चिह्न आवंटित किया जा सकेगा।

राघव चड्ढा के बाद एक और आप नेता की शादी

चंडीगढ़। राघव चड्ढा के बाद आम आदमी पार्टी के एक और नेता जल्द ही शादी के बंधन में बधेंगे। पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर नवंबर के पहले हफ्ते में मेरठ की रहने वाली डॉ. गुरवीन कौर के साथ सात फेरे लेंगे। गुरवीन पेशे से एक डॉक्टर (रेडियोलॉजिस्ट) हैं। मीत हेयर बरनाला से आम आदमी पार्टी से दूसरी बार विधायक बनकर मौजूदा सरकार में खेल मंत्री हैं। उनके पिता बिजली बोर्ड से एसडीओ के पद से सेवानिवृत्त हैं। मीत तीन बहनों के इकलौते और छोटे भाई हैं। उनका कुछ दिन पहले रोका हुआ था। सूत्रों से पता चला है कि 29 अक्तूबर को उनकी रिंग सेरेमनी होगी, जबकि शादी समारोह सात को होगा। अगले दिन यानी आठ नवंबर को रिस्पेशन पार्टी होगी। डॉ. गुरवीन कौर का परिवार देश के बंटबारे के बाद पश्चिमी पंजाब से मेरठ चला गया था। गुरवीन के पिता भूपेंद्र सिह बाजवा भारतीय ओलंपिक संघ के पदाधिकारी हैं।

अच्छी नीयत से मेहनत करने पर जीवन में निश्चित सफलता मिलेगी : डॉ. अंशु सिंगला

पलवल (हिंस)। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की जिला शाखा पलवल द्वारा पुराना जीटी रोड पर स्थित बाल भवन के प्रांगण में तीन दिवसीय मंडल स्तरीय बाल दिवस समारोह का शुभारंभ गुरुवार को पुलिस अधीक्षक डॉ. अंशु सिंगला ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। पुलिस अधीक्षक डॉ. अंशु सिंगला ने कहा कि अच्छी नियत से मेहनत करेंगे तो जीवन में निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। जीवन में कभी भी निराश न हों। असफल होने की स्थिति में भी दुगुनी मेहनत करके सफलता की ओर अग्रसर होंवें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि लोगों को यातायात के सभी नियमों का पूर्ण रूप से पालन करना चाहिए। यातायात के नियमों का उल्लंघन न

केवल अपराध है बल्कि अपने व दूसरे के जीवन के साथ खिलवाड है। इसलिए यातायात के नियमों के बारे में स्वयं जागरूक होकर दूसरे लोगों को भी जागरूक करें। उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए बेहतरीन ग्रुप डांस व सोलो डांस की सराहना करने के साथ-साथ विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की भी कामना की। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में पलवल, फरीदाबाद व नूंह जिला के विद्यार्थियों ने भाग लिया। पहले दिन अपनी-अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। गुरुवार को आयोजित की गई प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा ग्रुप डांस व सोलो डांस का आयोजन किया गया। जिला बाल कल्याण अधिकारी सुरेखा डागर ने समारोह में पधारने पर मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेट कर उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रणवीर मनोज, सीडब्ल्यूसी भगत सिंह तेवतिया, आजीवन सदस्य मनोज, रामेश्वर, जसवीर तेवतिया, सुरजीत, कृष्णा, निर्णायक कमेटी के सदस्य डॉ. मोनिका, डॉ. वंदना, डॉ. सूरज, पूनम यादव, प्रधानाचार्या डॉ. मोनिका, डॉ. शिवा वर्मा, कंचन माहेश्वरी सहित सभी कर्मी मौजूद रहे।

राज विस चुनाव झालावाड़ भाजपा में घमासान

झालावाड़ (हिंस). भारतीय जनता पार्टी की सूची आते ही अब विरोध करने वाले भी सामने आने लगे है। जिले की झालरापाटन सीट को छोड़कर घोषित उम्मीदवारों को विरोध का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा की ओर से झालावाड़ जिले में चार विधानसभा में उम्मीदवारों की घोषणा की गई है। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को छोड़कर तीन अन्य सीटों पर वर्तमान उम्मीदवारों का विरोध जारी है। मनोहरथाना से उम्मीदवार गोविंद रानीपुरिया का तंवर समाज सहित अन्य लोगों ने विरोध जताते हुए पुतले का दहन किया है। इसी प्रकार गुरुवार को खानपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उम्मीदवार नरेंद्र नागर के खिलाफ बकानी क्षेत्र में मुर्दाबाद के नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। जबकि बुधवार दोपहर डग विधानसभा के उम्मीदवार कालूराम का हरनीखेड़ा गांव में काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने झालरापाटन से वसुंधरा राजे, खानपुर से नरेंद्र नागर, मनोहरथाना से गोविंद रानीपुरिया एवं डग विधानसभा से भाजपा की ओर से कालूराम मेघवाल को उम्मीदवार बनाया गया है। जिले की राजनीति की बात करें तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समेत तीन अन्य उम्मीदवार इसी विधानसभा क्षेत्र से वर्तमान में विधायक रह चुके है। ऐसे में अब भाजपा के सामने जिलेभर में विरोधियों से निपटना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। वही मजबूत निर्दलियों के भी चुनाव मैदान में उतरने के संकेत मिल रहे हैं।

सामने आया शादी करवाने वाला गुरुद्वारा साहिब का ग्रंथी, कहा-मैंने तो...

दो लड़कियों की शादी पर बवाल

नयागांव। जालंधर की दो लड़कियों के गांव करोरां के गुरुद्वारा साहिब में शादी करने का मामला गरमा गया है। इस संबंध में गांव करोरां में पड़ते गुरुद्वारा गुरु नानक निवास साहिब के ग्रंथी बाबा अजायब सिंह ने बताया कि 18 अक्तूबर को गुरुद्वारा साहिब में आकर खुद को लड़का-लड़की बताते हुए दोनों ने शादी की थी। अब उन्हें मीडिया के जरिए पता चला है कि वे लड़का-लड़की नहीं बल्कि दोनों लड़कियां थीं। इस पर अब उन्होंने कार्रवाई करने की बात कही है। बाबा अजायब सिंह ने बताया कि 18 अक्तूबर को गुरुद्वारा साहिब में सुबह 11 बजे एक लड़का और एक लड़की शादी करने आए। उनके साथ दो गवाह, एक फोटोग्राफर, एक वकील समेत सात-आठ व्यक्ति आए थे। उनके आधार कार्ड देखने और प्रूफ के तौर पर लेने के बाद ही उन्होंने शादी करवाई थी। अब उन्हें पता चला है कि शादी करवाने वाले लड़का-लड़की के बजाए दोनों लड़कियां थीं। उन्होंने जाली आधार कार्ड का इस्तेमाल करके शादी की है, जो गलत है। दोनों ने उन्हें धोखे में रखा और नहीं बताया कि वे दोनों लड़कियां है। अगर उन्हें पता होता कि दोनों लड़कियां हैं तो वह कभी शादी नहीं कराते। वह अब इसके खिलाफ पुलिस समेत बाकी अन्य कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके पास तो लड़का-लड़की ही शादी करवाने आए थे। बाबा अजायब सिंह ने कहा कि अगर दोनों लड़कियों की फोटो उन्हें दिखाई जाए तो वह बता सकते हैं कि शादी करने यही जोड़ा आया था या फिर कोई और आया था। उन्हें लगता है कि इनमें से एक लड़की आई होगी और दूसरी पीछे कहीं होगी। बाद में उन्होंने गुरुद्वारा साहिब द्वारा जारी सर्टिफिकेट का दुरुपयोग किया है।

156 भोग व्यंजन त्योहार सीजन-3 हुआ आगाज

जयपुर (हिंस)। राजधानी जयपुर में हर साल की भांति इस साल भी गोल्डन ट्यूलिप होटल एमआई रोड पर 156 भोग व्यंजन त्यौहार (फूड फेस्टिवल) सीजन-3 का आगाज हुआ। जहां एक ही जगह पर सभी प्रकार का खानपान मिल रहा हैं। फूड फेस्टिवल में जयपुरवासी सहित देशी-विदेशी पर्यटकों ने जमकर लुफ्त उठाया। यह फूड फेस्टिवल 29 अक्तूबर तक चलेगा। प्रमुख शेफ पवन सैनी ने बताया कि पिछले दो साल से लगातार सफलता के बाद गोल्डन ट्यूलिप होटल इस साल भी 156 भोग व्यंजन त्यौहार (फूड फेस्टिवल) सीजन-3 का शुभारंभ किया है। इस साल का फूड फेस्टिवल पहले से बेहतर और भव्य है । इस बार फूड फेस्टिवल का मेन्यू खास और अलग तरह से है। जिसमे अलग-अलग देशों के खान पान का संगम एक ही स्थान पर मिलेगा। इसमें विभिन्न देशों के स्नैक्स, सूप, पेय, सलाद, मैन कोर्स, डेसर्ट है और यह सब मिलाकर 156 से भी ज्यादा है। फूड फेस्टिवल मेरीगोलड रेस्तरां 29 अक्तूबर तक चलेगा। इस फेस्टिवल में राजधानी, गुजराती,

हैदराबादी और पंजाबी से लेकर इटालियन जैसी कई वैरायटी मिलेगी। हर साल की तरह इस साल भी फूड फेस्टिवल को बहुत अच्छा प्यार और रिस्पॉन्स मिल रहा है।

ऑनलाइन फ्रॉड मामले में बैंक को ग्राहक का पैसा लौटाना होगा, उपभोक्ता अदालत ने एसबीआई को दिए निर्देश

नई दिल्ली ।
गुजरात की एक उपभोक्ता अदालत ने साइबर फ्रॉड के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। सूरत में नवसारी उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (सीडीआरसी) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को यूपीआई साइबर धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति को 39,578 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आयोग ने त्वरित कार्रवाई नहीं करने के लिए बैंक की आलोचना की और कहा कि ऐसे मामलों में ग्राहकों को तुरंत सतर्क करना बैंक की जिम्मेदारी है। पीड़ित विधि सुहागिया ने साइबर धोखाधड़ी के कारण 22 दिसंबर, 2021 को एसबीआई की फुवारा शाखा में अपने खाते से 59,078 रुपये खो दिए। उसने तुरंत बैंक को घटना की सूचना दी और साइबर अपराध हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस फेडरल बैंक के खाते में जमा 19,500 रुपये फ्रीज करने में कामयाब रही, जिसे बाद में अदालत के आदेश के बाद सुहागिया के खाते में वापस स्थानांतरित कर दिया गया। हालांकि, बैंक शेष 39,578 रुपये की वसूली के लिए त्वरित कार्रवाई करने में विफल रहा, जिसके कारण सुहागिया ने 14 दिसंबर, 2022 को एसबीआई को कानूनी नोटिस भेजा। बैंक से कोई जवाब नहीं मिलने पर उसने मदद के लिए उपभोक्ता आयोग से संपर्क किया। सुहागिया के वकील ने तर्क दिया कि बैंक ने धन को फिर से प्राप्त करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि उसे पता था कि इसे आईसीआईसीआई बैंक के खाते में स्थानांतरित किया गया था। दूसरी ओर, बैंक ने दावा किया कि धोखाधड़ी ग्राहक की लापरवाही के कारण हुई और उसने बैंकिंग दिशा-निर्देशों के अनुसार ही काम किया था। बैंक ने यह भी कहा कि उसने यूपीआई प्राधिकरण से संपर्क किया था, जिसने पुष्टि की कि पैसा आईसीआईसीआई बैंक में जमा किया गया था और राशि को फ्रीज करने के उपाय किए। हालांकि, सीडीआरसी ने बैंक के तर्क को खारिज कर दिया, उसके अनुसार शिकायतकर्ता ने धोखाधड़ी के बारे में तुरंत बैंक को सूचित किया था, लेकिन यह साबित करने का कोई सबूत नहीं है कि बैंक ने कोई कार्रवाई की थी। आयोग ने जोर देकर कहा कि बैंकों के पास उन खातों के बारे में ऑनलाइन विवरण तक पहुंच है जहां पैसा जमा किया गया है ।

न्यूज ब्रीफ

बढ़ती शिकायतों पर सरकार की पहल, एयरलाइनों और यात्रा पोर्टल के अधिकारियों संग बैठक 8 नवंबर को

नई दिल्ली । हवाई यात्रियों की बढ़ती शिकायतों के बीच केंद्र ने सभी एयरलाइनों और यात्रा पोर्टलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आठ नवंबर को एक बैठक बुलाई है जिसमें टिकट रद्द होने के बाद रिफंड नहीं दिए जाने और मुफ्त वेब चेक-इन के बावजूद हर सीट को पेड के रूप में दिखाए जाने से संबंधित शिकायतों पर चर्चा की जाएगी। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि पिछले एक साल में सरकार की राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के माध्यम से एयरलाइन क्षेत्र से संबंधित लगभग 10,000 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से आधी शिकायतें टिकट रद्द होने से संबंधित हैं लेकिन विमानन कंपनियों से कोई रिफंड नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कुछ प्रमुख शिकायतों में एयरलाइंस द्वारा मुफ्त अनिवार्य वेब चेक-इन के बावजूद हर सीट को पेड के रूप में दिखाना भी शामिल है। उन्होंने कहा, ये शिकायतें महज एक छोटी सी बात हैं। हमने सभी एयरलाइंस, ट्रैवल पोर्टल्स और उपभोक्ता संगठनों के साथ इन उपभोक्ता शिकायतों पर चर्चा करने के लिए 8 नवंबर को एक बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन वेबसाइटों या यात्रा पोर्टलों के माध्यम से टिकट बुक करते समय, विभाग ने देखा है कि कई उपभोक्ता इंटरफ़ेस से खुश नहीं हैं और उन्हें लगता है कि वे गुमराह और धोखाधड़ी शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा, एयरलाइंस कहती हैं कि मुफ्त वेब चेक-इन लेकिन सभी सीटों के पैसे वसूले जाते हैं। एक बार जब कोई यात्री किराए का भुगतान कर देता है और एयरलाइंस ने एक कन्फर्म टिकट जारी कर दिया है तो सभी सेवाओं को उचित और उपभोक्ताओं के लाभ के लिए होना चाहिए। आप उपभोक्ता को बरगला नहीं सकते। मंत्रालय का एयरलाइंस या ट्रैवल कंपनियों के बिजनेस मॉडल से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन हम कह रहे हैं कि जब किसी उपभोक्ता के पास कन्फर्म टिकट है तो उसे इन चीजों (पेड सीट) के रूप में और असुविधा नहीं होनी चाहिए, ऐसी चीजें हवाई यात्रियों के लिए परेशानी पैदा करती हैं। सचिव ने कहा कि हवाई यात्रा में विस्तार हुआ है और इस तरह के व्यापार प्रथाओं के कारण कई लोग प्रभावित हो रहे हैं।

वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक के कोलकाता आवास पर ईडी की छापेमारी,मामले में घिरे बंगाल के मंत्री

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता ज्योतिप्रिय मलिक के कोलकाता के साल्ट लेक स्थित आवास पर ईडी की छापेमारी चल रही है। बताया जा रहा है कि छापेमारी कथित राशन घोटाला मामले से जुड़ी है। बता दें, ज्योतिप्रिय मलिक वन मंत्री बनने से पहले खाद्य मंत्री का कार्यभार संभाल रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने कथित करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले की चल रही जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक के आवास पर गुरुवार सुबह तलाशी ली। उन्होंने बताया कि ईडी के अधिकारियों ने केंद्रीय बलों की एक टीम के सहयोग से कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में मलिक के दो फ्लैटों पर छापा मारा। अधिकारी ने बताया कि मलिक के खाद्य मंत्री रहने के दौरान उनके पूर्व निजी सहायक के आवास सहित आठ अन्य फ्लैटों पर भी तलाशी अभियान जारी है। ईडी ने बताया कि छापे के दौरान मंत्री घर पर मौजूद नहीं थे। वह बाद में आए। आते ही उनका फोन ले लिया गया। ईडी ने बताया कि मलिक के घर के अंदर आठ अधिकारी हैं। हम उनके पूर्व निजी सहायक के आवास और कुछ अन्य स्थानों पर भी तलाशी ले रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी पहले ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चुकी है, जिसके कथित तौर पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के साथ-साथ मलिक से भी करीबी संबंध हैं।

बासमती चावल के निर्यात पर एमईपी घटा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बासमती चावल निर्यात पर मिनिमम एक्सपोर्ट प्राइस (एमईपी) घटाने का फैसला किया है। सरकार के एमईपी कम करने के निर्णय के बाद से अब बासमती चावल पर एमईपी घटकर 950 डॉलर प्रति मीट्रिक टन हो गया है। जो कि पहले 1,200 डॉलर प्रति मीट्रिक टन था। गौरतलब है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने बासमती चावल निर्यात पर 1,200 डॉलर प्रति मीट्रिक टन का फ्लोर प्राइस तय किया था। बासमती चावल निर्यात पर फ्लोर प्राइस ज्यादा होने से किसानों और चावल कंपनियों को नुकसान हो रहा था। एमईपी ज्यादा होने के चलते मेन सीजन में भी निर्यात पर नकारात्मक असर देखने को मिला था।

क्या अब प्याज रुलाएगा, 15 दिनों में ही 50 प्रतिशत तक बढ़े दाम !

नई दिल्ली ।
पिछले 15 दिनों में महाराष्ट्र के लासलगांव एपीएमसी जो कि प्याज की कीमतों का बेंचमार्क माना जाता है, में प्याज के भाव 50 प्रतिशत से अधिक बढ़े हैं। पिछले एक हफ्ते की बात करें तो प्याज की कीमतों में 18 प्रतिशत तक का उछाल आया है। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे दावे किए गए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार लासलगांव मंडी में मंगलवार को प्याज की औसत कीमत 38 रुपये प्रति किलोग्राम रही। जो एक पखवारे से पहले की कीमत 24 रुपये प्रति किलोग्राम से 58 प्रतिशत कम है।महाराष्ट्र में प्याज की औसत कीमतों की बात करें तो बीते 10 दिनों में यह 45 से 48 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गईं हैं। अहमदनगर जिले के एसोसिएशन ऑफ ऑनियन ट्रेडर्स के चेयरमैन नंदकुमार शिर्के ने मीडिया को बताया अहमदनगर मार्केट में प्याज की औसत कीमत करीब 10 दिन पहले 35 रुपये किलो से बढ़कर अब 45 रुपये किलो हो गई है।

राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्याज की कीमतों 25-30 फीसदी का इजाफा

देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में प्याज की कीमतों में 25-50 प्रतिशत का इजाफा हुआ है और कीमतों 50 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। सबसे अच्छी क्वालिटी के प्यात की कीमत दिल्ली में 50 रुपये प्रति किलो को छू गई। महाराष्ट्र के बाजार में भी अच्छी क्वालिटी के प्याज लगभग इसी भाव पर बिक रहे हैं। कहीं-कहीं प्याज की कीमतें 60 से 70 रुपये प्रति किलोग्राम पर भी पहुंच गईं हैं। बाजार में खरीफ की फसल आने यानी दिसंबर महीने तक प्याज की कीमतों में उछाल जारी रहने की आशंका है।

खरीफ सीजन में उगाया जाने वाला प्याज, जिसकी कटाई आमतौर पर अक्टूबर-नवंबर महीने में होती है, इस साल सितंबर के मध्य में आना शुरू हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार महाराष्ट्र में बुवाई क्षेत्र 36 प्रतिशत घटकर करीब 58,000 हेक्टेयर रह गई है जिसके कारण कीमतों में इजाफा हुआ है।

बीते दो सालों में नुकसान के कारण कम हुई बुआई

जानकारों के अनुसार दक्षिणी राज्यों कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में खरीफ प्याज की बुआई कम हुई है क्योंकि पिछले दो साल में किसानों को नुकसान हुआ है। इन राज्यों में सामान्य से कम बारिश से प्याज का उत्पादन और कम हो गया है। इस साल अगस्त के महीने में, केंद्र ने खरीफ फसल की देरी और कम बुवाई के कारण बढ़ती कीमतों को रोकने के लिए प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत का शुल्क लगाया था। यह शुल्क 31 दिसंबर तक लागू रहेगा।

उस अवधि में, प्याज की खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में बढ़कर 11.7 प्रतिशत हो गई, जो जून में 1.7 प्रतिशत थी। टमाटर के साथ, प्याज ने पिछले महीने सब्जियों की मुद्रास्फीति में तेज वृद्धि में योगदान दिया, जो जून में -0.7 प्रतिशत से जुलाई में बढ़कर 37.3 प्रतिशत पर पहुंच गई।

इस दौरान केंद्र सरकार ने प्याज की घरेलू उपलब्धता में सुधार के लिए बफर स्टॉक सीमा को 3 लाख टन से बढ़ाकर 5 लाख टन करने का भी फैसला किया है। इसके अलावा, बफर स्टॉक से प्याज को राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ के खुदरा दुकानों और मोबाइल वैन के माध्यम से 25 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचा गया।

तेल अवीव के लिए दो नवंबर तक उड़ानें स्थगित, सात अक्तूबर से नहीं हुआ है नियमित उड़ानों का परिचालन

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने इजराइल और आतंकवादी समूह हमास के बीच जारी तनाव के बीच तेल अवीव के लिए अपनी निर्धारित उड़ानों के निलंबन की अवधि को 2 नवंबर तक बढ़ा दिया है। ताजा संघर्ष सात अक्टूबर को गाजा से हमास आतंकवादियों द्वारा इजरायल के खिलाफ किए गए अभूतपूर्व हमलों से शुरू हुआ है। इजरायल ने हमलों का बदला लेने के लिए गाजा में बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई शुरू की है। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि तेल अवीव के लिए निर्धारित उड़ानें दो नवंबर तक निलंबित कर दी गई हैं। एयरलाइन ने सात अक्टूबर से तेल अवीव से आने-जाने वाली किसी निर्धारित उड़ान का परिचालन नहीं किया है। आम तौर पर, पूर्ण-सेवा वाहक राष्ट्रीय राजधानी से तेल अवीव के लिए पांच साप्ताहिक उड़ानें संचालित करता है। यह सेवा सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार को है। इस महीने के दौरान, एयरलाइन ने बढ़ते संघर्ष की पृष्ठभूमि में इजरायल से वापस आने की इच्छा रखने वाले भारतीयों को वापस लाने के लिए सरकार के ऑपरेशन अजय के तहत राष्ट्रीय राजधानी से तेल अवीव के लिए कुछ चार्टर्ड उड़ानों का संचालन किया।

स्विगी-जोमैटो और रेस्तरां मिलकर दोगुने भाव पर दे रहे खाना, तीनों पार्टियां मिलकर कर रहीं ठगी!

नई दिल्ली ।
फूड डिलीवरी एप स्विगी और जोमैटो रेस्तरां के साथ मिलकर गिरोहबाजी चला रहे हैं। यह सभी एक रणनीति के तहत ग्राहकों को खाना दोगुने भाव पर दे रहे हैं। साथ ही, दोनों एप खाने की कीमत के बाद रेस्तरां से कमीशन भी लेते हैं।

हालांकि, स्विगी और जोमैटो के सूत्रों का दावा है कि खाने की कीमत रेस्तरां ही तय करते हैं ।इसमे हमारा कोई दखल नहीं है। हमारा एक मामूली शुल्क होता है और उसके बाद जो भी सरकार का टैक्स होता है, वह रहता है। इस बारे में जब कई रेस्तरां के मेन्यू कार्ड देखे गए तो पता चला कि रेस्तरां से सीधे खाना लेने पर अगर उसकी कीमत 100 रुपये है तो यही खाना स्विगी और जोमैटो पर 209 रुपये या इससे भी अधिक भाव पर मिलता है।

कुछ मामलों में यह भी देखा गया है कि अगर कोई उत्पाद स्विगी या जोमैटो एप पर तो दिखता है, लेकिन वही आइटम आप अगर रेस्तरां से लेने जाएं तो वहां उसे देने से मना कर दिया जाता है। रेस्तरां मालिक कहता है कि आप सीधे स्विगी या जोमैटो से बुक कर लीजिए। इसका मतलब कि यह तीनों पार्टियां एक गठजोड़ बनाकर ग्राहकों से ठग रही हैं। रेस्तरां की तुलना में दोगुना भाव लेने के बाद भी स्विगी और जोमैटो ग्राहकों से डिलीवरी का शुल्क लेते हैं जो रेस्तरां नहीं लेता है।

ऐसे समझ सकते हैं कीमतों का अंतर

उदाहरण के तौर पर अंगीठी रेगुलर थाली की रेस्तरां की कीमत 179 रुपये है लेकिन जोमैटो और स्विगी पर यही थाली 259 रुपये में है। एसएमएस फूड रेस्तरां में दाल मखनी और बटर नॉन 160 रुपये में है जबकि एप पर केवल दाल मखनी की ही कीमत 252 रुपये है। श्याम डेयरी के खाने और एप पर इसके खाने की कीमत में अंतर 25 फीसदी का है।

दूसरी तिमाही में पीएनबी का शुद्ध मुनाफा बढ़कर 1756 करोड़ हुआ, एनआईआई में 20 प्रतिशत इजाफा

नई दिल्ली ।
सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का एकल शुद्ध लाभ सितंबर 2023 को समाप्त तिमाही में कई गुना बढ़कर 1,756 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले साल की समान तिमाही में 411 करोड़ रुपये से मुनाफे में 327 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। दूसरी तिमाही के दौरान शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 9,923 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में यह 8,271 करोड़ रुपये था।

समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का परिचालन मुनाफा 12 प्रतिशत बढ़कर 6,216 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,567 करोड़ रुपये था। दूसरी तिमाही के दौरान प्रोविजनिंग सालाना आधार पर करीब 30 पर्सेंट गिरकर 3444 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 4,906 करोड़ रुपये थी। जुलाई-सितंबर की अवधि में बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार हुआ और सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) घटकर 6.96 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए घटकर 1.47 प्रतिशत रह गया। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक का डिपॉजिट सालाना आधार पर 10 पर्सेंट बढ़कर 13.09 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि एडवांस सालाना आधार पर 15 पर्सेंट बढ़कर 8.9 लाख करोड़ रुपये हो गया।

कैबिनेट ने भारत-जापान सेमीकंडक्टर समझौते को दी मंजूरी, मजबूत होगा सहयोग

नई दिल्ली ।
केंद्रीय कैबिनेट ने भारत और जापान के बीच सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखला साझेदारी के बारे में हुए सहयोग समझौते (एमओसी) को मंजूरी दे दी। यह समझौता जुलाई में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय के बीच हुआ था।

इस एमओसी का उद्देश्य उद्योगों और डिजिटल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर के महत्व की पहचान करना और इसकी आपूर्ति शृंखला बेहतर बनाने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। कैबिनेट बैठक के बाद जारी आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी गई। अमेरिका के बाद जापान क्वाड का दूसरा देश है जिसने सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम विकसित करने के लिए भारत के साथ इस तरह का समझौता किया है। यह एमओसी दोनों पक्षों के हस्ताक्षर की तारीख से प्रभावी होगा और पांच साल की अवधि तक लागू रहेगा। दोनों देशों के बीच

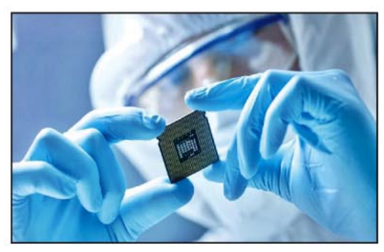

लचीली सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला को आगे बढ़ाने और पूरक लाभ उठाने के अवसरों पर जी2जी और बी2बी दोनों तरह के द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाए जाएंगे। एमओसी से आईटी के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। भारत सरकार देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए अनुकूल माहौल बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। देश में मजबूत और टिकाऊ सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले इकोसिस्टम के विकास के लिए कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर विनिर्माण और सेमीकंडक्टर असेंबली, परीक्षण, मार्किंग एंड पैकेजिंग (एटीएमपी) और आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) सुविधाओं के लिए फैब्स की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाना है।इसके अलावा, देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण इकोसिस्टम के विकास के लिए भारत की रणनीतियों को संचालित करने के लिए डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन (डीआईसी) के तहत इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) की स्थापना की गई है। अक्तूबर 2018 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के मौजूदा क्षेत्रों के साथ-साथ डिजिटल आईसीटी प्रौद्योगिकियों पर अधिक ध्यान केंद्रित हुए नई पहल के तहत भारत-जापान डिजिटल साझेदारी (आईजेडीपी) की शुरुआत की गई थी। आईजेडीपी और भारत-जापान औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता साझेदारी (आईजेआईसीपी) पर आधारित जापान-भारत सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला साझेदारी पर यह समझौता इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम के क्षेत्र में सहयोग को और मजूबत और व्यापक बनाएगा।

भारतीय रिजर्व बैंक ने निजी और सरकारी क्षेत्र के बैंकों से की अपील

जमाकर्ताओं को बैंकों में जमा पर ज्यादा ब्याज मिले

नई दिल्ली ।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) चाहता है कि जमाकर्ताओं को बैंकों में जमा उनके पैसे पर ज्यादा ब्याज मिले। निजी और सरकारी क्षेत्र के बड़े बैंक ग्राहकों को अब भी 2.70 फीसदी से लेकर चार फीसदी तक ही ब्याज दे रहे हैं। बैंकों के कुल जमा में बचत खाते की हिस्सेदारी करीब एक तिहाई है, फिर भी बैंक ग्राहकों को बचत खाते पर बहुत कम ही ब्याज दे रहे हैं।

आरबीआई ने पिछले वित्त वर्ष में नीतिगत दर को 2.50 फीसदी बढ़ाकर 6.50 फीसदी कर दिया है। ऐसे में केंद्रीय बैंक चाहता है कि जिस तरह कर्ज पर बैंकों ने तुरंत ब्याज बढ़ाकर ग्राहकों पर बोझ डाल दिया, उसी तर्ज पर जमा पर भी ब्याज दरें बढ़ाई जाएं। आरबीआई अपनी बैठकों में बैंकों को बचत जमा दरें बढ़ाने के लिए प्रेरित करता रहा है। साथ ही इसे फिर से बढ़ाने की जरूरत पड़ सकती है।

आरबीआई ने अपनी हालिया मौद्रिक नीति रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा सख्त चक्र में सावधि जमा पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी उधार दरों से अधिक हो गई है। हालांकि, बैंकों के बचत खाते पर दरें लगभग अपरिवर्तित बनी हुई हैं।

बैंकों के मार्जिन पर पड़ेगा असर

निजी क्षेत्र के बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि बचत खाता बनाए रखने की बैंकों की परिचालन लागत और तकनीकी लागत काफी अधिक है। यहां तक कि ब्याज दर में 20 से 25 बीपीएस की वृद्धि भी बैंकों के पूरे बही-खाते को प्रभावित करेगी। इससे बैंकों के मार्जिन पर भी असर पड़ सकता है।

कर्ज पर ब्याज दरें बढ़ने से बैंकों की लागत में वृद्धि कम हो गई है। इससे इनके मार्जिन में उछाल दिख रहा है। यस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और इंडसइंड बैंक ने हाल ही में कहा है कि उनकी बचत जमा दरें बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। आंकड़ों के मुताबिक, छोटे बैंक बचत खाते पर ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। कुछ बैंक 7 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं।

निजी-विदेशी बैंकों के लिए पूर्णकालिक निदेशक जरूरी

आरबीआई ने निजी और विदेशी बैंकों की पूर्ण सब्सिडियरी कंपनियों से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके पास दो पूर्णकालिक निदेशक हों। इसमें प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भी शामिल हो सकते हैं ।जिन बैंकों में अभी दो पूर्णकालिक निदेशक नहीं हैं, उन्हें चार महीने के भीतर इसे पूरा करना होगा।

प्रभावी वरिष्ठ प्रबंधन टीम स्थापित करना जरूरी

आरबीआई ने एक सर्कुलर में कहा कि बैंकिंग क्षेत्र की बढ़ती जटिलता और मौजूदा उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए एक प्रभावी वरिष्ठ प्रबंधन टीम स्थापित करना जरूरी है। ऐसी टीम की स्थापना से उत्तराधिकार योजना की सुविधा भी मिल सकती है।

पूर्णकालिक निदेशकों की संख्या बैंक के बोर्ड के परिचालन आकार, व्यावसायिक जटिलता और अन्य पहलुओं जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए तय की जानी चाहिए। नियुक्ति के संबंध में जिन बैंकों में सक्षम प्रावधान नहीं हैं, वे पहले भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी ले सकते हैं। उम्मीद की जा रही है बैंक इस पर ध्यान जरूर देंगे।

विविध भूमिकाओं को निभाने की क्षमता है बरखा में

-एक्ट्रेस ने खुद को असाधारण प्रतिभा के रूप में किया स्थापित

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस बरखा सिंह ने खुद को एक असाधारण प्रतिभा के रूप में स्थापित किया है। विविध भूमिकाओं को सहजता से निभाने की उनकी क्षमता एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दशार्ती है और बिगेस्ट बॉर्न-ऑन-वेब सनसनी के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को मजबूत करती है। बरखा सिंह ने कई वेब-आधारित श्रृंखलाओं में अपने यादगार किरदारों के साथ एक अमिट छाप छोड़ी है। आइए उनके पांच असाधारण प्रदर्शनों पर गौर करें जो रेखांकित करते हैं कि वह कहानी कहने के सभी प्लेटफार्मों और प्रारूपों में सबसे आशाजनक प्रतिभा क्यों हैं- बरखा सिंह मसाबा मसाबा 2 में आयशा की भूमिका निभाती हैं, जो सतह के नीचे गर्म दिल के साथ एक आधुनिक, आत्मविश्वासी चरित्र का चित्रण करती है। बरखा चतुराई से सूक्ष्मता और मुखरता के बीच संतुलन बनाती है, आवश्यकता पड़ने पर

सहजता से स्क्रीन पर नियंत्रण रखती है। सोनल अरोड़ा के रूप में बरखा सिंह का प्रदर्शन कहानी में एक दिलचस्प परत जोड़ता है। वह सहजता से अपने किरदार में डूब जाती है, अपनी भावनात्मक सीमा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देती है और उन्हें रहस्य से भरी कहानी से बांधे रखती है। इंजीनियरिंग गर्ल्स में साबू के रूप में बरखा सिंह की भूमिका युवा दर्शकों से जुड़ने की उनकी क्षमता को दशार्ती है। शैक्षणिक जीवन और मित्रता की जटिलताओं को पार करते हुए एक कॉलेज छात्रा का उनका चित्रण दर्शकों को पसंद आया, जिससे श्रृंखला युवाओं के बीच हिट हो गई। बरखा स्क्रीन पर प्रामाणिकता लाती है और कॉलेज जीवन के सार को खूबसूरती से पेश करती है। माजामा में बरखा अपने प्रदर्शनों की सूची में एक और रोमांचक वृद्धि का वादा करती है। अभिनेत्री ने एक खुले विचारों वाली महिला की भूमिका निभाई जो बदलावों को स्वीकार करती है। वह एक अच्छी बेटी और प्यारी लड़की थी, जो दिल से मजबूत थी। जैसा कि बरखा नए क्षेत्रों में कदम रख रही है, यह स्पष्ट है कि उसकी प्रतिभा की कोई सीमा नहीं है, और दर्शक उसकी परियोजनाओं की पाइपलाइन के साथ एक और सम्मोहक प्रदर्शन की उम्मीद कर सकते हैं।

पाक कलाकार कर सकेंगे हिंदी सिनेमा में काम

-हाईकोर्ट ने बैन लगाने से किया इंकार

मुंबई (ईएमएस)। पाकिस्तानी आर्टिस्ट अब भारतीय फिल्मों और वेबसीरीज में काम कर सकेंगे। बीते दिनों बॉम्बे हाई कोर्ट में एक सिनेवर्कर की पाकिस्तानी आर्टिस्टों पर बैन लगाने की मांग को लेकर दायर की गई याचिक पर सुनवाई हुई। याचिककार्ता ने अपनी पेटिशन में भारतीय सितारों के पाकिस्तानी कलाकारों के साथ काम ना करने की अपील की थी। हालांकि इस सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाईकोर्ट ने जो फैसला सुनाया, उसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया। बॉम्बे हाईकोर्ट में इस याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सुनील बी शुक्रे और न्यायमूर्ति फिरदोश पी पूनीवाला ने याचिका को खारिज कर दिया और साथ ही कहा कि याचिका में योग्यता नहीं है और उन्होंने पाया कि भारत सरकार ने अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक सकारात्मक कदम उठाया है। लाइव लॉ ने कोर्ट के हवाले से कहा कि अगर ऐसी याचिका पर कानून द्वारा विचार किया गया तो यह सरकार द्वारा उठाए गए नए सकारात्मक कदम

को कमजोर कर देगा। ज्ञातव्य है कि लंबे समय के बाद पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने भारत की धरती पर कदम रखा है क्योंकि आईसीसी विश्वकप भारत में हो रहा है।

और शांति को बढ़ावा देने वाली गतिविधियां, राष्ट्रीय सीमाओं को पार करती हैं और राष्ट्रों के भीतर और बीच एकता और सद्भाव में योगदान करती हैं। इसी के साथ बॉम्बे हाईकोर्ट ने पाकिस्तानी कलाकारों का भारत में बैन लगाने पर साफ इनकार कर दिया। ऐसे में अब कोर्ट के फैसले यह कहा जा सकता है कि पाकिस्तानी कलाकार अब भारत में काम कर सकते हैं। जानकारी के लिए पाठकों को बता दें कि माहिरा खान शाहरुख खान के साथ फिल्म रईस में नजर आई थीं तो वहीं फवाद खान सोनम कपूर के साथ खूबसूरत में और करण जौहर की दो फिल्मों कपूर एंड संस और ऐ दिल है मुश्किल में ऐश्वर्या राय बच्चन, रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा, सिद्धार्थ मल्होत्रा, आलिया भट्ट और ऋषि कपूर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर कर चुके हैं। गौरतलब है कि साल 2016 में उरी हमले के बाद भारत में पाकिस्तानी कलाकारों के काम करने पर बैन लगा दिया गया था।

फिल्म एनिमल का टीजर हुआ जारी

-अभिनेता आ गए ट्रोल्स के निशाने पर

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म एनिमल का टीजर जारी हुआ है। इस फिल्म में एक्टर रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में। टीजर देखकर रणबीर के फैंस चर्चा करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं कि कैसे अपने बोल्ड और खूंखार लुक से बॉबी देओल ने पूरी लाइमलाइट लूट ली। फिल्म में बॉबी देओल के लुक की हर तरफ अब तक चर्चा हो रही है। हालांकि, अब तक ये साफ नहीं हुआ है कि फिल्म में बॉबी देओल का क्या रोल होने वाला है, लेकिन इसके बाद भी अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह फिल्म में विलेन की भूमिका में नजर आ सकते हैं। इसके अलावा 54 साल की उम्र में उनके ऐब्ज और फिटनेस भी फैंस का दिल जीत रहे हैं। इस बीच बॉबी देओल का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसके चलते अभिनेता ट्रोल्स के निशाने पर आ गए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में एक स्टंटमैन को गिरते देखा जा सकता है। लेकिन, हाथ देकर इस स्टंटमैन को उठाने या उसकी मदद करने के बजाय बॉबी देओल अपना शॉट पूरा करके निकलने लगते हैं। वायरल हो रही ये क्लिप एक ऐड फिल्म के शूट की है। वीडियो में बॉबी देओल लाइट ब्लू डैनिम और व्हाइट बनियान में नजर आ रहे हैं। वह स्टंटमैन को एक मुक्का मारते हैं और हवा में उछलते हुए स्टंटमैन एक टेबल को तोड़ते हुए जमीन पर आकर गिर जाता है। जैसे ही शूट खत्म होता है, जमीन

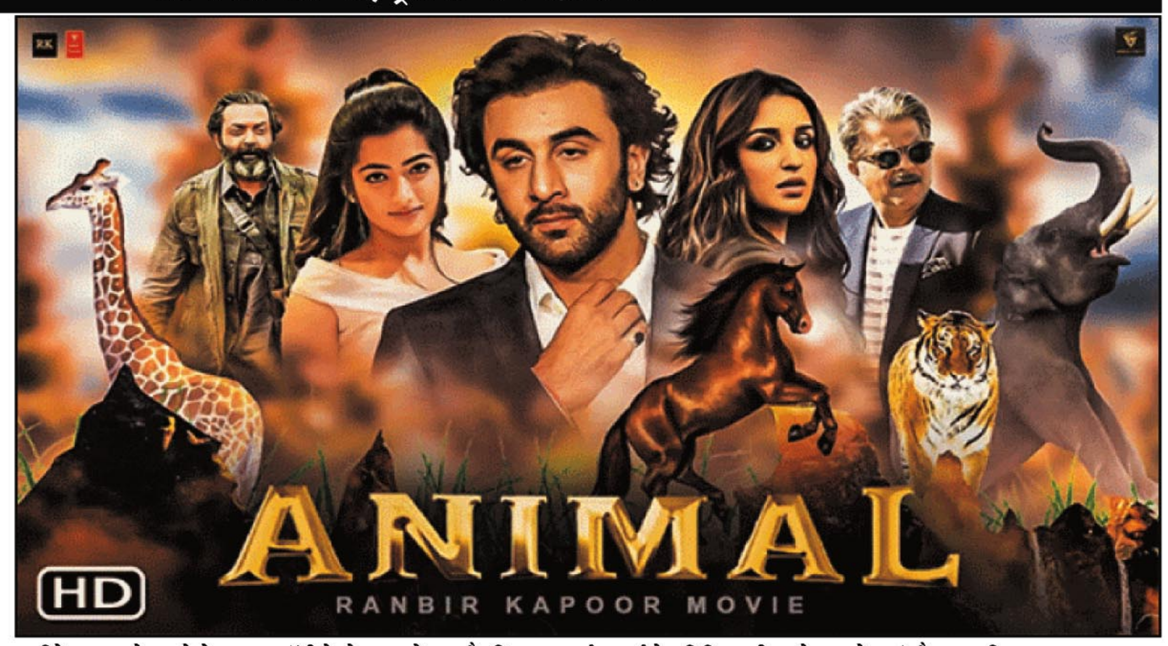

पर गिरे शख्स को उठाने के बजाय बॉबी देओल वहां से चले जाते हैं।

इसके बाद क्रू से एक शख्स आकर स्टंटमैन की उठने में मदद करता है। अब लोग इस स्टंटमैन की मदद ना करने पर बॉबी देओल की आलोचना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर बॉबी देओल का यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर कई यूजर्स ने प्रतिक्रिया दी है। वायरल वीडियो पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा- आम तौर पर बॉलीवुड बेहद असंवेदनशील और अंधकारमय लगता है, और इस वीडियो में यह आपको करीब से देखने को मिलेगा। कम उम्मीदें आपको इससे बचे रहने में मदद करेंगी। एक अन्य ने कहा, बिना किसी केबल के स्टंटमैन द्वारा किया गया यह वास्तव में शानदार फ्लिप था। उसकी और अधिक सराहना किये जाने की जरूरत है। एक और ने लिखा- इनमें से बहुत से बॉलीवुड के लोग घृणित और असभ्य हैं, इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि बॉबी ने उनकी ओर देखा तक नहीं।

फिल्म धक धक को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया

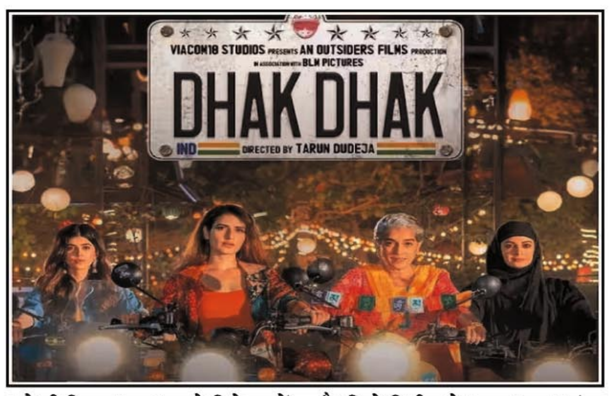

भले ही फिल्म धक धक ने सिनेमाघरों में सीमित रिलीज के साथ एक छोटा सा अभियान चलाया था, लेकिन अब, अच्छी चर्चा और मजबूत कहानी के साथ, स्क्रीन और शहरों की संख्या में वृद्धि हुई है। इस बारे में संजना सांघी ने खुलासा किया कि रिलीज के शुक्रवार को केवल मुंबई और दिल्ली में सीमित स्क्रीन के साथ, सकारात्मक प्रतिक्रिया, शानदार समीक्षा और दर्शकों के कारण। फिल्म की प्रतिक्रिया के बाद शो को 11 शहरों तक बढ़ा दिया गया। यही ईमानदार सामग्री की असली ताकत है, जिसे रिलीज के समय कम आंका जा सकता है और ब्रॉड लेवल पर प्रमोट करने का मौका नहीं मिल पाता है। फिल्म की कहानी 4 साधारण महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो दिल्ली से खारदुंग ला तक एक असाधारण बाइकिंग यात्रा पर निकलती हैं और कैसे यह यात्रा उनकी किस्मत को हमेशा के लिए बदल देती है। रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा, संजना सांघी और फातिमा सना शेख अभिनीत यह फिल्म अब सिनेमाघरों में सफलतापूर्वक चल रही है!

बोल्डनेस का तड़का लगाती नजर आई काइली

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर को सिस्टर किम कार्दशियन के 43वें बर्थडे बैश में स्पॉट किया गया, जहां वह अपने ब्लैक लुक से बोल्डनेस का तड़का लगाती नजर आईं। पार्टी से एक्ट्रेस की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि काइली जेनर ऑफ शोल्डर ब्लैक जिपर लैदर मिनी ड्रेस में बेहद ही हॉट लग रही हैं। इस ड्रेस के साथ उन्होंने ब्लैक ट्रांसपेरेंट स्टाकिंग्स पहनी हैं। पैरों में ब्लैक हील्स, हाथ में मैचिंग पर्स और चेहरे पर काला चश्मा लगाए काइली का स्वैग देखते ही बन रहा है। बहन की बर्थडे पार्टी में एक्ट्रेस अलग ही इम्प्रेशन जमा रही हैं और इस दौरान उन्होंने कैमरे के सामने कई जबरदस्त पोज भी दिए।

डीकेएमएस गाला में स्पॉट किया गया प्रियंका को

हाल ही में ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा को न्यूयॉर्क सिटी में आयोजित डीकेएमएस गाला में स्पॉट किया गया। सितारों से सजे रेड कार्पेट पर जब प्रियंका ने एंट्री मारी तो सभी की निगाहें उन थम गई। इवेंट से एक्ट्रेस की स्टनिंग तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर भी लोगों का खूब दिल जीत रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान प्रियंका चोपड़ा थाई-हाई स्लिट ग्रीन एंड ब्लैक मेटेलिक गाउन में बेहद स्टनिंग दिखीं। खूबसूरत ड्रेस में एक शोल्डर वाला केप फर्श पर टच कर रहा है, जो उनके लुक की ग्रेस को भी बढ़ा रहा

है। इस ड्रेस के साथ एक्ट्रेस ने सिलवर हील पेयर की है। कैजुअल मेकअप, न्यूड लिपस्टिक और खुले बालों से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कंप्लीट किया है और रेड कार्पेट पर अपने हुस्न का जलवा दिखा रही हैं। फैंस प्रियंका की इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं।

श्रद्धा कपूर ने दशहरे के मौके पर अपने लिए खरीदी नई कार लेम्बोर्गिनी

दशहरे के मौके पर कई सेलिब्रिटीज ने नई घोषणाएं कीं। किसी ने आने वाली फिल्म का पोस्टर दिखाया तो किसी ने बताया कि उन्होंने नया घर खरीदा है। श्रद्धा कपूर ने दशहरे के मौके पर एक लग्जरी कार खरीदकर खुद को खास तोहफा दिया है। कार के शोरूम ने श्रद्धा की कार खरीदते हुए कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं हैं। कार शोरूम ऑटोमोबाइल अर्देंट इंडिया ने अपने पोस्ट के जरिए श्रद्धा की नई लेम्बोर्गिनी खरीदने की खबर शेयर की है। उन्होंने शोरूम से श्रद्धा की एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, ह्लकोई अलग नहीं, श्रद्धा कपूर ने हाल ही में एक ह्यूराकन टेक्निका खरीदी है। वह भले ही बॉलीवुड की सबसे बड़ी अभिनेत्री न हों, लेकिन श्रद्धा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो सबसे अलग दिखती हैं और अब उन्हें रोसो एंटेरोस लेम्बोर्गिनी ह्यूराकन टेक्निका को घर ले जाते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। इन तस्वीरों में श्रद्धा की लेम्बोर्गिनी लाल रंग की है और वह अपनी नई कार के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। श्रद्धा की कार की कीमत 4.04 करोड़ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रद्धा ने इससे पहले बीएमडब्ल्यू 7 खरीदी थी, जिसकी कीमत 2.46 करोड़ रुपये थी। इसके साथ ही उनके पास मर्सिडीज बेंज जीएलई कार भी है, जिसकी कीमत 1.01 करोड़ रुपये है। अब उनके पास इन कारों में लेम्बोर्गिनी भी शामिल हो गई है।

फिल्म स्टारफिश का टीजर रिलीज, सिनेमाघरों में 24 नवंबर को आएगी

स्टारफिश का टीजर रिलीज हो गया है। खुशाली कुमार की आने वाली फिल्म स्टारफिश में मिलिंद सोमन, तुषार खन्ना और एहान भट भी हैं। समुद्र तल के ऊपर और नीचे दोनों जगह की दुनिया पर आधारित एक अद्भुत कहानी लगती है। स्टारफि श 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। निमार्ताओं ने स्टारफिश का टीजर जारी कर दिया है। यह आपको उत्साह और प्यार के साथ एक जादुई दुनिया में ले जाता है। एक कुशल व्यावसायिक गोताखोर तारा का किरदार निभाने वाली खुशाली शानदार दिखती हैं। उन्हें अपने अतीत से जूझते हुए भी देखा जा सकता हैं, जो हमें और अधिक जानने की इच्छा पैदा करता है। अखिलेश जायसवाल के निर्देशन में बनी यह थ्रिलिंग ड्रामा फिल्म अंडरवॉटर दुनिया पर आधारित है। स्टारफिश बीना नायक की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब स्टारफिश पिकल पर बेस्ड है। इसकी कहानी एक कुशल व्यावसायिक गोताखोर तारा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने आस-पास के सभी लोगों के लिए एक रहस्य है।

नवरात्रि पर डांडिया नाइट में रोहित मचाया धमाल

वर्धमान लॉन, गंगाधाम, पुणे में आयोजित कार्यक्रम ने उत्साही प्रतिभागियों को एक साथ लाया और शाम के लिए मिसमैच्ड एक्टर रोहित सराफ को एक जीवंत मेजबान के रूप में प्रदर्शित किया। पुणे के एक डांडिया नाइट में डांस और उत्सव के प्रति अपने प्यार का प्रदर्शन करते हुए खूब धमाल मचाया। रोहित सराफ अपनी आकर्षक ऑन-स्क्रीन उपस्थिति के लिए जाने जाते हैं, जिन्होंने इस कार्यक्रम में एक विशेष आकर्षण जोड़ा। यही नहीं साथ ही उन्होंने उपस्थित लोगों के साथ बातचीत की और उत्सव में शामिल भी हुए। उनकी एनर्जी और डांस के प्रति जुनून ने उस शाम को सभी लोगों के लिए और भी यादगार बना दिया। यह कार्यक्रम हमारी संस्कृति का एक अहम उत्सव था और नवरात्रि मनाने का भी यादगार अवसर था। ऐसे आयोजनों में सराफ की भागीदारी उनकी बहुमुखी प्रतिभा और सिल्वर स्क्रीन से परे लोगों से जुड़ने की क्षमता को दशार्ती है।

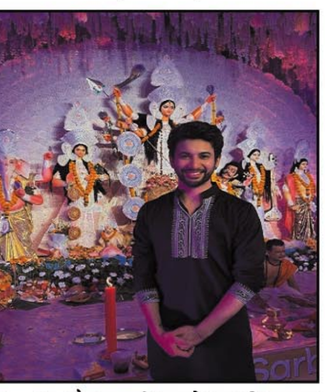

रजनीकांत-अमिताभ बच्चन 33 साल बाद फिर साथ आए, नई फिल्म का किया ऐलान

रजनीकांत और अमिताभ बच्चन 33 साल बाद एक साथ काम करेंगे। अब रजनीकांत की नई फिल्म थलाइवर 170 दर्शकों के सामने आ रही है। इस फिल्म में रजनीकांत के साथ बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन नजर आएंगे। रजनीकांत ने ट्विटर पर अमिताभ बच्चन के साथ एक तस्वीर शेयर की। उन्होंने फोटो शेयर करते हुए लिखा, 33 साल बाद मैं एक बार फिर अमिताभ बच्चन के साथ थलाइवर 170 में काम करूंगा। लाइका प्रोडक्शंस की इस फिल्म का निर्देशन टीजे ज्ञानवेल करेंगे। मेरा दिल खुशी से उछल रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, थलाइवर 170 असल जिंदगी की घटना से प्रेरित है। रजनीकांत एक पुलिसवाले की भूमिका में नजर आएंगे। इससे पहले अमिताभ बच्चन और रजनीकांत फिल्म हम, अंधा कानून और अटैक

में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म में रजनीकांत और अमिताभ के अलावा राणा दग्गुबाती, फहद फासिल, रितिका सिंह, मंजू वारियर और दशहरा विजयन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर अरिरुद्ध रविचंद्र हैं। शाहरुख की सुपरहिट फिल्म जवान के लिए अरिरुद्ध ने ही संगीत तैयार किया था।

सूडोकु नवताल- 6594

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6593 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्दजाल - 7341

अ	क	मु	ग	ल	ए	अ	ला	तु	र	ट
द	ह	ल	प्रे	व	बु	स	द	ह	कां	ड़
र	स	म	म	दी	छ	ल	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	द	दि	वा	स	ढा	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	न	ज	ना	प	णा	झ	ड़
य	ना	द	र	दि	ग	उ	र	ण	दे	क
ती	व	ग	मी	या	प	र	भ	नां	व	को
सां	एं	ऊ	पु	द	ब	क	णी	ए	श	ल्हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	री	औ	प	पु
क	ग	ली	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	व	र्धा	प	म

शब्द जाल में महाराष्ट्र के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अहमदनगर, अमरावती, नागपुर, वर्धा, बुलढाणा,लातुर, नांदेड़, कोल्हापुर, सांगली, परभणी

शब्दजाल - 7340 का हल

अ	क	ल	व	दे	ह	रा	दू	न	ल	क
र	ल्मो	ल	रु	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
ग	स	ड	ल	द्र	छ	पु	चं	पा	व	त
क	ढ़	ज	य	पु	प्र	न	प	न	ल	उ
क	क	वा	ग	श्री	ल	या	तू	ग	झ	ध
जी	क	ल	ल	ह	झ	पू	ग	ण	घ	म
उ	आ	नै	नी	ता	ल	ल	श	र	ला	सिं
क	त्त	दा	ई	धा	ब	क	फ	लो	श	ह
च	बा	र	न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	न
मो	पा	ल	का	व	ह	रि	द्वा	र	प	ग
ली	क	ल	प	शी	न	रा	बा	द	प	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6294

7		2		4		6
3	32		33	5	33	
	4	1				3
2	26		35		39	7
		3		6	5	
1	27	5	35		27	4
		4	7	1		

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6293 का हल

1	5	2	3	7	4	6
6	29	7	40	6	38	1
3	1	4	6	5	2	7
2	24	5	34	1	32	4
5	1	3	6	4	7	2
4	31	6	30	3	32	5
7	4	1	5	2	6	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

विश्वकप क्रिकेट : श्रीलंका ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया, वर्ल्ड कप से लगभग बाहर हुए अंग्रेज

नई दिल्ली।
इंग्लैंड श्रीलंका से हारने के बाद वर्ल्ड कप 2023 से लगभग बाहर हो गई है। श्रीलंका ने इंग्लैंड को 8 विकेट से बड़ी पराजय दी है। इंग्लैंड ने की यह तीसरी लगातार हार है। इंग्लैंड और श्रीलंका का मैच बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुआ था। टीम ने टॉस जीतने के बाद बल्लेबाजी को चुना। इंग्लैंड 33.2 ओवर में ऑलआउट हो गई। टीम केवल 156 रन ही बना सकी।

इंग्लैंड के 156 रन पर ऑलआउट होने के बाद श्रीलंका ने 157 रन का टारगेट 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। श्रीलंका ने 157 रन 25.4 ओवर में ही बना लिए। श्रीलंका की तरफ से पथुम निसांका और सदीरा समरविक्रमा ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 100 रनों की पार्टनरशिप की। पथुम और सदीरा ने तीसरे विकेट के लिए 122 गेंदों पर 137 रन मारे।

इंग्लैंड श्रीलंका से मिली हार के बाद अंक तालिका में 9वें नंबर पर पहुंच गई है। श्रीलंका जीत के बाद 5वें नंबर पर पहुंच गई। इंग्लैंड के लिए अभी भी सेमीफाइनल की संभावनाएं पूरी तरह से खत्म नहीं हुई हैं। इंग्लैंड अभी भी सेमीफाइनल में पहुंच सकता है। इंग्लैंड 5 मैचों में एक जीती और 4 हारी है, ऐसे में उसके पास केवल 2 पॉइंट हैं। अब इंग्लैंड को अपने बचे 4 मैच जीतने होंगे, जिससे उसके 10 पॉइंट हो जाएंगे।

इंग्लैंड ने चार मैच खेले हैं, जिनमें अफगानिस्तान से शर्मनाक हार हुई। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका ने तो इंग्लैंड को रौंद कर रख दिया। श्रीलंका की टीम ने चार में केवल एक ही मैच जीता है। दोनों टीमों का एक-दूसरे से आमना-सामना 78 बार हो चुका है। इंग्लैंड ने 38 बार तो श्रीलंका ने 36 बार मुकाबला जीता है। दोनों के बीच एक मुकाबला टाई तो तीन मुकाबले बेनतीजा रहे हैं।

वर्ल्ड कप में 11 बार इंग्लैंड और श्रीलंका की भिड़ंत हुई है। इन 11 मुकाबलों में इंग्लैंड ने 6 मैच, तो श्रीलंका ने 5 जीते हैं। भारत में इंग्लैंड और श्रीलंका दो बार आमने-सामने आ चुके हैं। दोनों ही बार इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराया है। इंग्लैंड और शअरीलंका के बीच यह मैच पुणे और दिल्ली में हुए थे। बेंगलुरु की पिच बल्लेबाजों के लिए शानदार है। इंग्लैंड बनाम श्रीलंका के इस मैच में बड़े स्कोर बनने का अनुमान है। पिच से गेंदबाजों को खास फायदा नहीं मिलेगा। स्पिन गेंदबाजों को बीच के ओवरों में मदद मिल सकती है। बेंगलुरू की इस पिच पर अभी तक 38 मुकाबले हुए हैं, जिसमें पहले बल्लेबाजी करने वाले सिर्फ 14 बार जीते हैं। चेज करने वाली टीम 20 बार जीती है।

न्यूज ब्रीफ

ठाकुर जल्लाद और अकाली बाबा के बीच महादांगल में खूब लगे दांव-पेंच... महिला पहलवानों ने भी दिखाया दमखम

बेगूसराय। सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति श्रीपुर-खांजहांपुर द्वारा आयोजित मेले का मुख्य आकर्षण महादंगल रहा। पहले दिन महिला पहलवान के साथ राष्टीय स्तर के नामचीन पहलवानों ने अपने दांव-पेंच से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। दंगल का सफल संचालन करते हुए समिति के अध्यक्ष प्रकाशचंद्र बादल, सचिव राजीव कुशवाहा, कोषाध्यक्ष रंजीत महतो, मेला लाइसेंसी पंकज कुशवाहा, निर्णायक मंडल के सदस्य सुनील गोस्वामी, साहेब पासवान, रामसखा महतो लोगों में जोश भरते दिखे। दंगल का महामुकाबला नामचीन अकाली बाबा पहलवान एवं राजस्थान के ठाकुर जल्लाद पहलवान के बीच हुआ, हालांकि मुकाबले का निर्णय नहीं निकल पाया। परंतु, दोनों की कुश्ती ने दर्शकों बांधे रखा। इसके अलावा अकाली बाबा पहलवान ने राजस्थान के गुड्डू पहलवान की बदतमीजी के साथ दिए गए चाइलेंज को स्वीकार करते हुए जबरदस्त ढंग से पटखनी देकर दर्शकों की शाबाशी ली। वहीं, समिति के अखाड़े को पहचान दिलवाने वाले सिराज पहलवान के बेटे मो. जावेद ने मात्र एक कुश्ती में जोड़ आजमाइश करते हुए राजस्थान के पहलवान सुबेक को जबरदस्त पटखनी देकर अपने पिता के दांव-पेंच से दर्शकों को रूबरू कराया। आखाड़े में महिला पहलवानों के अलावा वाराणसी के पारस पहलवान, मेरठ के भानु, चित्रकूट के ननकू पहलवान, मिर्जापुर के कृष्णा पहलवान सहित देश भर के लगभग दो दर्जन नामचीन पहलवानों के दाव-पेंच दर्शकों ने देखे। हालांकि, महिला पहलवानों के बीच हुआ दंगल मुख्य आकर्षण था। उत्तर प्रदेश की शिवानी एवं गायत्री पहलवान के बीच हुए दंगल बराबरी पर छूटी। अखाड़े में दंगल में कुल 53 मुकाबले हुए। दंगल में उमड़ी भीड़ को नियंत्रित करने में थाना अध्यक्ष अमर कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल एवं मेला संयोजक दिलीप कुमार, मेला उद्घोषक कुमारी अनुपम वर्मा, नितीश कुमार, रामानंद महतो, रघुनाथ वर्मा, शिबू यादव, दिनेश महतो, गुलशन कुमार यादव, मो. मजलूम परदेसी, रामदिनेश महतो आदि ने महती भूमिका निभाई।

विश्वकप के बाद हटाये जा सकते है पाक कप्तान बाबर आजम

लाहौर। विश्वकप क्रिकेट में खराब प्रदर्शन को देखते हुए टूर्नोमेंट के बाद कप्तान बाबर आजम को हटाया जा सकता है। इसके अलावा टीम में अन्य कई बदलाव भी हो सकते हैं। विश्वकप में अब तक टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी कमजोर रही है। विश्वकप में पाक टीम तीन मैच जारी है और अब उसके सेमीफाइनल में पहुंचने की राह भी कठिन होती जा रही है। उसे भारत, ऑस्ट्रेलिया के बाद अफगानिस्तान जैसी टीम से भी हार का सामना करना पड़ा है। अगर पाकिस्तान टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंचती है तो कप्तान बाबर आजम और सहयोगी स्टाफ पर कार्रवाई होना तय है। टीम अब तक केवल दो मैच ही जीती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड भी इस बात पर सहमत है कि अगर पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंचती है तो फिर बाबर से कप्तानी वापस ले ली जाएगी। साथ ही रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि सहयोगी स्टाफ में शामिल मिकी आर्थर, ग्रांट ब्रैडबर्न, मोर्नी मर्केल, एंड्रयू पुटिक और मैनेजर रेहान उल हक को भी विश्व कप के बाद हटाया जा सकता है।

वाराणसी में 206.92 करोड़ की लागत से हो रहा स्पोर्टस कांप्लेक्स का निर्माण

वाराणसी। सिगरा स्टेडियम में स्पोर्ट्स कांप्लेक्स ने आकार लेना शुरू कर दिया है। वाराणसी स्मार्ट सिटी ने नवंबर के अंत तक प्रथम चरण का कार्य पूर्ण कर लेने का दावा किया है। इस क्रम में 90 प्रतिशत कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है। सिगरा स्टेडियम के पुनर्विकास कार्य का शिलान्यास जुलाई 2022 में किया गया था। खेलो इंडिया योजना के तहत 206.92 करोड़ की लागत से सूबे का पहला मल्टी-स्पोर्ट्स मल्टीलेवल आधुनिक इंडोर स्टेडियम तीन फेस में बन रहा है। प्रथम फेस में 14 हजार वर्ग मीटर में बहु मंजिला मल्टी स्पोर्ट्स व बहुउद्देश्यीय हाल बन कर तैयार हो गया है। इसके अलावा बैंक्वेट हाल, मीटिंग रूम, जिम, पुस्तकालय, रेस्तरां, वीआइपी लाउंज निर्माण पूरा हो गया है।

पैरा एशियाई खेलों में भारत अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के नजदीक पहुंचा

अपना विश्व रिकॉर्ड तोड़ कर जीते सुमित अंतिल अंकुर दोहरा स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने

नई दिल्ली।
पैरा एशियाई खेलों में भारत अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के नजदीक पहुंच गया है। पांच वर्ष पहले जकार्ता में उसने 16 स्वर्ण समेत 70 पदक जीते थे। भारतीय दल इन खेलों के तीसरे दिन ही 15 स्वर्ण, 20 रजत और 29 कांस्य पदक समेत 64 पदक जीत चुका है। भारत ने छह स्वर्ण समेत कुल 34 पदक जीते। सुमित अंतिल ने भाला फेंक के एफ-64 वर्ग और सुंदर सिंह गुर्जर ने एफ-46 वर्ग में विश्व कीर्तिमान के साथ स्वर्ण जीते।

सुमित ने 73.29 मीटर भाला फेंककर इस वर्ष पेरिस विश्व चैंपियनशिप में बनाए गए 70.83 मीटर के अपने ही रिकॉर्ड को भंग किया। वहीं सुंदर सिंह ने 68.60 मीटर भाला फेंका। यूपी के अंकुर धामा ने दृष्टिबाधितों (टी-11) की 5000 मीटर के बाद 1500 मीटर का भी स्वर्ण पदक जीत लिया। अंकुर एक पैरा एशियाड में दो स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने।

सुंदर के वर्ग में भारत ने जीते तीनों पदक

सुमित ने टोक्यो पैरालंपिक में 68.55 मीटर के साथ भाला फेंक में स्वर्ण जीता था, जबकि सुंदर सिंह टोक्यो में कांस्य पदक जीतने में सफल रहे थे। सुंदर सिंह रियो पैरालंपिक में स्वर्ण के दावेदार थे, लेकिन वह इवेंट के आयोजन के समय नहीं पहुंचे थे। उन्होंने पैरालंपिक में दो स्वर्ण, एक रजत जीत चुके देवेंद्र झाझरिया पर आरोप मढ़े थे, जिस पर काफी विवाद हुआ था। हालांकि बाद में सुंदर ने देवेंद्र के साथ विवादों को सुलझाने का दावा किया था। अब वह पैरा एशियाड का पहला स्वर्ण जीतने में सफल रहे हैं। इस वर्ग में रिंकू हुड्डा (67.08) ने रजत और अजीत सिंह ने (63.52) कांस्य जीते। सुमित के वर्ग में पुष्पेंद्र सिंह ने 62.06 मीटर के साथ कांस्य जीता।

पैरा एशियाड में भारत के पदक विजेता

स्वर्ण
सुमित अंतिल-जेवलिन थ्रो एफ-64
सुंदर सिंह गुर्जर-जेवलिन थ्रो, एफ-46
हैनी-जेवलिन थ्रो एफ-37
अंकुर धामा, 1500 मीटर, टी-11
रक्षिता राजू, महिला 1500 मी., टी-11
निमिशा, लंबी कूद, टी-47

रजत
पूजा, डिस्कस थ्रो, एफ-54/55
शीतल और सरिता, पैरा तीरंदाजी, कंपाउंड युगल-ओपन
जैनब खातून, पॉवरलिफ्टिंग, 61 भार वर्ग
रिंकू हुड्डा, जेवलिन थ्रो एफ-46
एमएस शरत, 1500 मीटर, टी-13
ललिता, 1500 मीटर, टी-11
सोमन राणा, शॉटपुट, एफ-56/57
राकेश कुमार, सूरज सिंह, पैरा तीरंदाजी, पुरुष युगल, कंपाउंड ओपन

कांस्य
पुष्पेंदर सिंह-जेवलिन थ्रो एफ-64
भाविना पटेल-टेबल टेनिस, महिला एकल, क्लास-4
मनीषा-प्रमोद भगत-मिश्रित युगल पैरा बैडमिंटन एलएल-3-एसयू-5
श्रेयांष त्रिवेदी-200 मीटर टी-37
थुला सिमति-नितेश-पैरा बैडमिंटन, मिश्रित युगल एसएल-3-एसयू-5
हरविंदर सिंह-साहिल, पैरा तीरंदाजी, पुरुष रिकर्व ओपन
संदीप डांगी-पैरा टेबल टेनिस, पुरुष एकल, क्लास-1
नारायण ठाकुर-200 मीटर टी-35
मानषी जोशी-पैरा बैडमिंटन, महिला एकल, एसएल-3
वैष्णवी-पैरा बैडमिंटन, महिला एकल, एसएल-4
राजकुमारी-पॉवरलिफ्टिंग, 61 भार वर्ग
अजीत सिंह, जेवलिन थ्रो, एफ-46
बलवंत सिंह रावत, 1500 मीटर, टी-13
एचएस होकातो, शॉटपुट, एफ-56/57

हैनी ने गेम्स रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण

अंकुर धामा ने 4.27.70 मिनट का समय निकालकर स्वर्ण जीता। 2018 के जकार्ता पैरा एशियाड में स्वर्ण जीतने वाली रक्षिता राजू (5.21.45 मिनट) ने महिलाओं में दृष्टिबाधितों की 1500 मीटर रेस जीती, जबकि ललिता (5.48.85) ने रजत जीता। हैनी ने एफ-37 वर्ग में 55.97 मीटर भाला फेंक गेम्स रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीता। निमिशा ने 5.15 मीटर की लंबी कूद में छलांग लगाई। 5000 मीटर में एमएस शरत को जीतने पर भी स्वर्ण नहीं दिया गया, क्योंकि इस इवेंट में दो ही रेसरों ने हिस्सा लिया था,लेकिन आज उन्होंने 1500 मीटर में रजत जीता, जबकि इसी रेस में बलवंत सिंह रावत तीसरे स्थान पर रहे। भारत ने सभी स्वर्ण एथलेटिक्स में जीते।

भाविना-हरविंदर को भी पदक

टोक्यो पैरालंपिक में टेबल टेनिस का रजत जीतने वाली भाविना पटेल ने यहां कांस्य जीता, जबकि टोक्यो में स्वर्ण जीतने वाले तीरंदाज हरविंदर सिंह को यहां रिकर्व युगल में साहिल के साथ कांस्य पदक जीता।

दक्षिण अफ्रीकी के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है पाक का रिकार्ड

नई दिल्ली।
पाकिस्तान की टीम का प्रदर्शन इस बार एकदिवसीय विश्वकप में बेहद खराब रहा है और उसके लिए सेमीफाइनल की राह बेहद कठिन बन गयी है। टीम को अब तक अपने तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में अब उसे सेमीफाइनल में पहुंचने अपने बचे हुए सभी चार मैच जीतने होंगे। पाकिस्तान की टीम अब छठे मुकाबले में शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। इस मैच में भी पाक की उम्मीदें बेहद कमजोर हैं क्योंकि इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम जबरदस्त फार्म में है। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो पाक टीम का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अच्छा नहीं रहा है। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस टूर्नामेंट में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने अब तक खेले 5 में से 4 मैच जीते हैं और वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है। दूसरी ओर पाक की टीम 5 में से सिर्फ 2 ही मैच जीत सकी है और 4 अंक लेकर छठे नंबर पर कायम है।

एकदिवसीय विश्व कप की बात करें, तो दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच अब तक कुल 5 मैच हुए हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने 3 मैच जीते हैं जबकि पाकिस्तान को दो मैच में ही जीत मिली है। 1992 विश्वकप में पहली बार दोनों टीमें आमने-सामने हुई थीं। तब अफ्रीकी टीम को 20 रन से जीत मिली थी। 1996 में 5 विकेट से जबकि 1999 में अफ्रीकी टीम को 3 विकेट से जीत मिली। वहीं विश्वकप कप के अंतिम दोनो ही मुकाबले पाक टीम जीतने में सफल रही है। साल 2011 में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को 29 रन से जबकि 2019 में 49 रन से हराया था। पाक की टीम 2011 के बाद से ही एकदिवसीय विश्वकप के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच सकी है। ऐसे में देखना होगा कि क्या टीम 12 साल बाद अंतिम-4 में जगह बनाने में सफल होती है या नहीं। एकदिवसीय के कुल रिकॉर्ड की बात करें, तो अफ्रीकी टीम का रिकॉर्ड पाकिस्तान के खिलाफ बेहतरीन हैं। दोनों के बीच अब तक 82 वनडे खेले गए हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने 51 मैच जीते हैं, वहीं पाकिस्तान की टीम सिर्फ 30 ही मैच जीत सकी है।

विश्वकप बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौटे बांग्लादेश के कप्तान शाकिब

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के कप्तान शाकिब अल हसन भारत में जारी एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट को बीच में ही छोड़कर स्वदेश लौट गये हैं। विश्वकप में अब तक बांग्लादेश का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। इसके साथ ही शाकिब भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। माना जा रहा है कि अपना फार्म हासिल करने के लिए ही वह स्वदेश लौटे हैं। वह अपने मेंटोर नजमुल आबेदीन फहीम के साथ अभ्यास के लिए ढाका गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वह स्वदेश पहुंचने के बाद अपने मेंटोर नजमुल आबेदीन के साथ सीधे शेरे बांग्ला नेशनल स्टेडियम गए जहां उन्होंने तीन घंटे तक नेट अभ्यास भी किया, जिसमें शाकिब ने मुख्य रूप से नेट्स पर थ्रोडाउन का अभ्यास किया।

हॉकी के महासंग्राम का गवाह बनेगा झारखंड छह देशों की टीमें बहा रही पसीना

रांची।
वूमेंस एशियन हॉकी चैंपियनशिप 2023 की शुरुआत शुक्रवार 27 अक्टूबर को राजधानी रांची में हो रही है। इस दिवसीय चैंपियनशिप का आयोजन रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में होगा। चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए भारत, चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड समेत छह टीमें रांची पहुंच चुकी है। टूर्नामेंट की फॉर्मेट के अनुसार, प्रत्येक टीम को राउंड-रॉबिन स्टेज में पांच मैचों में शामिल होना होगा, फिर सेमी-फाइनल में पहुंचने के लिए चार सबसे ऊपर की टीमें आगे बढ़ेंगी।

भारतीय टीम के शानदार प्रदर्शन की उम्मीद

19वें एशियाई खेलों के गोल्ड मेडलिस्ट चीन और ब्रॉन्ज मेडलिस्ट जापान की टीम निश्चित रूप से सभी का ध्यान खींचेंगी। वहीं भारतीय महिला हॉकी टीम भी इस खिताब के लिए प्रमुख दावेदार मानी जा रही हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम हांगजोऊ 2022 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल हासिल करने में सफल रही थी।

पेरिस ओलंपिक में क्वालिफाई का मौका

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने रांची में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि इस तरह की टूर्नामेंट में किसी भी टीम को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया हर हाल में यहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी, ताकि वर्ष 2024 में पेरिस में होने वाले ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सके। इस मौके पर मुख्य कोच जे.के.शोपमान ने कहा कि ओलंपिक क्वालिफाई के लिए यह प्रतियोगिता बड़ा अवसर है।

भारत का पहला मुकाबला थाईलैंड के साथ

भारतीय महिला हॉकी टीम का पहला मुकाबला थाईलैंड के साथ 27 अक्टूबर को होगा। फिर टीम इंडिया का मुकाबला मलेशिया के साथ 28 अक्टूबर को होगा। उसके बाद तीसरा मुकाबला 30 अक्टूबर को चीन के साथ और चौथा मुकाबला 31 को जापान के साथ होगा। टीम का आखिरी मैच कोरिया के साथ 2 नवंबर को होगा। इसके बाद नॉकआउट स्टेज के मैच होंगे। पहली बार इस घरेलू टर्फ पर आयोजित मैच में दर्शकों का भी पूरा समर्थन टीम इंडिया को मिलेगा।

पांड्या के घुटने का लिंगामेंट फटा, दो से तीन सप्ताह के लिए हो सकते हैं बाहर

मुम्बई।
टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या लिंगामेंट फटने के कारण अगले दो से तीन सप्ताह के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। ऐसे में अब वह एकदिवसीय विश्वकप में श्रीलंका और इंग्लैंड सहित लीग के बचे मैचों में नहीं खेलेंगे। पांड्या की नॉकआउट मैचों में वापसी हो सकती है।

पांड्या की इस चोट ने भारतीय टीम की मुश्किलें जरुर बढ़ गयी हैं। इस ऑलराउंडर को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में चोट लगी थी। जो अब ज्यादा गंभीर होती दिखाई दे रही है। पहले खबर थी कि पांड्या के टखने में चोट लगी है और वह एक 29 अक्टूबर के मैच के लिए टीम से जुड़ जाएंगे, मगर अब खबर है कि उनका लिंगामेंट फटा है जिसे ठीक होने में दो हफ्ते का समय लग सकता है। ऐसे में पांड्या आगे आने वाले कई मुकाबले नहीं खेलेंगे पर उनकी जगह किसी विकल्प को नहीं रखा गया है। इससे साफ है कि वह फिट होने पर नॉकआउट मैचों में वापसी कर सकते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार हार्दिक के टखने में ग्रेड 1 लिगामेंट टीयर है। इस वजह से उनके खेलने को लेकर अभी पक्के तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता है।

बीसीसीआई की ओर से एक बयान में कहा गया नितिन पटेल के नेतृत्व में मेडिकल टीम बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में उनकी निगरानी कर रही है पर चोट पहले समझी गई चोट से कुछ अधिक गंभीर लग रही है। ऐसा लगता है कि उन्हें लिंगामेंट में भी हल्की चोट आई है जिसे ठीक होने में आमतौर पर कम से कम दो सप्ताह लगते हैं। चोट ठीक होने से पहले एनसीए उन्हें रिलीज नहीं करेगा। मेडिकल टीम ने टीम प्रबंधन को बताया है कि उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही मैदान पर वापस आएंगे। वहीं भारतीय टीम भी पांड्या की वापसी को लेकर जल्दबाजी नहीं कर रही है। इससे साफ होता है कि हार्दिक के इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले अगले मैच के लिए उपलब्ध होने की संभावना नहीं है। भारतीय टीम ही लखनऊ पहुंच गई थी। नवंबर के पहले हफ्ते में भारत को श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले दो मैचों खेलने हैं, जिसमें भी हार्दिक का वापसी संभव नहीं है। हार्दिक अभी टीम के साथ यात्रा करने की जगह अपने रिहैब के लिए एनसीए में ही रुकेंगे। हार्दिक के बाकी टूर्नामेंट में शामिल होने पर अगले हफ्ते ही कोई अंतिम फैसला लिया जाएगा।

गावस्कर ने मैक्सवेल की पारी को अद्भुत बताया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल की जमकर प्रशंसा की है। मैक्सवेल ने नीदरलैंड के खिलाफ एकदिवसीय विश्वकप मुकाबले में केवल 40 गेंदों में ही शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई पारी के 40वें ओवर में बल्लेबाजी करने आए और उन्होंने 44 गेंदों पर 8 छक्कों और 9 चौकों की सहायता से 106 रन बना दिये। ये विश्वकप का अब तक का सबसे तेज शतक रहा।

प्रो टेनिस लीग का पांचवां संस्करण : आठ टीमें, 40 खिलाड़ियों के बीच होगी प्रतियोगिता

पीटीएल नीलामी का हिस्सा होंगे मुकुंद शशिकुमार, रिया भाटिया और सहजा यमलापल्ली

नई दिल्ली।
मुकुंद शशिकुमार, रिया भाटिया और सहजा यमलापल्ली प्रो टेनिस लीग (पीटीएल) के पांचवें संस्करण के लिए यहां शनिवार को आरके खन्ना टेनिस स्टेडियम में होने वाली नीलामी के लिए खिलाड़ियों के पूल का हिस्सा होंगे।

नीलामी में कुल आठ टीमें 40 खिलाड़ियों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिन्हें पांच श्रेणियों में विभाजित किया गया है - पुरुष प्रो (1 खिलाड़ी), महिला प्रो (1 खिलाड़ी), नेक्स्ट-जेन पुरुष प्रो (1 खिलाड़ी), नेक्स्ट-जेन महिला प्रो* (1 खिलाड़ी) और मास्टर्स खिलाड़ी - 1 खिलाड़ी (पहले से ही आवंटित)।

मुकुंद ने 17 अक्टूबर 2019 को हासिल की गई 229 की करियर-उच्च एटीपी एकल रैंकिंग हासिल की है। उनके पास 3 फरवरी 2020 को हासिल की गई 431 की करियर-उच्च एटीपी युगल रैंकिंग भी है, जबकि रिया की एकल में करियर की उच्चतम डब्ल्यूटीए रैंकिंग 2 मार्च, 2020 को 338 है और युगल में 17 मई, 2021 को 387 थी। उन्होंने आईटीएफ महिला सर्किट के टूर्नामेंट में तीन एकल और तीन युगल खिताब जीते हैं और सहजा की एकल में 380 और युगल वर्ग में 513 की सर्वोच्च रैंक थी।

नीलामी चलाने के लिए लागू किया जाने वाला पैटर्न नीलामी शुरू होने से पहले ड्रा द्वारा तय किया जाएगा। इस प्रक्रिया के अंतर्गत, खिलाड़ियों का प्रत्येक समूह पहले समाप्त हो जाएगा और उसके बाद ही नीलामी खिलाड़ियों के अगले समूह के लिए आगे बढ़ेगी।

टीम के सदस्यों को प्रक्रिया के लिए 1,00,00,000 अंकों का वर्चुअल बजट दिया जाएगा। इसका मतलब यह है कि पीटीएल स्पोर्ट्स ग्रुप द्वारा महत्वपूर्ण शोध के बाद पूल के प्रत्येक खिलाड़ी को पहले से ही काल्पनिक मूल्य दिए गए हैं।

प्रत्येक खिलाड़ी के लिए बोली प्रक्रिया खिलाड़ियों के न्यूनतम बोली मूल्य पर शुरू होगी और लीग एक्सेल शीट द्वारा बताए गए कैप या अधिकतम मूल्य तक जा सकती है जो मौजूद होगी और गतिशील होगी। किसी भी टीम को अपने बजट से अधिक की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्रो टेनिस बिजनेस डेवलपमेंट प्रमुख अभिजीत डांगट ने कहा, जैसा कि हम खिलाड़ियों की नीलामी के लिए इकट्ठा होते हैं, हम सिर्फ बोलियों और संख्याओं से कहीं अधिक देखते हैं। हम इन उभरते खिलाड़ियों द्वारा दृढ़ संकल्प की भावना, क्षमता का रोमांच और महानता का वादा देखते हैं। मैं सभी टीम मालिकों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं सीजन के लिए शुभकामनाएं और उम्मीद है कि लीग में कुछ रोमांचक और मनोरंजक मैच देखने को मिलेंगे।

क्रिकेट स्कॉटलैंड ने ट्रुडी लिंडब्लेड को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया

ग्लासगो। क्रिकेट स्कॉटलैंड ने गुरुवार को घोषणा की कि उसने ट्रुडी लिंडब्लेड को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। इसमें कहा गया है कि ट्रुडी 2023 यूसीआई साइक्लिंग विश्व चैंपियनशिप के मुख्य कार्यकारी के रूप में अपनी भूमिका समाप्त करने के बाद 2024 की शुरुआत में क्रिकेट स्कॉटलैंड के साथ काम शुरू करेंगी। यूसीआई साइक्लिंग विश्व चैंपियनशिप इस साल अगस्त में ग्लासगो और पूरे स्कॉटलैंड में सफलतापूर्वक आयोजित हुई थी। क्रिकेट स्कॉटलैंड के वर्तमान अंतरिम मुख्य कार्यकारी पीट फिट्ज़बॉयडन, शासी निकाय में भूमिका के सुचारू हस्तांतरण को सुनिश्चित करने के लिए ट्रुडी के आने तक पद पर बने रहेंगे। ट्रुडी ने बयान में कहा, क्रिकेट स्कॉटलैंड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त होना सौभाग्य की बात है।

अपने बच्चों को कॉन्फिडेंट बनाने के लिए अपनाएं कुछ तरीके

हर मां-बाप को अच्छा लगता है, जब बच्चे अपनी बातों को खुलकर कहते हैं, नाचते हैं, दूसरों की एक्टिंग करते हैं, बड़ी बहन को तंग करते हैं, लेकिन वहीं बच्चे स्कूल में या किसी पार्टी फंक्शन में एक किनारे गुमसुम सा खड़ा रहें, तो पेरेंट्स को बहुत बुरा लगता है। वैसे भी हर इंसान की अपनी अलग पर्सनालिटी होती है, कोई बहुत बातूनी होते हैं, तो कोई कम बोलने वाले, कोई ज्यादा फिजिकल एक्टिव होते हैं, तो कोई सुस्त प्रकृति के लेकिन अपनी बातों को समय पर न कह पाना, इसलिए हमें हमारे बच्चों को समाज में अपनी बातों को कैसे रखना है ये सिखाना पड़ेगा। तो आइए जानते हैं अपने बच्चों को कैसे कॉन्फिडेंट बनाएं। शारीरिक या मानसिक किसी भी तरह से देखा जाए, तो बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं। इसलिए इनके अच्छे डेवलपमेंट की जिम्मेदारी हमारी बनती हैं, क्योंकि हम इन्हें जिस भी सांचे में ढालेंगे ये उसी में ढल जाएंगे। बेहतर यही होगा कि हम बच्चों की गतिविधियों पर फोकस करके समय रहते उनको अच्छा परवरिश दें और उन्हें समाज का श्रेष्ठ व्यक्ति बनने में मदद करें। शर्मीले बच्चों को कॉन्फिडेंट बनाने के कुछ आसान उपाय। अगर आपका बच्चा घर पर आपके और अन्य सदस्यों के साथ नॉर्मल रहता है, लेकिन बाहर निकलते ही एकदम शांत हो जाता है, तो ऐसे में उसे सबके सामने डांटे नहीं बल्कि एकांत में उससे पूछे कि आखिर क्या बात है। कई बार ऐसा होता है कि अगल-बगल का माहौल उसकी परेशानी का कारण हो सकता है, लेकिन कई बार कुछ और भी वजह हो सकती है, इसलिए आप उसकी परेशानी का कारण समझें और निवारण करें। हर बच्चों की अपनी कैपिसिटी होती है, इसलिए किसी एक बच्चे की तुलना किसी दूसरे बच्चे से करना उसे हतोत्साहित करना होगा। चाहे दोनों बच्चे खुद आपके ही क्यों न हों, ऐसा करने से बचें। कभी भी किसी भी मामले की गहराई को जाने बिना बच्चों को डांटे नहीं। उससे खुलकर प्यार से सारी बात सुनें तभी किसी निर्णय पर पहुंचे। हर बच्चा अपने मां बाप का आईना होता है, इसलिए आपको अपने बच्चों में जो चीजें चाहिए उन्हें खुद की जिंदगी में उतारना पड़ेगा मतलब खुद ही उनका रोल मॉडल बनना पड़ेगा। बच्चों को नई एक्टिविटीज में एडमिशन कराएं इससे उनको कई बच्चों में रहकर अपने स्किल डेवलपमेंट करने में सहायता मिलेगी, साथ ही आपका बच्चा दूसरे बच्चों के साथ घुल-मिलकर बात करना भी सीखेगा।

पपीते के पत्तों के जूस से शुगर रहता है कंट्रोल और कब्ज से भी मिलती है राहत

पपीता एक फल होने के साथ-साथ अपने आप में एक संपूर्ण औषधि भी है। इसका फल हो या फिर पत्तियां सभी सेहत के लिए फायदेमंद साबित होते हैं। फाइबर युक्त पपीते की पत्तियों का जूस न केवल आपके ब्लड शुगर कंट्रोल में रखता है, बल्कि पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाता है। कब्ज के लिए इसके पत्तियों का जूस तो रामबाण है, इसे पीने से हमारी आंत एकदम साफ हो जाती है। इतना ही नहीं डेंगू बुखार में भी इसका जूस बहुत ही लाभदायक सिद्ध होता है। टाइफाइड में अक्सर मरीजों के प्लेटलेट्स डाउन हो जातें हैं, ऐसे में इसकी पत्तियों के जूस को पीने से मरीज का प्लेटलेट्स बहुत ही जल्दी रिकवर होने लगता है। आइए जानते हैं पपीते की पत्तियों के जूस के फायदों के बारे में। इसके जूस का सेवन कुछ ही दिनों में अपना असर दिखा देता है, इसलिए इसका लम्बे समय तक सेवन हमारे शरीर पर अपना दुष्प्रभाव भी दिखाने लगता है, इसलिए इसका सेवन सीमित समय तक ही करना चाहिए। इसमें हाई लेबल में मौजूद विटामिन-ए, विटामिन-बी, विटामिन-ई और विटामिन-के हमारे शरीर के लिए बहुत तरीकों से फायदेमंद है। मच्छरों के काटने से होने वाले डेंगू बुखार में इसके जूस का खाली पेट सेवन बुखार में होने वाले थकान,सिर दर्द,मतली और स्किन पर पढ़ने वाले चकत्ते से छुटकारा दिलाने में सहायक सिद्ध होता है। ऐसे में अगर प्लेटलेट्स डाउन हो जाए, तो इसका जूस तुरंत राहत दिलाता है। दस दिन तक फाइबर युक्त पपीते के जूस का सुबह खाली पेट सेवन करने से पाचन संबंधी सभी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं ये आंतों की भी अच्छे से सफाई कर देता है।

पिस्ता सर्दी से बचाने के साथ आपके दिल का भी रखता है ख्याल

सर्दियों में हम ऐसी चीजें खाना चाहते हैं, जो हमारे शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं। इसके लिए घी, गुड़, अदरक जैसी कई चीजें खाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि पिस्ता सर्दियों में खाने के लिए बेस्ट ड्राई फ्रूट है। यह गर्म नेचर का ड्राई फ्रूट होता है, इसलिए यह सर्दियों में आपको अंदर से गर्म रखने में मदद करता है, साथ ही यह आपकी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है, इसलिए इसे सर्दियों का परफेक्ट स्नैक माना जाता है। आप इसे कई डिसेज में डालकर भी खा सकते हैं। आइए जानते हैं, सर्दियों में रोज पिस्ता खाने के फायदे। पिस्ता सर्दियों में आपके शरीर को भीतर से गर्म रखने में मदद करता है। इसे रोज खाने से आप ठंड से होने वाले दुष्प्रभाव जैसे सर्दी-जुकाम के खतरे से बत सकते हैं, साथ ही इसमें पाए जाने वाले फैटी एसिड्स, विटामिन और मिनरल्स एनर्जी भी देते हैं। पिस्ता में काफी मात्रा में एंटी-ऑक्सिडेंट्स, विटामिन और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो हमारे इम्युन सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इम्युन सिस्टम के मजबूत होने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है, इसलिए सर्दियों में पिस्ता को अपनी डाइट का हिस्सा जरूर बनाएं। पिस्ता में विटामिन-ई पाया जाता है, जो आपकी स्किन के लिए वरदान से कम नहीं होता। यह आपके स्किन की इलास्टिसिटी को नेचुरली बढ़ाता है, जिससे झुर्रियां और फाइन लाइन्स कम होती हैं, साथ ही यह आपकी त्वचा को यूवी रेज से भी बचाता है, जिससे सन डैमेज की वजह से होने वाली परेशानियों से बचा जा सकता है। इसमें कई फैटी एसिड होते हैं, जो स्किन को मॉइस्चराइज रखने में मदद करते हैं। पिस्ता आपकी बॉडी से बैड कोलेस्ट्रॉल को कम कर, गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करता है। गुड कोलेस्ट्रॉल आपके हार्ट के लिए फायदेमंद होता है, इस वजह से कई कार्डियो वैस्कुलर डिजीज होने का खतरा कम होता है। बायोटीन बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**